CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Gurgaon Edition: 2 Page: NBTGRFP User: cci Time: 01-04-2026 22:44 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 5 जनवरी 2026 > पौष 16 शक संवत 1947 माघ कृष्ण द्वितीया, विक्रम संवत 2082 | WATCH GOD WATCHDOG | वर्ष 80, संख्या 4 > पेज 14* > गुड़गांव > मूल्य ₹3.50 या ₹8.50* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित | www.nbt.in
*मासिक खरीद पर ही लागू

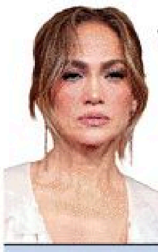

बच्चों की बात पर ऐक्ट्रेस जेनिफर हो गईं भावुक ▸ गुड़गांव टाइम्स

NBT नवभारत टाइम्स

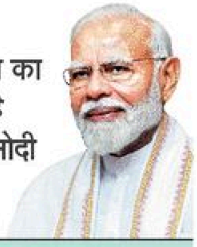

भारत की आत्मशक्ति का दिव्य रूप है सोमनाथ: मोदी ▸ p8

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को मजबूत करने UAE गए सेना प्रमुख ▸ पेज 10

केरल में विपक्ष के नेता की बढ़ी मुश्किलें, सतीशन के खिलाफ CBI जांच ▸ पेज 7

IRCTC घोटाला केस में लालू की याचिका पर आज सुनवाई ▸ पेज 7

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

क्या आपने NBT Wealth लिया?
पर्सनल फाइनेंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।

हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth
सिर्फ 6 रुपये में
अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विचारों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

कोर्ट ने उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभालने को कहा

अमेरिका लाए गए वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति, विवादित जेल में हैं बंद

■ एपी/एएफपी, न्यू यॉर्क, वॉशिंगटन/काराकास

पद से हटाए गए साउथ अमेरिकी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को अमेरिका के मैनहट्टन लाया गया। उन्हें लेकर एक विमान न्यू यॉर्क के पास एयरपोर्ट पर उतरा। इसके बाद हेलिकॉप्टर उन्हें लेकर मैनहट्टन पहुंचा। वहां से उन्हें बख्तरबंद गाड़ी से पास के ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (DAE) ऑफिस ले जाया गया।

वाइट हाउस ने निकोलस मादुरो का विडियो जारी किया है

शनिवार तड़के अमेरिका ने सैन्य अभियान के बाद वेनेजुएला से मादुरो और उनकी पत्नी को उनके घर से पकड़ लिया था। पकड़ने के बाद उन्हें एक अमेरिकी युद्धपोत पर ले जाया गया था।

वाइट हाउस के एक सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए विडियो में मादुरो मुस्कुराते दिखाई दे रहे हैं। उन्हें दो DAE एजेंट बांहें पकड़े हुए ऑफिस के अंदर ले जा रहे थे। मादुरो को ब्रुकलिन जेल में रखा गया है। यह विवादित जेल मानी जाती है। अमेरिका में मादुरो को ड्रग्स से जुड़े आतंकवाद की साजिश के आरोप में केस का सामना करना पड़ेगा। वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने अमेरिका से मादुरो को रिहा करने की मांग की। वेनेजुएला की अदालत ने उन्हें अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर पद संभालने का आदेश दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा, 'हम वेनेजुएला के बचे हुए नेताओं के साथ काम करने को तैयार हैं, अगर वे सही फैसला लेते हैं।'

जांच अधिकारी वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की बांह पकड़कर ले जाते हुए विडियो में दिख रहे हैं।

AP, AFP

स्पेन में US एंबेसी के सामने प्रदर्शनकारी कार्टून लेकर पहुंचे, जिसमें ट्रंप को बैरल से तेल पीते दिखाया गया है।

US ने 150 विमानों का किया इस्तेमाल

ऑपरेशन में तहस-नहस घर।

अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति को पकड़ने के लिए जो मिशन चलाया उसे 'ऑपरेशन एब्सॉल्यूट रिजॉल्व' नाम दिया था। अमेरिका की सेना ने सबसे पहले वेनेजुएला के एयर डिफेंस सिस्टम्स को ध्वस्त किया। इस मिशन को उसकी सेना की डेल्टा फोर्स ने अंजाम दिया। अमेरिका की एयर पावर ने उसका रास्ता साफ किया। इस अभियान में 150 से ज्यादा एयरक्राफ्ट शामिल थे। ड्रोन भी थे। (NBT)

अमेरिका की सैन्य कार्रवाई पर कई देशों ने जताई चिंता

चीन ने कहा, प्रेजिडेंट को तुरंत रिहा करे अमेरिका

चीन ने अमेरिका से कहा कि वह वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को तुरंत रिहा करे। उसने बातचीत के जरिए मुद्दों को हल करने की अपील की। चीनी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'अपदस्थ राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका के जबरन हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने पर चीन गहरी चिंता जताता है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय कानून, अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का सीधा उल्लंघन है।'

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग

भारत बोला, बातचीत से सुलझाएं सारे मुद्दे

वेनेजुएला के घटनाक्रम पर रविवार को भारत ने चिंता जताई। विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, 'सरकार स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। भारत वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई को लेकर समर्थन दोहराता है। हम सभी पक्षों से बातचीत के जरिए सभी मुद्दों को सुलझाने की अपील करते हैं।' वेनेजुएला की राजधानी काराकास में एंबेसी भारतीय समुदाय के संपर्क में है और उन्हें मदद देता रहेगा। ▸ पेज 10

कहा, भारतीय समुदाय की कर रहे मदद

वेनेज़ुएला में तनाव के बीच रही शांति

रविवार को वेनेजुएला में तनावपूर्ण शांति बनी रही। वेनेजुएला की राजधानी काराकास में रविवार को आम दिनों के मुकाबले खामोशी रही। सड़कों पर बहुत कम गाड़ियां नजर आईं। ज्यादातर स्टोर, पेट्रोल पंप और दूसरे कारोबार बंद रहे। शनिवार को अशांति की आशंका के बीच वेनेजुएला के लोग सामान जमा करने के लिए दुकानों और पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारों में दिखे।

नोएडा में शराब पार्टी के दौरान हुआ विवाद

MNC के ब्रांच मैनेजर की चाकू मारकर हत्या, लिव इन पार्टनर अरेस्ट

■ कोरिया का रहने वाला था युवक

■ मणिपुर की युवती के साथ लिवइन में रहता था

डक ही युह (मृतक)

लुंजियाना पामई (आरोपी युवती)

■ NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा

नोएडा के सेक्टर-150 स्थित एटीएस पायस हाइडवे सोसायटी में सैमसंग कंपनी के ब्रांच मैनेजर कोरियाई युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। आरोप मणिपुर की रहने वाली उनकी लिव-इन पार्टनर पर है। घायल अवस्था में वह खुद ही युवक को ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल लेकर पहुंची और मौके से फरार हो गई। युवक की मौत के बाद रविवार को अस्पताल ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद नॉलेज पार्क पुलिस ने आरोपी युवती को अरेस्ट कर लिया। बताया जा रहा है कि एक पार्टी में नशे की हालत में दोनों के बीच विवाद हुआ, जो मर्डर तक पहुंच गया।

नोएडा की एटीएस पायस हाइडवे सोसायटी में रहते थे दोनों

पहले खुद ही ब्लड रोकने की कोशिश की: एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान डक ही युह (Duck Hee Yuh) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, युह पिछले डेढ़ साल से मणिपुर की रहने वाली लुंजियाना पामई के साथ लिव-इन में रह रहे थे। एडिशनल डीसीपी ने बताया कि चाकू लगने के बाद महिला ने पहले खुद ही ब्लड को रोकने का प्रयास किया, लेकिन सुधार होने पर एम्बुलेंस बुलाकर घायल को हॉस्पिटल पहुंचाया। वहीं पुलिस की जांच में यह भी सामने आया है कि 2 साल पहले नोएडा के एक क्लब में दोनों की मुलाकात हुई थी। युवती ने पूछताछ के में बताया कि झगड़े के दौरान चाकू कोरियन व्यक्ति के हाथ में था। हाथापाई होने पर चाकू उसके सीने में लग गया।

फ्लैट में पार्टी के दौरान हुई कहासुनी

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि घटना के समय फ्लैट में शराब पार्टी चल रही थी। दोनों ने शराब पी थी। इसी दौरान कहासुनी हुई, जो मारपीट और फिर हत्या तक पहुंच गई। युवती का आरोप है कि बॉयफ्रेंड उसके साथ मारपीट करता था।

कॉल डिटेल खंगाली जा रही है

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना के समय फ्लैट में कोई अन्य व्यक्ति मौजूद था या नहीं। इसके साथ ही मृतक और आरोपी के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगाले जा रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं हत्या पूर्व नियोजित तो नहीं थी। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है।

फटाफट खबरें

नॉर्थ कोरिया ने समुद्र में दागी मिसाइल

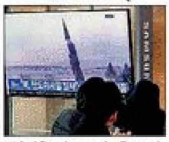

नॉर्थ कोरिया ने समुद्र में रविवार को बैलिस्टिक मिसाइल दागी। साउथ कोरिया के जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा कि सेना को सुबह नॉर्थ कोरिया की राजधानी के इलाके से कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता चला।

रेलवे ट्रैक पर मिला इंजीनियर का शव

फरीदाबाद में नीलम पुल और न्यूटाउन रेलवे स्टेशन के बीच एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर का शव रेलवे ट्रैक पर कई टुकड़ों में मिला। विक्रमजीत सिंह (35) सेक्टर-10 में रहते थे। मां का कहना है कि नौकरी न होने से परेशान था। घटना शनिवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे की बताई जा रही है। ▸ गुड़गांव टाइम्स

होटल की 12वीं मंजिल से दी जान

दिल्ली के कनॉट प्लेस इलाके में रविवार को 50 साल के व्यक्ति ने 5 स्टार होटल की 12वीं मंजिल से कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान लाजपत नगर निवासी परविंदर सिंह जुनेजा के रूप में हुई है। जुनेजा क्रिसमस के दौरान होटल में ठहरे थे और बाद में चले गए थे।

नाइजीरिया में नाव पलटी, 25 की मौत

नॉर्थ नाइजीरिया के नीचे राज्य में एक यात्री नाव पलट गई, जिससे 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 14 अन्य लापता हैं। योबे इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने रविवार को बताया कि नाव में सवार 52 यात्रियों में से 13 को बचा लिया गया है।

महाराष्ट्र में निकाय चुनाव 15 जनवरी को

कैंडिडेट जहां निर्विरोध जीते, वहां का चुनाव रद्द हो: उद्धव

■ पीटीआई, मुंबई

शिवसेना (UBT) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र नगर निकाय चुनाव में जिन वॉर्ड में कैंडिडेट निर्विरोध जीते हैं, वहां चुनाव रद्द करके दोबारा से वोटिंग प्रक्रिया शुरू हो। निर्विरोध चुने गए अधिकतर उम्मीदवारों में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल दलों के उम्मीदवार हैं। निकाय चुनाव 15 जनवरी को होने हैं।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे के साथ उद्धव ने दावा किया कि देश में माहौल ऐसा है, मानो लोकतंत्र पर भीड़तंत्र ने कब्जा कर लिया है। दोनों चचेरे भाइयों ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव के लिए घोषणापत्र जारी किया। राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई और राज्य के अन्य शहरों के मेयर मराठी ही होंगे। उद्धव ने कहा कि जब से शिंदे ने राज्य सरकार की बागडोर संभाली, BMC की संपत्ति ठेकेदारों पर लुटाई जा रही है।

PTI

शिवसेना (UBT) चीफ उद्धव ठाकरे और मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे (दाएं)

CEC को ममता का पत्र, SIR बंद करने की मांग

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चल रहे वोटर समीक्षा (SIR) को तत्काल रोकने की मांग करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि इससे लोकतांत्रिक नींव को अपूरणीय क्षति होगी और लोगों को वोट से वंचित होना पड़ेगा।

बांग्लादेश में हिंदू व्यापारी की हत्या में 3 गिरफ्तार

■ पीटीआई, ढाका : बांग्लादेश में एक हिंदू व्यापारी पर धारदार हथियार से हमला करने और जलाकर मार डालने के मामले में रविवार को तीन लोगों को अरेस्ट किया गया। ढाका से करीब 100 किमी दूर शरीयतपुर जिले में बुधवार रात खोकन चंद्र दास (50) पर हमला किया गया था। शनिवार को उनकी मृत्यु हो गई थी। रैपिड ऐक्शन बटालियन (RAB) की एक टीम ने रविवार सुबह ढाका से करीब 100 किमी उत्तर-पूर्व में किशोरगंज से 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के नाम सोहाग खान, रब्बी मोल्ला और पलाश सरदार हैं। दवा की दुकान और मोबाइल बैंकिंग का कारोबार करने वाले दास एक ऑटो-रिक्शा से जा रहे थे, तभी हमलावरों ने पिटाई की, धारदार हथियारों से हमला किया और फिर सिर पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी।

धारदार हथियार से से हमले के बाद जलाकर की थी हत्या

अंकिता भंडारी मर्डर केस में दिल्ली तक प्रदर्शन, 11 को उत्तराखंड बंद का ऐलान

PTI

देहरादून के परेड ग्राउंड में जुटे प्रदर्शनकारी CM आवास की ओर जाने लगे तो पुलिस से भिड़ंत हुई।

■ अंकिता भंडारी मर्डर केस में रविवार को उत्तराखंड से दिल्ली के जंतर मंतर तक प्रदर्शन हुए।

■ पौड़ी के रिजॉर्ट में 18 सितंबर 2022 को हुए अंकिता मर्डर केस की CBI जांच की मांग हो रही है।

■ दिल्ली के जंतर मंतर पर काफी लोग जुटे और 11 जनवरी को उत्तराखंड बंद का ऐलान किया गया है। ▸ पेज 7

गुड़गांव का AQI 333

फिर बढ़ा प्रदूषण, 10 दिनों तक ऐसा ही रहेगा हाल

File

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : दो दिन बाद रविवार को प्रदूषण का स्तर एक बार फिर बढ़कर बेहद खराब हो गया। हवा की कम रफ्तार की वजह से यह इजाफा हुआ है। अनुमान है कि अगले 10 दिनों तक इसका स्तर बेहद खराब ही रहने वाला है। AQI 401 या इससे अधिक होने पर GRAP-3 लगाया जाता है। रविवार को दिल्ली का AQI 307 रहा। फरीदाबाद का 215, गाजियाबाद का 298, नोएडा का 307 और गुड़गांव का सबसे ज्यादा 333 रहा। 40 में से 26 जगहों पर प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहा। 10 जगहों पर यह खराब और दो जगहों पर यह सामान्य स्तर पर रहा। ▸ गुड़गांव टाइम्स

हैपी मॉर्निंग

पिंकू : देख यार, इसे पिछले 8 साल से नहीं पहना फिर भी इसकी फिटिंग वैसी की वैसी ही है...
टिंकू : कुछ तो ऊपर वाले का खौफ कर... ये शॉल है।

मौसम

अधिकतम तापमान 17.3°
7.4° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय सोमवार 5:39 | सूर्यास्त मंगलवार 7:15
6 जनवरी तक दिल्ली के कुछ इलाकों में शीत लहर की आशंका।

*10 + 4 GurgaonTimes

रहमान के बाद फैसला IPL की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेश के तेज गेंदबाज को कर दिया था रिलीज

T20 वर्ल्ड कप खेलने भारत नहीं आएगी बांग्लादेश की टीम, सुरक्षा का दिया हवाला

■ पीटीआई, ढाका

अगले महीने होने वाले T20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की क्रिकेट टीम भारत में नहीं खेलेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने सुरक्षा और अपनी सरकार का हवाला देकर टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया है। IPL की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) की ओर से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को रिलीज करने के बाद यह फैसला लिया गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के निर्देश पर रहमान को रिलीज किया गया था।

रहमान को IPL से बाहर किए जाने के बाद BCB ने शनिवार रात मीटिंग बुलाई। इसके बाद रविवार को बताया कि राष्ट्रीय टीम 7 फरवरी से शुरू होने वाले T20 वर्ल्ड कप के लिए भारत नहीं जाएगी। BCB ने एक बयान में कहा, 'बोर्ड ने पिछले 24 घंटों के घटनाक्रम को ध्यान में रखते हुए स्थिति की समीक्षा की। भारत में खेले जाने वाले मैचों में टीम की भागीदारी से जुड़े मौजूदा परिस्थितियों पर गहरी चिंता जताई है। भारत में बांग्लादेश की टीम की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंताओं और बांग्लादेश सरकार की सलाह पर निदेशक मंडल ने फैसला किया है कि टीम टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं जाएगी।' ▸ पेज 9

> अगर बांग्लादेशी क्रिकेटर कॉन्ट्रैक्ट में होने पर भी भारत में नहीं खेल सकता, तो टीम वर्ल्ड कप खेलने भारत जाने में सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती। - आसिफ नजरूल, खेल मंत्रालय के सलाहकार (बांग्लादेश)

File

श्रीलंका में मैच चाहता है बांग्लादेश

बांग्लादेश ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) से गुजारिश की है कि उसके मैचों को भारत के बाहर कराया जाए। बांग्लादेश को लीग फेज के अपने चारों मैच भारत में खेलने हैं। टूर्नामेंट में तीन ग्रुप मैच कोलकाता में और एक मुंबई में खेलना है। पाकिस्तान के साथ हुए समझौते की तरह बांग्लादेश भी चाहता है कि उसके मैच टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाले दूसरे देश श्रीलंका में ट्रांसफर कर दिए जाएं। T20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से 8 मार्च तक खेला जाएगा।

गुरमीत राम रहीम को फिर 40 दिन की मिली परोल

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़ : अपनी दो शिष्याओं से रेप में 20 साल की जेल की सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को रविवार को फिर 40 दिन की परोल मिल गई। राम रहीम अभी हरियाणा में रोहतक के सुनारिया जेल में बंद है। इससे पहले पिछले साल अगस्त में 40 दिन की परोल मिली थी। इस हालिया परोल से पहले राम रहीम 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद से 14 बार जेल से बाहर आ चुका है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति जैसी संस्थाओं ने राहत दिए जाने की आलोचना की है। जेल से बाहर आने के बाद वह कई बार बागपत स्थित डेरा के आश्रम में रहा। ▸ पेज 4

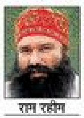

राम रहीम

बेटा घर आया तो हत्या का चला पता

दिल्ली में बुजुर्ग कपल का मर्डर, गहने गायब

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

यमुनापार के मानसरोवर पार्क में मौजूद राम नगर एक्सटेंशन में एक बुजुर्ग दंपती का शव घर के अलग-अलग कमरे में मिला। पुलिस ने दोनों की हत्या का अंदेशा जताया है। मर्डर में किसी करीबी के हाथ होने की बात कही है। बेटा देर रात घर आया तो वारदात का पता चला। जान गंवाने वाले दंपती की पहचान परवेश बंसल (65) और वीरेंद्र कुमार बंसल (71) के तौर पर हुई है। शुरुआती जांच में पता चला कि परवेश बंसल ने जो गहने पहने थे, वे गायब हैं। घर के आसपास लगे CCTV फुटेज की जांच की जा रही है। डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि 4 जनवरी की आधी रात की घटना है। ▸ पेज 3

दोनों अकेले रहते थे घर

सिर पर भारी चीज से किया गया था वार

जांच के दौरान पता चला कि वीरेंद्र कुमार बंसल के सिर पर किसी भारी चीज से वार किया गया था। परवेश बंसल के शरीर पर कोई बाहरी चोट के निशान नहीं मिले। आशंका है कि उनकी गला दबाकर हत्या की गई होगी।

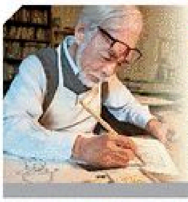

NBT AI टाइम मशीन

आज है Ghibli के जादूगर का जन्मदिन

आज ही के दिन 1941 में एनिमे दुनिया के हीरो हयाओ मियाजाकी (Hayao Miyazaki) का जन्म हुआ था। उन्होंने दो साथियों के साथ मिलकर 1985 में स्टूडियो गिबली की नींव रखी, जो हाथ से बने जादुई एनिमेशन और दिल छू लेने वाली कहानियों के लिए पूरी दुनिया में फेमस हुआ। फिल्म 'स्पिरिटेड अवे' को अकैडमी अवॉर्ड भी मिला। इनकी फिल्मों में प्रकृति, शांति और मानवीय भावनाओं का संगम दिखता है।

भविष्य में जा सकेंगे एनिमे की दुनिया में

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में एनिमेशन सिर्फ देखने का माध्यम नहीं रहेगा, बल्कि पूरी तरह जीने वाला अनुभव बन जाएगा। आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, क्वॉन्टम कंप्यूटिंग और ब्रेन-कंप्यूटर इंटरफेस से सोचते ही किरदार और कहानियां बनेंगी। एनिमेशन 2D-3D से आगे बढ़कर होलोग्राफिक रूप ले लेगा। यह दुनिया की सबसे बड़ी क्रिएटिव इंडस्ट्री होगी। दर्शक कहानी का हिस्सा बनेंगे, किरदारों से बात करेंगे और कहानी की दिशा खुद तय कर सकेंगे।

AI Images

SPEED News

भारत के आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी

रविवार को UAE और श्रीलंका के दौरे पर रवाना हो गए। वे UAE जाकर टॉप सैन्य अधिकारियों के साथ व्यापक वार्ता करेंगे।

Agency

ईरान में खस्ताहाल अर्थव्यवस्था की

वजह से भड़के विरोध-प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है।

बांग्लादेश नैशनल पार्टी ने पूर्व प्रधानमंत्री

खालिदा जिया के निधन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भेजे गए शोक संदेश के लिए आभार व्यक्त किया।

AI Image

नेपाल में भारत सीमा से सटे दो कस्बों में

सोशल मीडिया पर विवादित धार्मिक कंटेंट डालने पर हिंसा भड़की। पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

Photos: Agency

द इनसाइड स्टोरी

US ने मादुरो को कैसे पकड़ा

ये कोई फिल्म का सीन नहीं, बल्कि हकीकत थी। महीनों की खुफिया निगरानी और सैन्य ताकत के दम पर अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके ही घर से गिरफ्तार कर लिया। इस ऑपरेशन ने पूरी दुनिया की राजनीति को हिला दिया है।

ट्रंप ने कहा, मैंने पूरे ऑपरेशन को टीवी शो की तरह देखा।

ब्रुकलिन की कुख्यात जेल में रहेंगे मादुरो

■ एपी, न्यूयॉर्क

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को न्यू यॉर्क के ब्रुकलिन के कुख्यात मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर (MDC) में रखा गया है। मादुरो की गिरफ्तारी के बाद रविवार को बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी इस जेल के बाहर जमा हुए और जश्न मनाया। यह जेल अपनी खराब हालत और हिंसा के लिए बदनाम रही है। कई जज यहां आरोपियों को भेजने से भी इनकार कर चुके हैं। 1990 के दशक की शुरुआत में बनी इस जेल में करीब 1,300 कैदी हैं। यहां आमतौर पर संघीय अदालतों में ट्रायल का इंतजार कर रहे आरोपी रखे जाते हैं। पहले भी इस जेल में आर. केली, 'शॉन डिडी' कॉम्ब्स, सैम बैंकमैन-फ्राइड जैसे चर्चित कैदी रह चुके हैं। इससे पहले हौंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज भी इसी जेल में बंद रह चुके हैं।

■ ट्रंप ने पूरे ऑपरेशन को देखा लाइव

फ्लोरिडा के मार-ए-लागो क्लब में ट्रंप एक अलग कमरे में बड़ी स्क्रीन पर सब कुछ लाइव देख रहे थे। वाइट हाउस ने जो तस्वीरें पोस्ट कीं, उनके मुताबिक, स्क्रीन पर सोशल मीडिया X की लाइव फीड भी चल रही थी। इसी दौरान, अमेरिकी डेल्टा फोर्स के कमांडो वेनेजुएला की राजधानी कराकास में मादुरो के घर में घुसे, जहां वे अपनी पत्नी के साथ सो रहे थे। मादुरो स्टील से बने सुरक्षित कमरे की ओर भागे, लेकिन उन्हें पकड़ लिया गया।

■ महीनों की योजना, लक्ष्य- मादुरो को सत्ता से हटाना

यह कार्रवाई अचानक नहीं हुई। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, इसका मकसद शुरू से साफ था- मादुरो को वेनेजुएला की सत्ता से हटाना। हालांकि, पहले सार्वजनिक रूप से कहा जाता रहा कि अमेरिका का इरादा रेजीम चेंज यानी सत्ता बदलने का नहीं है, लेकिन पर्दे के पीछे तैयारी चल रही थी। ट्रंप को डर था कि कहीं अमेरिका किसी लंबे युद्ध में न फंस जाए, लेकिन क्रिसमस से पहले उन्होंने ऑपरेशन को हरी झंडी दे दी।

अमेरिका में जश्न

अमेरिका में रह रहे वेनेजुएला के लोग निकोलस मादुरो को पकड़ लिए जाने और अमेरिका लाने की खबर के फैलते ही, जश्न मनाने लगे। कुछ लोगों ने वेनेजुएला का झंडा कंधों पर लपेट कर 'आजादी' का नारा भी लगाया।

वेनेजुएला के सबसे बड़े सैन्य परिसर फुएर्ते तिउना की अमेरिकी हवाई हमले से पहले और बाद की तस्वीर।

■ कब, कैसे शुरू हुई तैयारी

तैयारी अगस्त से ही शुरू हो गई थी। CIA ने वेनेजुएला में एक टीम तैनात की, जिसने मादुरो की दिनचर्या, ठिकाने, यहां तक कि वे क्या खाते-पहनते हैं, पर नजर रखी। CIA का एक सूत्र वेनेजुएला सरकार में भी सक्रिय था। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, मादुरो के पालतू जानवरों तक पर यह टीम नजर रख रही थी

■ अल्टीमेटम और ड्रोन हमला

नवंबर 2025 में ट्रंप और मादुरो के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। ट्रंप ने साफ कहा कि मादुरो के लिए पद छोड़ना उनके 'हित में' होगा। इसे एक तरह का अल्टीमेटम माना गया। दिसंबर के अंत तक अमेरिका को लगा कि मादुरो के समर्थन में दरार नहीं पड़ रही है, इसलिए सैन्य कार्रवाई तय हुई। मौसम और अन्य कारणों से देरी हुई, लेकिन आखिरकार हालात अनुकूल बने।

■ राजनीतिक विवाद, आरोप

अमेरिका में डेमोक्रेट सांसदों ने आरोप लगाया कि ट्रंप सरकार ने संसद से झूठ बोला था। सीनेटर एंडी किम ने कहा, बताया गया था कि सत्ता परिवर्तन की योजना नहीं है, लेकिन अब सच सामने आ गया है।

फिर हुआ ऑपरेशन 'एब्सल्यूट रिज़ॉल्व'

150 से ज्यादा विमान और कई सैन्य अड्डों से उड़ानें भरी गईं।

पूरे ऑपरेशन में अमेरिकी साइबर वॉरफेयर तकनीक का इस्तेमाल किया गया।

राजधानी कराकास पहुंचने पर US के हेलिकॉप्टर पर फायरिंग हुई, लेकिन मिशन जारी रहा।

मादुरो और उनकी पत्नी ने सरेंडर किया। पहले उन्हें अमेरिकी युद्धपोत पर ले जाया गया, फिर क्यूबा के ग्वांतानामो और बाद में न्यू यॉर्क भेजा गया।

घटनाक्रम से बदल जाएगा वर्ल्ड ऑर्डर!

पहली बार नहीं, जब साउथ अमेरिका में US की दखलअंदाजी दिखी

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई को लेकर दुनिया की अंतरराष्ट्रीय नियमों को लेकर बहस छिड़ी है। ऐसे में ये याद रखने वाली बात है कि जहां तक दक्षिण अमेरिका की बात है, तो ये पहली बार नहीं है जब इस क्षेत्र में अमेरिकी दखलअंदाजी दिखी है। अब जहां वर्ल्ड ऑर्डर एक या दो देशों पर निर्भर नहीं, ट्रंप का यह कदम यूएस की पुरानी नीतियों से भी आगे की कार्रवाई है।

शीत युद्ध के दौरान, वर्चस्व की लड़ाई में साउथ अमेरिका भी मैदान बना। यहां के देशों में साम्यवादी सरकारों के विरोध में वैकल्पिक विद्रोहों को शह दी गई थी। इसी के चलते 1960 के आखिर तक US और लैटिन अमेरिकी देशों के संबंधों में तनाव दिखा। हाल के दो दशकों की बात करें, जैसे चीन ने अमेरिका को इकॉनमी से लेकर डिप्लोमेसी में टक्कर दी है, वह किसी से छिपा नहीं है। रूस पहले से ही अमेरिका समेत पश्चिम के प्रभुत्व को चुनौती देता रहा है। इस हमले से ट्रंप ने वेनेजुएला के करीबी चीन को संकेत दिए हैं कि वह इन देशों से दूर रहे।

AP

अर्जेंटीना के Obelisk स्मारक पर वेनेजुएला के लोगों ने जश्न मनाया।

देखती रह गई अंतरराष्ट्रीय बिरादरी

ट्रंप अप्रत्याशित फैसलों के लिए जाने जाते हैं। दुनिया के कई देशों पर एकतरफा टैरिफ, दक्षिण अफ्रीका में जी20 का खुलेआम बहिष्कार समेत वो ऐसे कई फैसले ले चुके हैं, जो हाल के वर्षों में दुनिया ने नहीं देखे। वेनेजुएला पर हमले को लेकर अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने कुछ हद तक उनकी नीतियों की आलोचना की, लेकिन यूएन जैसी संस्थाओं के ज्यादा कारगर ना होने के बाद वो अमेरिकी दबदबे को लेकर अपने प्रतिद्वंद्वियों को संकेत देने में कामयाब रहे।

अब US की नजर ईरान की सत्ता पर: एक्सपर्ट

वेनेजुएला के तेल संसाधनों पर अमेरिकी कब्जे का सीधा अर्थ है कि अब उसकी नजरें ईरान में सत्ता बदलाव पर है। ऐसे में वेनेजुएला के तेल पर कंट्रोल इस दिशा में मददगार साबित हो सकता है। भविष्य में जब भी ईरान में दखल दिया जाएगा, तो पश्चिम एशिया के तेल की कीमतों में संभावित वृद्धि के मद्देनजर ये कदम अहम साबित होगा। ट्रंप खुद को शांति का दूत बताते हैं लेकिन बावजूद इसके अमेरिका ने इस एक्शन से एक तथ्य प्रमाणित कर दिया है, वह अब भी उतना शक्तिशाली है, जितना वह शीत युद्ध के समय या शीत युद्ध के बाद था। अब ये तय है कि ईरान पर हमला कुछ वक्त की ही बात है। इसके बाद वर्ल्ड ऑर्डर में भी बदलाव आएगा। – *अमिताभ सिंह, अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार*

ऑपरेशन एब्सल्यूट रिज़ॉल्व ने फिर दिखाई एयर पावर की अहमियत

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अमेरिका सेना ने निकोलस मादुरो को पकड़ने के लिए 'ऑपरेशन एब्सल्यूट रिजॉल्व' चलाया। इसने एक बार फिर किसी भी देश के लिए एयर पावर और एयर डिफेंस की मजबूती की अहमियत दिखाई है। अमेरिकी मिलिट्री ने सबसे पहले वेनेजुएला के एयर डिफेंस सिस्टम को ध्वस्त किया। पिछले साल पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया था, इस ऑपरेशन ने भी यही सीख दी थी कि एयर पावर और एयर डिफेंस कितना जरूरी है। पिछले साल दुनिया भर में जितने भी संघर्ष, लड़ाइयां हुई हैं, उनमें सबसे ज्यादा ड्रोन और एयर पावर का इस्तेमाल किया गया। एयर डिफेंस की मजबूती के लिए दुनियाभर ने तेजी से काम भी शुरू किया है। अमेरिका गोल्डन डोम पर काम कर रहा है तो भारत 'सुदर्शन चक्र' पर।

> ऑपरेशन में 150 से ज्यादा एयरक्राफ्ट शामिल थे।

Agency

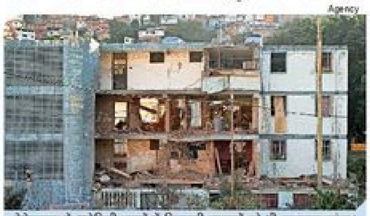

वेनेजुएला में अमेरिकी हमले में रिहायशी इमारतों को भी नुकसान पहुंचा।

बॉम्बर से लेकर F-35 तक का इस्तेमाल

इस मिशन को US सेना की डेल्टा फोर्स ने अंजाम दिया और अमेरिका की एयर पावर ने उसका रास्ता साफ किया। ऑपरेशन के बाद अमेरिका ने बताया कि जैसे ही डेल्टा फोर्स कराकास की ओर बढ़ी, एयर कम्पोनेंट ने वेनेजुएला के एयर डिफेंस सिस्टम को निशाना बनाकर उन्हें निष्क्रिय करना शुरू कर दिया।

सबसे टॉप स्पेशल यूनिट है डेल्टा फोर्स

डेल्टा फोर्स अमेरिकी सेना की सबसे टॉप स्पेशल मिशन यूनिट मानी जाती है। यह बेहद जोखिम भरे मिशनों में एक्सपर्ट है। इसका मुख्य काम आतंकवाद-रोधी अभियान, बंधक बचाव, आतंकियों को पकड़ना और टोही करना है। यूनिट हाई-प्रोफाइल लोगों को सुरक्षा देने में भी ट्रेन्ड है।

मादुरो के साईं भक्त होने की कहानी फिर चर्चा में

■ NBT रिपोर्ट

गिरफ्तार किए गए वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को लेकर एक रोचक पहलू सामने आया है। TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, मादुरो दिवंगत भारतीय आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साईं बाबा के भक्त रहे हैं। वे कैथोलिक परिवार में पले-बढ़े थे, लेकिन उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस के प्रभाव में आकर साईं बाबा के अनुयायी बने। साल 2005 में मादुरो और फ्लोरेस भारत आए थे और पुट्टपर्थी में साईं बाबा से मुलाकात की थी। उस समय फ्लोरेस पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज की वकील थीं और मादुरो संसद के स्पीकर थे। बाद में मादुरो विदेश मंत्री बने। साईं बाबा के निधन पर वेनेजुएला की संसद ने शोक प्रस्ताव पास किया और एक दिन का राष्ट्रीय शोक भी घोषित किया गया।

File

राष्ट्रपति कार्यालय में साईं बाबा की तस्वीर

मादुरो के राष्ट्रपति कार्यालय में साईं बाबा की तस्वीर भी लगी रही है। उनके शासन में साईं संगठन को वेनेजुएला में काम करने की अनुमति मिली। अब जब मादुरो अमेरिका की कुख्यात जेल में बंद हैं, उनके पुराने आध्यात्मिक विश्वास फिर चर्चा में हैं।

वेनेजुएला मुद्दे पर भारत ने संवाद पर दिया ज़ोर

जताई चिंता, कहा- डायलॉग से हल हो सभी विवाद, दुनियाभर के देशों के अलग-अलग सुर

Alpyu.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** वेनेजुएला में हालिया घटनाक्रम को लेकर भारत ने सधी हुई प्रतिक्रिया दी है। भारत ने मामले में किसी पक्ष का खुला समर्थन या विरोध करने के बजाय संवाद और शांति पर जोर दिया है। विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर हालात पर चिंता जताई। बयान में कहा गया है कि भारत सरकार वेनेजुएला में स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए है। भारत ने वेनेजुएला के लोगों की सुरक्षा और भलाई के प्रति अपना समर्थन दोहराया है। साथ ही सभी पक्षों से अपील की है कि वे क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए बातचीत और संवाद के जरिये सभी मुद्दों को सुलझाएं। मंत्रालय ने यह भी बताया कि कराकास में स्थित भारतीय दूतावास वहां रह रहे भारतीय नागरिकों के लगातार संपर्क में है।

दुनिया की प्रतिक्रिया, समर्थन से विरोध तक: वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई को लेकर वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिली हैं। चीन और रूस ने इस कार्रवाई की खुलकर आलोचना की है। यूरोप में भी अलग-अलग रुख सामने आए हैं। जर्मनी ने अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन पर जोर दिया, वहीं कनाडा ने सभी पक्षों से अंतरराष्ट्रीय नियमों का सम्मान करने की अपील की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने पहले तथ्यों को समझने की बात कही, लेकिन बाद में उन्होंने मादुरो को अवैध राष्ट्रपति बताते हुए उनकी सत्ता समाप्त होने पर दुख न जताने की बात कही।

ईरान ने इस कार्रवाई को वेनेजुएला की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का घोर उल्लंघन करार दिया। स्पेन ने दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की है। यूरोपीय संघ के भीतर भी मतभेद हैं। फ्रांस ने कार्रवाई को अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ बताया, जबकि इटली ने कहा कि तानाशाही से निपटने के लिए सैन्य हस्तक्षेप समाधान नहीं है, हालांकि ड्रग तस्करी जैसी समस्याओं में सीमित दखल सही हो सकता है।

Surender Kumar

अमेरिकी हमले के विरोध में रविवार को दिल्ली में प्रदर्शन किया गया।

मामले में सतर्क रुख अपना रहा है भारत

भारत भी वेनेजुएला पर अमेरिका की मिलिट्री कार्रवाई को लेकर अभी नजर ही रखना चाहेगा। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया संकट के दौरान भी भारत ने संवाद पर जोर दिया था। भारत ने बयान में अंतरराष्ट्रीय नियमों के पालन के अलग से जिक्र से परहेज किया है। भारत ने अमेरिका के मिलिट्री ऐक्शन को लेकर कुछ भी सीधे तौर पर नहीं कहा है। घटना के बाद भारत कूटनीतिक उथलपुथल, रूस और चीन समेत दूसरे देशों के अगले कदम और अंतरराष्ट्रीय बिरादरी की गतिविधियों पर नजर रखेगा।

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस कौन बने हैं?
   A. ए. मोहम्मद मुश्ताक B. श्री चंद्रशेखर C. देवेन्द्र कुमार उपाध्याय
2. निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के लिए US ने खास ऑपरेशन चलाया, उसका नाम?
   A. एब्सल्यूट डिस्ट्रक्शन B. एब्सल्यूट रिजॉल्व C. ऑपरेशन वेनेजुएला
3. केरल में किस नेता के खिलाफ CBI जांच की सिफारिश की गई है?
   A. वी.डी. सतीशन B. सुरेश गोपी C. एस. सदानंद
4. प्रियंका गांधी को किस राज्य के चुनाव के लिए स्क्रीनिंग कमिटी की कमान सौंपी गई है?
   A. असम B. ओडिशा C. तमिलनाडु
5. निकोलस मादुरो को अमेरिका की किस जेल में रखा गया है?
   A. ब्रुकलिन जेल B. टेक्सस जेल C. लॉस एंजिलिस जेल

कल के जवाब

A1 A. कराकास A2 C. KKR A3 B. मौसम नूर A4 C. तेलंगाना A5 B. बिहार

लकी विनर्स

1. पूनम कौल, नई दिल्ली
2. रजनी गोस्वामी, गाजियाबाद
3. आनंद कुमार जैन, नई दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Gurgaon Edition: 2 Page: NBTGRP2 User: cci Time: 01-04-2026 22:43 Color:

विचार

मुस्कान सिर्फ चेहरे पर नहीं होती, वह आत्मा की गहराई और इंसान की भलमनसाहत को दर्शाती है। सच्ची मुस्कान दिल से निकलती है और दिलों को जोड़ती है।

– मदर टेरेसा

कविता

गुंजाइश

AI Image

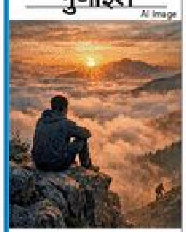

किसी से मनमुटाव उतना ही करें।।
ताकि सुलह की गुंजाइश बनी रहे।।
हार कर भी मनोबल बनाये रखें।
ताकि जीत की गुंजाइश बनी रहे।।
ठूस-ठूस कर बस इतना ही खाओ।
ताकि नींद की गुंजाइश बनी रहे।।
किसी के घर बार-बार मत जाइए।
ताकि प्रेम की गुंजाइश बनी रहे।।
अति बहुत बुरा है, अतिवाद से बचें।
ताकि सरल की गुंजाइश बनी रहे।।
दोहन धरती का इतना ही करिए।
ताकि सांस की गुंजाइश बनी रहे।।

-संजय राजभर, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

उम्मीद का फैक्ट

दुनिया में नंबर-1 भारत का UPI

AI Image

भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) अब सिर्फ देश की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने इसे लेनदेन के मामले में नंबर-1 माना है।

- आईएमएफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूपीआई लेनदेन की संख्या के आधार पर दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम है।
- एसीआई वर्ल्डवाइड रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक रियल-टाइम पेमेंट में यूपीआई की हिस्सेदारी 49% है।
- एक साल में यूपीआई से 12,930 करोड़ ट्रांजैक्शन हुए, जो किसी भी देश की डिजिटल पेमेंट सिस्टम से सबसे ज्यादा है।
- ब्राजील 37.4 अरब लेनदेन के साथ दूसरे, थाईलैंड 20.4 अरब के साथ तीसरे और चीन 17.2 अरब लेनदेन के साथ चौथे नंबर पर है।
- सरकार, आरबीआई और एनपीसीआई मिलकर भीम-यूपीआई इंसेंटिव योजना, क्यूआर कोड और पीओएस मशीनों के जरिए डिजिटल भुगतान को लगातार मजबूत कर रहे हैं।

आईएमएफ की रिपोर्ट]

कभी पानी से निकाला RDX, कभी साउथ सूडान में बचाईं जानें, अब 30 साल से सेहत सुधारने की सेवा में लगे हैं स्कूबा डाइविंग सर्जन

लंदन की चमक छोड़ आदिवासी इलाकों में इलाज का मिशन छेड़ा

Sandip.Dighe@timesofindia.com

■ **मुंबई:** डॉ. विश्वास सपटनेकर पिछले तीन दशकों से पालघर और ठाणे जिले के ग्रामीण और जनजातीय इलाकों के लोगों के लिए सिर्फ डॉक्टर नहीं, बल्कि भरोसे का प्रतीक बन चुके हैं। 78 साल की उम्र में, जब ज्यादातर लोग आराम की जिंदगी चुनते हैं, डॉ. सपटनेकर आज भी उसी लगन और सादगी के साथ सेवा में जुटे हैं। वह सर्जन, समाजसेवी, स्कूबा डाइवर, शिक्षक और इंसानियत के लिए काम करने वाले वॉलंटियर हैं।

आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद डॉ. सपटनेकर ने लंदन में मेडिकल प्रैक्टिस की। 1982 में भारत लौटकर ठाणे में अस्पताल शुरू किया, जो अभी पालघर हजारों जरूरतमंदों के इलाज का सहारा बन गया। 1993 में उनकी स्कूबा डाइविंग की ट्रेनिंग ठाणे क्रीक में आतंकियों द्वारा फेंके गए RDX को निकालने के बेहद खतरनाक ऑपरेशन में काम आई। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों की मदद के लिए स्वेच्छा से कदम बढ़ाया। उनके जुड़ने के बाद और डाइवर भी आए और क्रीक से बड़ी मात्रा में RDX सुरक्षित बाहर निकाला गया।

40 साल से डॉ. सपटनेकर पंढरपुर वारी के दौरान भी सेवा देते आ रहे हैं। पैदल चलने वाले हजारों लोगों को वह और उनकी टीम मेडिकल मदद पहुंचाते हैं। उनके लिए यह भगवान विट्ठल की सेवा जैसा अनुभव है।

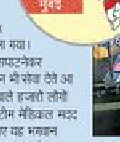

इंसानियत के वॉलंटियर: महाराष्ट्र पालघर और ठाणे के जनजातीय इलाकों में मरीजों का इलाज करते डॉ. विश्वास सपटनेकर

कभी दवाइयों से डरते थे जनजातीय लोग

ठाणे और पालघर के जनजातीय इलाकों में उनका काम उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया है। जनजातीय लोग दवाइयों से डरते थे। सबसे पहले लोगों को समझाना, जागरूक करना और भरोसा जीतना पड़ा। धीरे-धीरे यह भरोसा मजबूत हुआ। कई बार खुले आसमान के नीचे, पत्थरों पर बैठकर मरीजों का इलाज किया। पालघर के देवबाद गांव में पेड़ों से सलाइन की बोतलें लटकाकर इलाज किया जाता था। आज वही गांव एक छोटे क्लिनिक का घर बन गया है।

विदेश जाकर भी गरीब लोगों का किया इलाज

डॉ सपटनेकर ने 2014 से 2016 के बीच दो बार साउथ सूडान में डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के साथ छह-छह महीने काम किया। हिंसा और अस्थिरता के माहौल में उन्होंने दुनिया के सबसे गरीब मरीजों का इलाज किया। एक बार काम से लौटते समय उनकी गाड़ी को एक विद्रोही गुट ने रोक लिया और भारी फिरौती मांगी। कुछ घंटों बाद डॉ. सपटनेकर ने उस गुट के मुखिया से अपनी पहचान बताई और समझाया कि वह उसी देश के गरीब लोगों की सेवा कर रहे हैं। इसके बाद उन्हें जाने दिया गया।

खुशहाली की खेती **हरियाणा, पंजाब, राजस्थान के किसानों ने झींगा पालन से बदली किस्मत**

बंजर मिट्टी में खेती की नई बुनियाद झींगा पालन से किसान हुए आबाद

Srikanta.Tripathy@timesofindia.com

■ समुद्र से सैकड़ों किलोमीटर दूर बसे हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के गांवों में आज झींगा पालन किसानों की आमदनी की नई कहानी लिख रहा है। जिन खारी और बंजर जमीनों पर कभी गेहूं-बाजरा उगाना मुश्किल था, वहीं अब झींगा तालाब बनाकर किसान लाखों रुपये कमा रहे हैं।

इस बदलाव की शुरुआत 2009 में हरियाणा के रोहतक जिले के लाहली गांव से हुई। वैज्ञानिकों ने खारे पानी में समुद्री झींगे पालने का प्रयोग किया और नतीजे उम्मीद से बेहतर निकले। इसके बाद किसानों को ट्रेनिंग दी गई। आज रोहतक, झज्जर, हिसार, सिरसा और सोनीपत जैसे जिलों में झींगा तालाबों के क्लस्टर बन चुके हैं।

हरियाणा की सफलता देखकर राजस्थान भी पीछे नहीं रहा। चूरू जिले के इंद्रसर गांव से शुरू हुई झींगा खेती ने देखते-देखते राजगढ़, तारानगर, सरदारशहर, रतनगढ़ और सालासर तक पैर पसार लिए। किसान रविकांत मैच बताते हैं कि पहले एक हेक्टेयर बाजरे से ₹50 हजार मिलते थे, अब झींगे से करीब 12 लाख रुपये की कमाई हो जाती है। श्रीगंगानगर जैसे नहर वाले इलाकों में भी किसान गेहूं और सरसों छोड़कर झींगे की ओर मुड़ रहे हैं।

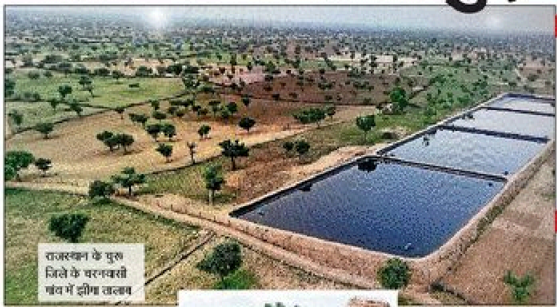

राजस्थान के चूरू जिले के चरनवासी गांव में झींगा तालाब

क्यों पसंद आ रहा है झींगा पालन

झींगा पालन का हिसाब सीधा है। चार महीने में एक एकड़ से 3 से 3.5 टन उत्पादन हो जाता है। खर्च निकालने के बाद करीब 8 लाख रुपये तक मुनाफा बचता है, जबकि बाजरा जैसी फसलों से 30-40 हजार रुपये ही मिलते हैं। हालांकि शुरुआत में 10-12 लाख रुपये का खर्च आता है। सरकार सब्सिडी देती है, लेकिन देरी के कारण ज्यादातर किसान अपने दम पर ही शुरुआत करते हैं।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में बना एक झींगा फार्म

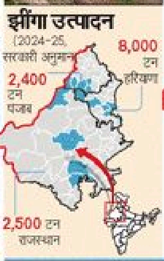

पंजाब भी दौड़ में

पंजाब में झींगा पालन की शुरुआत 2016 में हुई। मलोट, फाजिल्का, मुक्तसर, फरीदकोट, बठिंडा और मानसा जैसे जिलों में इसका विस्तार हुआ। आज पंजाब करीब 2,400 टन झींगा उत्पादन कर रहा है। मत्स्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि खारी जमीन का बड़ा इलाका अभी और इस्तेमाल किया जा सकता है।

चुनौतियां भी कम नहीं

बीमारियों का खतरा, महंगी बिजली और बाजार के उतार-चढ़ाव किसान के लिए चिंता बने हुए हैं। इस साल हरियाणा और पंजाब में बीमारी से कई तालाब प्रभावित हुए। राजस्थान में बिजली दरें ज्यादा हैं और झींगा खेती को कृषि के बजाय व्यावसायिक गतिविधि माना जाता है।

आगे की राह

जानकारों का कहना है कि अगर स्थानीय जांच लैब, फीड मिल और सस्ती बिजली की व्यवस्था हो जाए, तो उत्तर भारत झींगा उत्पादन का बड़ा केंद्र बन सकता है। समुद्र से दूर बैठकर झींगा उगाने की यह कहानी अब पूरे उत्तर भारत में नए सपने बो रही है।

मुआवजा दिलाने में करते हैं मदद

हादसा पीड़ितों के ज़ख्मों पर मदद का मलहम

Shyam Sonar

क्या है PMPML हादसा?

- PMPML हादसा वह दुर्घटना होती है, जिसमें PMPML की बस शामिल हो।
- PMPML का पूरा नाम है पुणे महानगर परिवहन महामंडल लिमिटेड।

Joy.Sengupta@timesofindia.com

■ **पुणे:** नाना पेठ इलाके में रहने वाले 77 वर्षीय नीलकंठ मांधरे हर दिन अखबार पढ़ते हैं, लेकिन उनके लिए अखबार सिर्फ खबर जानने का जरिया नहीं है। वह खास तौर पर PMPML बसों से जुड़े हादसों की खबरें ढूंढते हैं। जैसे ही किसी दुर्घटना की जानकारी मिलती है, वह सीधे पुलिस थाने पहुंचते हैं, रिपोर्ट देखते हैं और पीड़ितों का पता निकालते हैं। इसके बाद वह खुद पीड़ित या उनके परिवार से मिलते हैं और मुआवजे की पूरी प्रक्रिया आसान भाषा में समझाते हैं। मांधरे कहते हैं कि ज्यादातर लोगों को यह पता ही नहीं होता कि PMPML बस हादसे में घायल या मृतक के परिवार को मुआवजा मिलता है। जानकारी न होने की वजह से लोग या तो इलाज का भारी खर्च खुद उठाते हैं या फिर महंगे वकीलों के चक्कर में फंस जाते हैं।

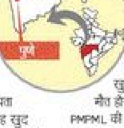

नियमों के मुताबिक, PMPML बस हादसे में घायल व्यक्ति के इलाज के लिए अधिकतम 50 हजार रुपये का मुआवजा दिया जाता है। यह राशि सीधे अस्पताल को दी जाती है। अगर इलाज का खर्च इससे ज्यादा हो, तो बाकी रकम पीड़ित को खुद देनी पड़ती है। हादसे में मौत होने पर मृतक के परिवार को PMPML की ओर से 2 लाख रुपये का मुआवजा मिलता है।

मांधरे बताते हैं कि वह वर्षों तक सार्वजनिक बसों में सफर करते रहे, जिससे उन्हें इस व्यवस्था की जानकारी मिली। उन्होंने इसी जानकारी को सेवा का रूप दे दिया।

चेन्नै में पोंगल का जश्न, लोक कला के रंगों में सराबोर

PTI

चेन्नै में पोंगल के त्योहार का जश्न कुछ इस अंदाज में दिखा जैसे शहर ने अपनी सांस्कृतिक धरोहर को जीता-जागता बना रखा हो। 'वीधी विरुंधु विला' के मंच पर कलाकार पारंपरिक नृत्य के माध्यम से त्योहार की खुशियां बयां कर रहे हैं। पोंगल का यह त्योहार यहां परंपरा ही नहीं, संस्कृति का सबसे खूबसूरत उत्सव बन गया।

धरती पर ले आए हैं सितारों की महफिल

नींद कुर्बान, लाखों खर्च... आकाश को कैमरे में कैद करने का जुनून

Virsen.Savant@timesofindia.com

■ **हैदराबाद:** अंतरिक्ष या आकाश में रुचि रखने वाले लोग हबल या जेम्स वेब टेलीस्कोप की हाई-रिजॉल्यूशन तस्वीरें इंटरनेट पर बस एक क्लिक में देख लेते हैं। लेकिन हैदराबाद के एस्ट्रोफोटोग्राफरों का समूह इस पैशन को जमीनी स्तर पर जीता है। ये 'एस्ट्रो गीक्स' खुशी-खुशी नींद कुर्बान करते हैं, शहरों की तेज रोशनी से जूझते हैं और लाखों-करोड़ों रुपये खर्च करते हैं, ताकि करोड़ों प्रकाश वर्ष दूर मौजूद आकाशगंगाओं की तस्वीरें कैद कर सकें।

एस्ट्रोफोटोग्राफी महंगे शौकों में से एक है। एक बेसिक 'स्मार्ट रिग'— टेलीस्कोप, कैमरा, ट्रैकर, ट्राइपॉड और सटीक उपकरण— की कीमत 6-7 लाख रुपये से शुरू होती है। डीप-स्काई इमेजिंग में यह खर्च 50 लाख रुपये तक जा सकता है। अधिकांश उपकरण अमेरिका, ब्रिटेन या चीन से आते हैं, भारी कस्टम ड्यूटी लगती है। आईटी कंपनी के सीटीओ ज़रीश परवेज मिस्त्री अब तक लगभग 30 लाख रुपये सात टेलीस्कोप और उपकरणों पर खर्च कर चुके हैं।

सितारों की तस्वीरें खींचना धैर्य की असली परीक्षा है। डीप स्काई ऑब्जेक्ट्स की शूटिंग से पहले घंटों का सेटअप करना पड़ता है। एक तस्वीर को साफ बनाने के लिए कई रातों में 30 घंटे या उससे ज्यादा का एक्सपोजर लिया जाता है। पोस्ट-प्रोडक्शन में कई तस्वीरों को 'स्टैक' कर नॉइज़ कम किया जाता है और डिटेल उभारी जाती है।

इतना खर्च और मेहनत होने के बावजूद वजह बेहद निजी है। यह अनंत ब्रह्मांड से जुड़ने का एहसास है। सतीश या सैयद जैसे शौकीन बताते हैं कि असली 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट' पैसा नहीं, बल्कि वह पल है, जब किसी दूर की आकाशगंगा की प्राचीन रोशनी उनके सेंसर पर पहली बार गिरती है। यही खुशी उन्हें हर चुनौती झेलने की प्रेरणा देती है।

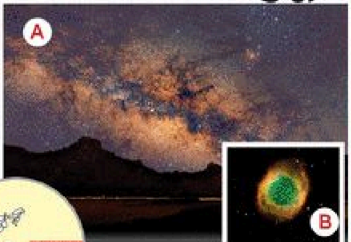

A. मिल्की वे का नज़ारा, फोटो: उपेंद्र पिनेली। **B.** 650 प्रकाश वर्ष दूर हेलिक्स नेबुला, फोटो: सैयद विलायत हुसैन। **C.** एस्ट्रोफोटोग्राफर सुमन रेड्डी

रोशनी और सैटलाइट से जंग

पर्यावरण अक्सर साथ नहीं देता। हैदराबाद जैसे शहर में, जो बॉर्टल स्केल पर करीब 9 (सबसे ज्यादा लाइट पल्यूशन) पर आता है, तस्वीरें फीकी पड़ जाती हैं। इससे बचने के लिए महंगे फिल्टर (एक लाख रुपये तक) लेने पड़ते हैं या सैकड़ों किलोमीटर दूर 'डार्क स्काई' वाली जगहों पर जाना पड़ता है।

> मेरी नजर एक शानदार तस्वीर पर पड़ी। मुझे लगा यह हबल टेलीस्कोप से ली गई है, लेकिन पता चला किसी ने इसे घर के पीछे से क्लिक किया। यहीं से एस्ट्रोनॉमी जुनून बन गई। -सतीश पेन्नाला

> एस्ट्रोनॉमी शुरू करने वालों को सलाह है कि दूरबीन, फोन या बेसिक DSLR से शुरू करें और मेहनत करें। AI या टेलीस्कोप की तस्वीरों से उम्मीद करना निराशा लाता है। -सैयद विलायत हुसैन

लंबी बीमारी से भी नहीं डिगे हौसले

70 साल के MLA का साइकल से 700 km का सफर

HamsaveniN@timesofindia.com

■ **बेंगलुरु:** अगर इरादा मजबूत हो तो उम्र और गंभीर बीमारी भी रास्ता नहीं रोक सकती। इस बात को 70 साल की उम्र में राजाजीनगर के विधायक सुरेश कुमार ने सच कर दिखाया है। उन्होंने बेंगलुरु से कन्याकुमारी तक 702 किलोमीटर की लंबी साइकल यात्रा सिर्फ पांच दिनों में पूरी की। कुछ महीने पहले सुरेश कुमार एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी चिकनगुनिया एन्सेफेलोपैथी (CE) से पीड़ित थे। यह बीमारी इतनी गंभीर थी कि वह बिस्तर पर पड़ गए और उंगलियां तक हिला नहीं पा रहे थे। लंबे इलाज और रिकवरी के बाद उन्होंने दोबारा साइकिल चलाना शुरू किया। उनके लिए यह यात्रा सिर्फ एक लंबी दूरी की साइकिलिंग नहीं, बल्कि जीवन में वापसी का प्रतीक थी।

जर्नी से आत्मविश्वास भी बढ़ा

उन्होंने कहा कि दोबारा साइकिल चलाने से उन्हें शारीरिक ताकत और आत्मविश्वास दोनों मिले। उनके साथ साइकिल चलाने वाले प्रशांत सदाशिव पाटिल ने बताया कि सुरेश कुमार पूरे सफर में सभी को प्रेरित करते रहे और टीमवर्क की अहमियत भी समझाई। यह यात्रा फिटनेस, रिकवरी और स्वस्थ जीवन का मजबूत संदेश देती है।

सुरेश कुमार 12 साइकिल चालकों के ग्रुप का हिस्सा थे। इस समूह ने 'राजाजीनगर पेडल पावर' के बैनर तले यह यात्रा पूरी की। सफर की शुरुआत 23 दिसंबर को सुबह 4 बजे बेंगलुरु से हुई। पहले दिन टीम ने 157 किलोमीटर, दूसरे दिन 159 किलोमीटर, तीसरे दिन 155 किलोमीटर, चौथे दिन 156 किलोमीटर और पांचवें दिन अंतिम 73 किलोमीटर का सफर तय किया। कुल मिलाकर टीम ने करीब 37 घंटे साइकिल चलाई और कन्याकुमारी पहुंची।

'बचपन से ही साइकिलिंग रही जिंदगी का हिस्सा'

सुरेश कुमार ने बताया कि बचपन से ही साइकिलिंग उनकी जिंदगी का हिस्सा रही है। वकालत के शुरुआती दिनों में भी वह साइकिल से हाई कोर्ट जाया करते थे। राजनीति में आने के बाद कुछ समय का ब्रेक जरूर लगा, लेकिन अब उन्होंने नए जोश के साथ साइकिलिंग को फिर अपनाया है। विधायक सुरेश कुमार की कहानी दिखाती है कि उम्र और बीमारी हौसले के सामने टिक नहीं पाती।

माइलस्टोन और मैसेज

सुरेश कुमार को फिर साइकिलिंग शुरू करने की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली। उन्होंने हर विधानसभा क्षेत्र में साइकिलिंग को बढ़ावा देने की बात कही थी। इसके बाद से सुरेश कुमार अपने क्षेत्र में साइकिलिंग का ट्रेंड बढ़ा रहे हैं। वह अक्सर स्थानीय लोगों के साथ साइकिल चलाते हैं और सामुदायिक भागीदारी के जरिए फिटनेस को बढ़ावा देते हैं।

> साइकिलिंग से शारीरिक रूप से स्वस्थ होने और आत्मविश्वास पाने में मदद मिली है। बेंगलुरु से कन्याकुमारी तक की साइकिल यात्रा जीवन का एक बड़ा माइलस्टोन और स्वस्थ जीवन का मजबूत मैसेज है। -सुरेश कुमार, MLA

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP3 User: cci Time: 01-04-2026 22:23 Color:

TV की तेज़ आवाज में दब गईं बुज़ुर्ग दंपती की चीखें, CCTV में नज़र आए तीन संदिग्ध

फिलहाल शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने लूटपाट की वजह से हत्या का शक जताया है

■ कृष्णा कुणाल सिंह, नई दिल्ली

मानसरोवर पार्क के राम एक्सटेंशन में रहने वाले बुजुर्ग दंपती की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद पुलिस वाले मौके पर पहुंचे। फिर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। हत्या की कॉल पुलिस को वीरेन्द्र कुमार बंसल के बेटे वैभव बंसल ने की थी। वीरेन्द्र कुमार बंसल मूलरूप से खेकड़ा बागपत के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, उनके बेटे वैभव बंसल शनिवार शाम करीब 5 बजे घर से निकलकर चौड़ा स्थित अपने जिम में गए थे। वहां से रात 12:15 बजे वापस घर लौटे तो देखा कि उनकी मां और पिता अलग-अलग कमरे में बिस्तर पर बेहोश पड़े हुए हैं। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस ने जांच शुरू की तो पता चला कि वारदात के वक्त पति-पत्नी की आवाज किसी भी पड़ोसी को सुनाई नहीं दी। हालांकि पड़ोसियों ने देर रात तक तेज आवाज में टीवी चलने की बात कही है।

जांच में किसी की घर में जबरन एंट्री नहीं पाई गई है

वहीं एक रिश्तेदार ने बताया कि परवेश बंसल ने जो मंगलसूत्र, अंगूठी और इयररिंग्स पहन रखे थे, वह गायब है। घर में बनी अलमारी काफी मजबूत है। जिसे आरोपी तोड़ने में सफल नहीं हो सके। उन्होंने लूटपाट की वजह से हत्या का शक जताया है। हालांकि घर में बाकी सामान अपनी जगह पर पाया गया है। पुलिस के जांच में भी घर में जबरन एंट्री नहीं पाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, वीरेन्द्र बंसल सूद पर पैसे चलाते थे। हालांकि इसकी किसी ने पुष्टि नहीं की है।

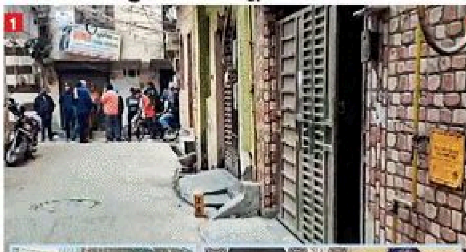

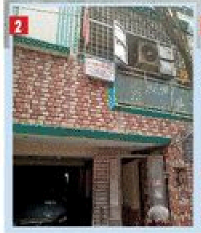

1) वारदात के बाद दंपती के घर के बाहर खड़े लोग
2) इसी घर में हुई बुजुर्ग दंपती की हत्या
3) वीरेंद्र कुमार बंसल और प्रवेश बंसल का फाइल फोटो

3 महीने से CCTV खराब

पड़ोसियों ने बताया कि घर से किसी तरह की शोर शराबे की आवाज नहीं सुनाई पड़ी। देर रात करीब 12:15 बजे तक टीवी की तेज आवाज आ रही थी। इस कारण किसी को पता नहीं चल सका। 220 गज में करीब 8 फ्लैट बने हुए हैं। पड़ोसी ने बताया कि रात 10:30 बजे मेन गेट बंद हो जाता था। एक सप्ताह पहले ही वीरेन्द्र बंसल ने नीचे रहने वाले पड़ोसी को कहा था कि मेन गेट पर ताला मत लगाना। पड़ोसियों ने बताया कि आरोपी लिफ्ट से आए होंगे। लिफ्ट में आते-जाते कुछ लोग भी दिखाई पड़े थे। हालांकि वह कौन थे। यह उन्हें पता नहीं। तीन महीने पहले मेन गेट पर लगा सीसीटीवी कैमरे का तार टूट गया था। उस वक्त से सीसीटीवी खराब पड़ा हुआ है।

पड़ोसियों ने कहा, किसी तरह का शोर शराबा नहीं सुना

तीनों ने लगाया था मास्क

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वैभव बंसल शनिवार शाम करीब 5 बजे घर से बाहर गए थे। उसके बाद 5:15 बजे एक स्कूटी पर दो लोग घर पर आए और बुजुर्ग दंपती के फ्लैट में गए। जबकि तीसरा संदिग्ध चेहरे पर मास्क लगा रखा था। वह गली में घर के आसपास टहलता हुआ दिखाई पड़ रहा था। बाद में स्कूटी सवार वहां से काफी देर बाद जाते हुए दिखाई पड़े। पुलिस को शक है कि हत्या में स्कूटी सवार और मास्क पहनने वाला शख्स भी शामिल हो सकता है।

MASS COMM AT AMITY
2026 ADMISSIONS OPEN
B.A., M.A., MBA, PG DIPLOMA IN:
• Journalism & Mass Comm
• Advertising & Marketing Mgmt.
• PR & Event Mgmt.
• Media Mgmt.
• Acting
• Film, Television & Web Series
• Visual Effects, Animation & Comics
• Game Design & Development
Industry-simulated Learning Studios
Earn practical experience at Amity's Double Height News/ Film Studios, Newsroom and Community Radio Station (107.8 FM) spread over 10,000 sq.ft., equipped with Sony HD Cameras, WASP 3D Graphics Software, 16 Editing Bays...
Master Classes by Industry Veterans
100+ interactive sessions with leading figures in Journalism, Advertising and PR
Industry Immersion Opportunities
Regular visits to top news studios, leading PR agencies, and creative hubs, facilitated by proximity to campus
Flexible Credit System
allows students to pursue double majors and minors in popular fields like Digital Marketing, Film & TV Production, Political Science, Psychology and 90+ other disciplines
Students have secured placements in leading TV channels, Publications, Ad Agencies and PR Agencies like:
REPUBLIC Network18 India Today Group dentsu McCANN genesis bcw
Amity University, Sector - 125, Noida
Apply at www.amity.edu | Tel: 0120-2445252
Gurugram: www.amity.edu/gurugram | T: 7303-399-399
AMITY UNIVERSITY

DJB की पाइपलाइन से 'बीमारी' की सप्लाई

कुछ इलाकों में 1.60 करोड़ यूनिट बैक्टीरिया के साथ आ रहा पानी, एक्सपर्ट बोले- इंदौर जैसा खतरा

Sudama.Yadav@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अगर आप दिल्ली जल बोर्ड की ओर से सप्लाई हो रहा पानी पीते हैं तो यह खबर आपके काम की है। दरअसल, एक्सपर्ट की मानें तो दिल्ली में भी वैसे हालात पैदा हो सकते हैं, जैसे इंदौर के भागीरथपुरा में गंदे पानी की सप्लाई से हुए हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि दिल्ली के ज्यादातर रिहायशी इलाकों में वॉटर सप्लाई और सीवर लाइनें साथ-साथ हैं। इसी के चलते कई इलाकों में सप्लाई होने वाले पानी में बैक्टीरिया (मल-मूत्र) मिला है। वेस्ट दिल्ली का जनकपुरी इसका ताजा उदाहरण है। यहां लोगों की शिकायत पर सीपीसीबी ने 17 घरों से सैंपल लिए, जिसमें से 9 घरों में सप्लाई होने वाले पानी में बैक्टीरिया की मात्रा 1.60 करोड़ यूनिट तक थी, जबकि पानी में बैक्टीरिया की मात्रा जीरो होनी चाहिए। निजामुद्दीन, वसंत कुंज और पूर्वी दिल्ली के कुछ इलाकों में आरडब्ल्यूए गंदे पानी की शिकायतों को लेकर कोर्ट में लंबी लड़ाई लड़ रहे हैं। जल बोर्ड रोजाना जितनी पानी सैंपलिंग करनी चाहिए, उतनी भी नहीं कर पाता।

वॉटर क्वॉलिटी जांच के 76 पैरामीटर : दिल्ली में वॉटर क्वॉलिटी को लेकर लंबे समय से कार्यरत अर्थ-वॉरियर के पंकज का कहना है कि दिल्ली ही नहीं, विदेशों में भी वॉटर क्वॉलिटी की जांच BIS-IS-10500 स्टैंडर्ड के हिसाब से की जाती है। BIS के तय मानकों में 76 पैरामीटर हैं, उसी के अनुसार क्वॉलिटी की जांच होनी चाहिए। लेकिन, जल बोर्ड जिस आधार पर वॉटर क्वॉलिटी चेक करता है, वह ठीक नहीं है। जल बोर्ड की ओर से डेली ड्रिंकिंग वॉटर क्वॉलिटी की जो रिपोर्ट जारी की जाती है, उसमें यह उल्लेख नहीं होता है कि किस इलाके में पानी की क्वॉलिटी ठीक नहीं है और वह किन मानकों पर फेल हुआ। 76 पैरामीटर में से किन-किन पैरामीटर की जांच की गई, इसका भी जिक्र नहीं होता। बीआईएस स्टैंडर्ड वॉटर क्वॉलिटी की जांच के लिए स्वीकार्य (एक्सेप्टेबल) दूसरा मानक परमिसिबल लेवल है। एक्सपर्ट कहते हैं कि पानी के कुछ तत्वों के मामले में परमिसिबल लिमिट मान्य नहीं है। लेकिन, जल बोर्ड इस लेवल पर भी पानी की क्वॉलिटी बेहतर बताता है, जो लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ है।

RO हो सकता है खराब

एक्सपर्ट के अनुसार, अगर पानी की क्वॉलिटी ठीक नहीं है, तो आरओ भी फेल है। आरओ में सिर्फ TDS लेवल सेट किया जा सकता है। पानी में गंदगी खत्म करने के लिए TDS लेवल शून्य कर दिया जाए, तो मिनरल ही खत्म हो जाएगा। अमोनिया लेवल अगर पानी में एक पीपीएम से अधिक है, तो वह वॉटर फिल्टर के मैंब्रेन को नष्ट कर देगा, जिससे पानी फिल्टर ही नहीं होगा।

कैसा है DJB का नेटवर्क

दिल्ली में पानी सप्लाई की लाइनों का नेटवर्क करीब 15,600 किलोमीटर है, जिसमें से 2800 किलोमीटर लाइन 30 साल से अधिक पुरानी है। सप्लाई लाइनों की 17-18% लाइनें बेहद जर्जर हो चुकी हैं। रिहायशी इलाकों में पानी और सीवर की लाइनें साथ-साथ हैं और अधिक चांस है कि उनमें सीवर वॉटर मिक्स हो जाए। हाल ही में जनकपुरी में 17 घरों में जांच के बाद निकला कि 9 घरों में सीवर मिक्स पानी आ रहा है। सीपीसीबी ने जांच कराई तो पाया गया कि बैक्टीरिया की मात्रा 1.60 करोड़ यूनिट है।

पुरानी तकनीक से हो रही जांच

पंकज के अनुसार बीआईएस स्टैंडर्ड के हिसाब से पानी में क्लोरीन की मात्रा जानने के लिए डीपीडी टेस्ट ही मान्य है। विदेशों में भी डीपीडी टेस्ट ही अपनाया गया है। लेकिन, जल बोर्ड अभी भी ओटी (अर्थो-टोलुइडीन) टेस्ट पर ही निर्भर है। विदेशों में पानी का टेस्ट हमेशा एक्सेप्टेबल लिमिट पर भी मान्य किया जाता है, लेकिन यहां परमीसिबल लिमिट भी ठीक माना जा रहा है। पानी में वायरस की मात्रा जानने के लिए कोई पैरामीटर ही नहीं है, जबकि विदेशों में अमेरिका, इंग्लैंड और दूसरे देशों में वायरस की जांच भी की जाती है।

कैरेक्टरस्टिक	एक्सेप्टेबल लिमिट	परमिसिबल लिमिट
पीएच वैल्यू	6.5 -8.5	कोई समझौता नहीं
टर्बिडिटी (मैलापन)	1 एनटीयू	5 एनटीयू
टीएसएस	500 एमजी/लीटर	2000 एमजी/लीटर
एल्युमिनियम	0.03 एमजी/लीटर	0.2 एमजी/लीटर
अमोनिया	0.5 एमजी/लीटर	कोई रियायत नहीं
कैल्शियम	75 एमजी/लीटर	200 एमजी/ली.
क्लोरेमाइन	4.0 एमजी/लीटर	कोई रियायत नहीं
क्लोराइड	250 एमजी/लीटर	1000 एमजी/लीटर
कॉपर	0.05 एमजी/लीटर	1.5 एमजी/लीटर
क्लोरीन	0.2 एमजी/लीटर	1 एमजी/लीटर
आयरन	0.3 एमजी/लीटर	कोई रियायत नहीं
लीड (पीबी)	0.01 एमजी/लीटर	कोई रियात नहीं

राजधानी दिल्ली के कई इलाकों में लोग दिल्ली जल बोर्ड के टैंकर के पानी पर हैं निर्भर

पानी और सीवर की लाइन अलग करना क्यों जरूरी?

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

दिल्ली में वॉटर क्वॉलिटी बेहतर करने के लिए सबसे अधिक जरूरी है कि पुरानी लाइनें बदली जाएं। पुरानी लाइनों में लीकेज के चलते ही सबसे अधिक सीवर वॉटर मिक्स होता है। पर्याप्त संख्या में वॉटर टेस्टिंग लैब भी बनाना जरूरी है, ताकि दिल्ली की जितनी आबादी है उस हिसाब से रोजाना एक से डेढ़ हजार सैंपलिंग हो और उनका टेस्ट भी किया जा सके। जल बोर्ड के सिर्फ 25 लैब हैं, जिसमें से 15 लैब ही पानी टेस्ट के लिए हैं। बाकी 10 लैब एसटीपी वॉटर टेस्टिंग के लिए हैं। भविष्य कभी गंदे पानी की समस्या न हो, इसके लिए यह भी जल बोर्ड को करना होगा कि सीवर और पानी की लाइनों को एक साथ न बिछा कर दोनों को अलग-अलग बिछाना होगा।

पानी में बैक्टीरिया या वायरस हों तो RO भी बेअसर, उबाल कर पीना ही सुरक्षितः एक्सपर्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इंदौर में गंदा पानी पीने से बीमारी और मौत के मामले के बाद अब दिल्ली में भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है। हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि अगर पीने के पानी में मल, बैक्टीरिया या वायरस की मिलावट हो जाए तो यह सिर्फ डायरिया ही नहीं, बल्कि गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन और जानलेवा हालात तक पहुंचा सकता है। डॉक्टरों का साफ कहना है कि ऐसे गंदे पानी को RO भी पूरी तरह साफ नहीं कर सकता। इसे सुरक्षित बनाने का एक ही तरीका है, पानी को उबालकर इस्तेमाल करना।

हेपेटाइटिस-A और E का भी खतरा : सर गंगाराम अस्पताल के गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी डिपार्टमेंट के को-चेयरपर्सन डॉ. पीयूष रंजन ने बताया कि इंदौर जैसा मामला पहले 1956 में दिल्ली में भी सामने आया था। उस समय पीने के पानी में फीको ओरल कंटैमिनेशन मिला था। इससे लूज मोशन, डायरिया, बुखार और खून के साथ दस्त होता है। बड़े स्तर पर संक्रमण फैलने पर जानलेवा हेपेटाइटिस-A और E का खतरा भी रहता है।

डॉ. पीयूष रंजन

डायरिया के बाद किडनी खराब: डॉ. पीयूष रंजन ने बताया कि इंदौर के मामले में डायरिया के बाद किडनी खराब होने की बात सामने आई है। आमतौर पर समय पर इलाज मिलने पर हालात संभाले जा सकते हैं लेकिन अगर डायरिया बहुत ज्यादा हो जाए तो शरीर में पानी की कमी हो जाती है और इससे किडनी फेल हो सकती है। यह खतरा बुजुर्गों, पहले से बीमार लोगों और बच्चों में ज्यादा रहता है। कुछ मामलों में बैक्टीरियल टॉक्सिन से हीमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम हो सकता है। इसमें किडनी पर गंभीर असर पड़ता है।

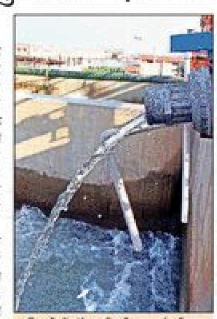

दिल्ली में गंदे पानी की सप्लाई की अक्सर आती रहती है शिकायतें

इस तरह करें बचाव

डॉक्टर ने साफ कहा कि अगर पानी गंदा है तो उसे पीने से पहले उबालना जरूरी है। पानी में मौजूद बैक्टीरिया या वायरस को RO सिस्टम खत्म नहीं कर पाता, लेकिन उबालने से पानी सुरक्षित हो जाता है। इस मुद्दे पर श्री बालाजी ऐक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के इंटरनल मेडिसिन डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. अरविंद अग्रवाल ने कहा कि इंदौर जैसी घटना साफ चेतावनी है। अगर पीने के पानी में कहीं भी गंदगी या मल की मिलावट हो जाए तो संक्रमण बहुत तेजी से फैल सकता है है। ऐसे हालात में सिर्फ उबला हुआ पानी ही पीना चाहिए।

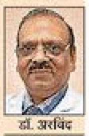

डॉ. अरविंद

'करो या मरो' के नारे के साथ पेट लवर्स का विरोध-प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांगें

1. बेसहारा कुत्तों को बड़े पैमाने पर हटाने और बंद करने वाले मौजूदा निर्देशों पर तुरंत रोक लगाई जाए।
2. सुप्रीम कोर्ट में ठीक सुनवाई हो, जिसमें डॉक्टर्स, एक्सपर्ट्स, पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स और पशु व्यवहार वैज्ञानिक शामिल हों।
3. कानून के तहत जरूरी एबीसी और एंटी रेबीज टीकाकरण के लिए फंडिंग और निगरानी की जाए।

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के ऐतिहासिक नारे 'करो या मरो' की भावना को जीवंत करते हुए रविवार को जंतर मंतर पर बेसहारा कुत्तों के लिए जोरदार प्रदर्शन किया गया। हाथों में बैनर और तख्तियां लिए प्रदर्शनकारी सरकार से कानूनी और मानवीय नीति अपनाने की मांग करते नजर आए। इस प्रदर्शन में पशु अधिकार कार्यकर्ता, डॉक्टर्स, सामाजिक संगठनों के लोग और बड़ी संख्या में पशु प्रेमी शामिल हुए।

प्रदर्शन में पशु प्रेमी और सामाजिक कार्यकर्ता अंकिता शुक्ला, गैरी मैलेस्की, योगिता भयाना, महा सिंह शर्मा और मानवी राय सहित कई लोग मौजूद रहे। इसके अलावा लोकल फीडर्स, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और आम लोगों ने भी समर्थन जताया। कला और संस्कृति जगत से भी प्रदर्शन को समर्थन मिला।

ठोस नीति बनाने पर दिया जोर

प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि डर और गलत सूचनाओं के आधार पर फैसले लेने के बजाय ठोस वैज्ञानिक तथ्यों और एक्सपर्ट्स की सलाह से नीति बनाई जाए ताकि जन सुरक्षा के साथ पशु कल्याण भी सुनिश्चित हो सके। दिल्ली के अलावा मुंबई, चेन्नै, बेंगलुरु, कोलकाता, लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद, पुणे और त्रिवेंद्रम समेत देश के 50 से ज्यादा शहरों में भी इसी मुद्दे पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए।

गले में फंसा मछली का कांटा, सुरक्षित निकाला

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** मछली स्वादिष्ट होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद मानी जाती है लेकिन इसे खाते समय थोड़ी सी लापरवाही परेशानी खड़ी कर सकती है। ऐसा ही एक मामला रोहिणी के डॉ बाबा साहब अंबेडकर अस्पताल के ईएनटी डिपार्टमेंट में सामने आया। यहां मछली खाते समय एक शख्स के गले में मछली का कांटा फंस गया और पूरी रात दर्द से जूझता रहा। बाद में डॉक्टरों ने एंडोस्कोपी की मदद से गले में फंसी फिश बोन को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

फिश बोन निगलने से पूरी रात दर्द से तड़पता रहा शख्स

जानकारी के मुताबिक शख्स ने शुक्रवार रात मछली खाते समय गलती से कांटा निगल लिया था। इसके बाद उसे गले में जलन, तेज दर्द और खाना निगलने में परेशानी होने लगी। पूरी रात उसे नींद नहीं आई। शनिवार सुबह वह इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा ईएनटी डिपार्टमेंट के डॉक्टर पंकज कुमार ने बताया कि शख्स ओपीडी में आया और अपनी समस्या बताई। जांच के दौरान मछली का कांटा जीभ के पीछे वाले हिस्से में फंसा पाया गया। इसके बाद एंडोस्कोपी के जरिए बिना किसी जटिलता के कांटा निकाल लिया गया।

कांटा निकलते ही शख्स को तुरंत राहत मिली और वह खुद को पूरी तरह ठीक महसूस करने लगा। डॉक्टर ने बताया कि ऐसे मामलों में समय पर एंडोस्कोपिक जांच और इलाज बहुत जरूरी होता है। देरी होने पर संक्रमण, फोड़ा बनने या कांटा सांस या खाने की नली में फंस सकता है। इससे हालत गंभीर हो सकते हैं।

दिल्ली में अब रेबीज के हर केस की देनी होगी जानकारी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने इंसानों में होने वाले रेबीज को महामारी रोग अधिनियम के तहत नोटिफिएबल डिजीज घोषित करने का फैसला लिया है। रेखा गुप्ता के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले का मकसद रेबीज की समय पर पहचान, तुरंत रिपोर्टिंग और तेजी से इलाज सुनिश्चित करना है ताकि इससे होने वाली मौतों को रोका जा सके।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि रेबीज एक ऐसी बीमारी है, जिसे समय रहते रोका जा सकता है। रेबीज से होने वाली कोई भी मौत स्वीकार्य नहीं है। इंसानों में रेबीज को नोटिफिएबल बीमारी घोषित करने से सर्विलांस मजबूत होगा और समय पर इलाज संभव हो सकेगा। यह दिल्ली में रेबीज से इंसानों की मौत को जीरो करने की ओर एक जरूरी कदम है।

दिल्ली सरकार ने रेबीज को महामारी रोग अधिनियम के तहत नोटिफिएबल डिजीज घोषित किया

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि नोटिफिकेशन जारी होते ही लागू हो जाएगा। रिपोर्टिंग और कोऑर्डिनेशन से जुड़ीं गाइडलाइन्स जल्द ही सभी डिपार्टमेंट्स और हेल्थ इंस्टिट्यूट को भेजी जाएंगी। नोटिफिकेशन लागू होने के बाद सभी सरकारी और प्राइवेट हेल्थ केयर इंस्टिट्यूट, मेडिकल कॉलेज और निजी तौर पर प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों को इंसानों में रेबीज के सभी मामलों की जानकारी तुरंत अथॉरिटी को देनी होगी। रेबीज में एक बार लक्षण दिखने के बाद जान बचना बेहद मुश्किल हो जाता है, पर समय पर इलाज मिलने से इसे रोका जा सकता है।

59 हेल्थ सेंटरों पर एंटी रेबीज वैक्सीन है उपलब्ध

दिल्ली सरकार का दावा है कि राजधानी के 11 जिलों में 59 हेल्थ इंस्टिट्यूट्स में एंटी रेबीज वैक्सीन उपलब्ध है। एंटी रेबीज सीरम या रेबीज इम्युनोग्लोबुलिन दिल्ली की 33 हेल्थ फैसिलिटी और अस्पतालों में मौजूद है। दिल्ली सरकार का कहना है कि ये सुविधाएं रेबीज की रोकथाम के लिए हेल्थ सिस्टम की मजबूत कड़ी है। दिल्ली सरकार लोकल निकायों, पशुपालन डिपार्टमेंट और अन्य स्टेकहोल्डर्स के साथ मिलकर रेबीज खत्म करने के लिए स्टेट ऐक्शन प्लान तैयार करने की अंतिम प्रक्रिया में है। सरकार इंसानों के साथ-साथ कुत्तों और अन्य जानवरों के लिए भी रेबीज वैक्सीनेशन की सुविधाओं को और मजबूत कर रही है। हमारी सरकार की कोशिश है कि दिल्ली में रेबीज से किसी भी शख्स की जान न जाए।

रेप के दोषी राम रहीम को 40 दिन की परोल

2017 से जेल में बंद, अब 15वीं बार बाहर आएगा

■ NBT न्यूज, रोहतक

दो साध्वियों से यौन शोषण और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में दोषी जिले के सुनारिया गांव स्थित जेल में बंद गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 40 दिन की परोल मिल गई है। परोल की अवधि के दौरान वह सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा आश्रम में रहेगा। अगस्त 2017 से जेल में बंद राम रहीम 15वीं बार जेल से बाहर आएगा। विपक्षी दलों का कहना है कि सजायाफ्ता कैदी को इतनी जल्दी-जल्दी परोल मिलना कानून के समान व्यवहार पर सवाल खड़े करता है।

गुरमीत राम रहीम को 28 अगस्त 2017 को सीबीआई की विशेष अदालत ने 2 साध्वियों से यौन शोषण मामले में 10-10 साल की सजा सुनाई थी। इसके लिए रोहतक जेल में ही विशेष कोर्ट स्थापित की गई थी।

पुलिस ने रविवार को बताया कि राम रहीम 15वीं बार रविवार शाम या सोमवार सुबह जेल से बाहर आएगा। कड़ी सुरक्षा में सिरसा डेरे के लिए रवाना होगा। पुलिस ने जेल परिसर के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है। इससे पहले वह 5 अगस्त को जेल से बाहर रहा था। उस दौरान भी वह सिरसा में ही रहा था और परोल की अवधि खत्म होने पर 15 सितंबर को जेल लौटा था। दरअसल जेल एक्ट में परोल और फरलो के लिए अलग-अलग नियम तय किए गए हैं। परोल विशेष हालात में मिलती है, जबकि फरलो कैदी का कानूनी अधिकार होता है। 17 जनवरी 2019 को पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड और अक्टूबर 2021 में डेरा के पूर्व प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या में गुरमीत राम रहीम को उम्रकैद की सजा सुनाई हुई थी।

राम रहीम को पिछले साल अगस्त में परोल के अलावा अप्रैल में 21 दिन की फरलो और 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले जनवरी में 30 दिन की परोल दी गई थी। इसी तरह उसे अक्टूबर 2024 में 20 दिन की परोल दी गई थी, जो पांच अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा चुनाव से कुछ दिन पहले दी गई थी। अगस्त 2024 में राम रहीम को 21 दिन की फरलो मिली थी। उसे 7 फरवरी 2022 से भी तीन सप्ताह की फरलो की अनुमति मिली थी।

- 28 अगस्त 2017 को सीबीआई की विशेष अदालत ने 2 साध्वियों से यौन शोषण मामले में 10-10 साल की सजा सुनाई थी।
- 17 जनवरी 2019 को पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड और अक्टूबर 2021 में डेरा के पूर्व प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या में उम्रकैद की सजा सुनाई हुई थी।

2025 में तीन बार जेल से बाहर आया

2025 में राम रहीम तीन बार फरवरी और अप्रैल में 21-21 दिन की फरलो और अगस्त में 40 दिन की परोल पर बाहर आया था। 2017 से अब तक 14 बार परोल या फरलो मिल चुकी है। अब 15वीं बार जेल से बाहर आएगा। पिछले 13 बार जब राम रहीम जेल से बाहर रहा उनमें से कई बार वह उत्तर प्रदेश के बागपत जिले स्थित डेरा के आश्रम में रहा। डेरा सच्चा सौदा के हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और अन्य राज्यों में कई अनुयायी हैं। हरियाणा में डेरा के अनुयायियों की संख्या कई जिलों में काफी है, जिनमें सिरसा, फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, और कैथल शामिल हैं।

INLD नेता के भाई की गोली मारकर हत्या

■ NBT न्यूज, पानीपत

जयदीप राठी

पानीपत में इंडियन नैशनल लोकदल (INLD) के जिला अध्यक्ष के भाई जयदीप राठी की हत्या कर दी गई। हालांकि उनका शव बरामद नहीं हुआ है। पुलिस ने रविवार को बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर एक दिन के रिमांड पर लिया था, उन्होंने पूछताछ में हत्या करना कबूल कर लिया है। आरोपियों ने सबूत मिटाने के लिए शव को जला दिया था। पुलिस ने बताया कि वह नेत्ररोग अधिकारी थे और INLD जिलाध्यक्ष कुलदीप राठी के भाई थे। जयदीप राठी फार्महाउस जाने के लिए निकले थे। इसके बाद वापस नहीं आए।

पड़ोसी की चाकू मारकर हत्या

■ NBT न्यूज, यमुनानगर : जिले के गांव भभौली में शनिवार की देर रात

बच्चे के पतंग से हाथ कटने और उसे डांटने को लेकर हुए झगड़े में एक पड़ोसी ने दूसरे की चाकू मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान राजेश के रूप में हुई है, जो दो बच्चों के पिता थे और पेशे से पेंटर थे। पुलिस ने मृतक के परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं।

करनाल में 15 लाख रुपये और सोना लूटा

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर तहकीकात की

■ NBT न्यूज, करनाल

करनाल के सेक्टर-16 इलाके में शनिवार रात सर्राफा व्यापारी के साथ बड़ी लूट की वारदात हुई। स्कूटी पर सवार व्यापारी और उसकी पत्नी के भाई पर झाड़ियों में छिपे बदमाशों ने अचानक हमला कर दिया। हमले में व्यापारी नीचे गिर गया। बदमाशों ने व्यापारी को लोहे की रॉड से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसके पास मौजूद 15 लाख रुपये नकद और 1500 ग्राम सोने से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। राहगीरों ने घायल को करीब 10 फुट गहरी खाई में पड़ा देखा और अस्पताल पहुंचाया।

पुलिस ने रविवार को बताया कि करनाल के सर्राफा बाजार में सोना पिघलाने का काम करने वाले व्यापारी अदिक पाटिल शनिवार रात अपनी पत्नी के भाई के साथ स्कूटी पर घर लौट रहे थे। व्यापारी के पास एक बैग था, जिसमें लाखों रुपये नकद और 1500 ग्राम सोना रखा था। जैसे ही दोनों सेक्टर-16 के कम्युनिटी सेंटर के पास पहुंचे, झाड़ियों में छिपे दो हमलावर अचानक बाहर निकले और पीछे से स्कूटी को धक्का दे दिया।

फटाफट खबरें

कार लूटने के पांच आरोपी गिरफ्तार

■ NBT न्यूज, कुरुक्षेत्र : पुलिस ने रोहतक के जौहरी की कार लूटने के पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। नैशनल हाईवे पर दिनदहाड़े गन पॉइंट पर रोहतक के ज्वेलर की कार लूटने के सभी आरोपियों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने रविवार को बताया कि करीब 64 लाख रुपये और वारदात में छीनी गई कार बरामद की गई है।

80 साल के दंडी स्वामी का अनशन

■ NBT न्यूज, जींद : नया बस अड्डा के निकट जलेबी चौक के पास कुटिया आश्रम कुरुक्षेत्र निवासी 80 वर्षीय कृष्णा आश्रम दंडी स्वामी महाराज ने रविवार को दूसरे दिन धरना दिया। शनिवार से वह धरने पर बैठे हैं। उन्होंने कहा कि कैथल बाईपास के पास में श्री श्याम गौ सेवा समिति के नाम से एक अस्थायी गौशाला में रहने वाली 150 गायें बेसहारा हो गई हैं। अस्थायी शेड बनवाने पर एनएचएआई ने थाने में शिकायत कर दी। इसके बाद काम रुक गया। काम रुकने पर उन्होंने रोष जताया।

58 खेल नर्सरियां 31 जनवरी के बाद बंद

■ NBT न्यूज, जींद : जिले की 58 खेल नर्सरियां इस सेशन में 31 जनवरी के बाद बंद हो जाएंगी। फरवरी और मार्च में बच्चों की परीक्षा के चलते यह नर्सरियां बंद होंगी। फिर अगले सेशन के लिए अप्रैल में खेल नर्सरियां नए सिरे से अलॉट होंगी। इस बार जिले में 58 खेल नर्सरियां सरकारी स्कूलों और ग्राम पंचायतों में चल रही हैं, जबकि इससे पहले पिछले सत्र में 82 खेल नर्सरियां निजी संचालकों को अलॉट की गई थी। एक नर्सरी में 25 खिलाड़ी अभ्यास करते हैं। इसके अलावा खिलाड़ियों को बायोमीट्रिक हाजिरी लगाने में लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

निकाय चुनाव का कभी भी हो सकता है ऐलान

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़ : हरियाणा में तीन निगमों और कई नगर परिषदों के चुनाव का किसी भी समय ऐलान हो सकता है। इस चुनाव में सत्तारूढ़ बीजेपी से अधिक विपक्षी दल कांग्रेस की परीक्षा होगी। राव नरेंद्र सिंह के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद यह पहला चुनाव है। तीन निगमों के मेयर का कार्यकाल इसी महीने पूरा हो रहा है। कांग्रेस के सामने कार्यकर्ताओं को लामबंद करने और चुनाव में बेहतर प्रदर्शन करने की चुनौती है।

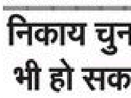

होसबाले ने कहा, संघ किसी का रिमोट कंट्रोल नहीं

■ NBT न्यूज, रोहतक : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने रविवार को कहा कि सरकार में आरएसएस की विचारधारा वाले लोग जरूर हैं, लेकिन आरएसएस किसी का रिमोट कंट्रोल नहीं है। समाज में अच्छे परिवर्तन के लिए संघ ने कभी श्रेय नहीं लिया। संघ तो तरह समाज को जोड़ने का काम करता है और अच्छे संस्कार देता है।

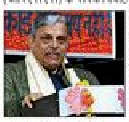
संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले

पहचान के लिए अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका नाम: अज्ञात पुत्र अज्ञात, निवासी अज्ञात, जो कि दिनांक 01.01.2026 को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, रिजर्वेशन गेट नं0-1, दिल्ली क्षेत्र में मृत पाया गया। इस सन्दर्भ में DD No.: 25A, Dated 01.01.2026, पुलिस स्टेशन पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली में रिपोर्ट दर्ज है। नीचे मृत पुरुष की पहचान दी गई है:

लिंग: पुरुष, उम्र: लगभग 45-50 वर्ष, कद: 5'7", रंग: सांवला, चेहरा: लम्बा, शरीर: दुबला, पहनावा: नीली टी-शर्ट, सफेद जैकेट व भूरी पैंट पहने हुए है। मृतक के शव को पहचान के लिए सब्जी मंडी, दिल्ली के शवगृह में 72 घंटे के लिए सुरक्षित रखा गया है।

अगर किसी को इस मृत पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया नीचे दिए गए नंबर पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन,
दिल्ली, फोन: 011-23961522, 9868916031

DP/177/Rly/2026

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss."

The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful. Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

संतुष्टि शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में किराए पर दुकानों का आवंटन एयर फोर्स स्टेशन नई दिल्ली

शुद्धिपत्र

विज्ञापन दिनांक 28 दिसंबर 25 देखें।

संशोधन कालके आवंटन की संभावित तिथि 01 मार्च 25 के बजाय 01 मार्च 26 पढ़ें।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे, बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 27/01/2026 को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। **निविदा संख्या:** 20R1-2025-GSU-BKN **कार्य का नाम व स्थान:** बीकानेर मंडल के सिरसा स्टेशन पर बीटीआई छोर की ओर लाइन संख्या 5 की स्लीपिंग और प्लेटफॉर्म संख्या 1 को 92.40 मीटर तक विस्तारित करके एक अतिरिक्त प्लेटफॉर्म संख्या 3 का प्रावधान, जिसमें सभी आवश्यक यात्री सुविधाएं शामिल हैं तथा हिसार-भटिंडा खंड के सिरसा और रमन स्टेशन पर टीडब्ल्यूएस कार्य का बचा हुआ कार्य के संबंध में ठेका कार्य। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹121063**56.83/- **बिड सिक्यूरिटी राशि:** ₹210600/- **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय:** बोली शुरू होने की तारीख 13/01/2026 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 27/01/2026 को 15:00 बजे तक। **नोट:** अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती हैं। E-Office File No.: NWR-BKNOENGG (WRKF)/89/2025 (Computer No. 232554) Dated-02.01.2026 12-DK/26

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा सूचना संख्या: 263 से 266-25-26 मंडल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति की ओर से इच्छुक ठेकेदारों से निम्न लिखित कार्य के लिए दिनांक 22.01.2026 को 15:00 बजे तक खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। [illegible] अनुमानित लागत मूल्य: ₹ 10619214.14/- धरोहर राशि: ₹ 203100.00/- नोट: अन्य शर्तें रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 10-DK/26

उत्तर पश्चिम रेलवे

सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा सूचना
भण्डार विभाग ई-प्रोक्योरमेंट के द्वारा

निविदा सूचना संख्या : एस/2025/134 दिनांक : 02.01.2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, तृतीय तल, उ.प. रेलवे प्रधान कार्यालय, जवाहर सर्किल के पास, मालवीय नगर, जयपुर-302017. निम्नलिखित मदों हेतु मोहरबंद खुली ई-निविदाएं www.ireps.gov.in में सभी खुली ई-निविदाएं 14.25 बजे बंद कर दी जाएंगी।

क्र.सं.	निविदा सं.	अल्प विवरण	मात्रा	यूनिट	खुलने की तिथि
1	10254592	लो मैंटेनेंस लीड एसिड बैटरी 8वी 500 एएच कैपेसिटी।	262	नग	23-01-2026
2	37255007	केवल्य-22 एमएम कास्ट स्टील बोगी विद हिडलन हुपिंग।	65	नग	03-02-2026
3	65255015A	डिजाइन सप्लाई फाउंडेशन इंस्टालेशन टेस्टिंग कमीशनिंग एंड प्रोविंग ऑफ कॉइल स्प्रिंग एंड लोड डिफलेक्शन टेस्टिंग मशीन फॉर एलएचबी एंड आई आर वाई कोचेज।	01	नग	12-01-2026
4	70251671	पीवीसी फ्लोरिंग (वीआईएनवाईएल) विद्रथ 1620 एमएम मिनिमम लेंथ 14 मीटर्स ऑफ थिकनेस 2 एमएम वेल विथ पीवीसी वेल्डिंग इलेक्ट्रोड।	4842	स्क्वायर मीटर	27-01-2026
5	70251665A	वीआईएनवाईएल कोटेड जायोमेट्रिक फैब्रिक लेदर टू आरडीएसओ स्पेक नं. आरडीएसओ/2006/सीजी 07 रिवीजन-1	22746	मीटर	02-02-2026

(1) इच्छुक निविदाकर्ता हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर सामग्री का पूरा विवरण/स्पेसिफिकेशन/ बयाना राशि/निविदा फार्म का मूल्य और अन्य जानकारी देख सकते हैं। सभी निविदाकर्ताओं से निवेदन है कि अपने डिजिटल हस्ताक्षर प्राप्त करें तथा अपनी फर्म को उक्त साइट पर रजिस्टर्ड करें। (2) 50 लाख से नीचे के विज्ञापित निविदा, सीमित निविदा, विशेष सीमित निविदा एवं कम मूल्य की निविदा में भाग लेने के लिए हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जायें।

8-DK/26

Online Tender Document for M.P. Police
पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल

No. PHQ/15/GPC/5838-1 /2025 Bhopal, Dated 31/12/2025

"ऑनलाईन निविदा सूचना"

पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश की ओर से सहायक पुलिस महानिरीक्षक (प्रबंध) पुलिस मुख्यालय, भोपाल द्वारा नीचे दर्शित तालिका अनुसार राज्य न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

Forensic Equipments for Bhopal, Indore, Sagar and Gwalior

Sr	Name of Equipment	Quantity	EMD Paid Online Through mptenders.gov.in	Tender Fees (Rs.)
1	Accelerated Solvent extractor	1	195000	5000
2	Automated Rotatory Vacuum Evaporator	3	54000	2000
3	Flash point apparatus	3	180000	5000
4	Gas generator (nitrogen, air and Hydrogen)	4	294000	5000
5	Refrigerated Centrifuge (table Top)	4	48000	2000
	TOTAL EMD & Tender FEES		771000	19000

1. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर जमा किये जायेंगे।
2. निविदा शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।
3. मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।
4. समय सारणी :-

निविदा प्रकाशन की दिनांक	31/12/2025 के 14:00 बजे
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभ दिनांक	01/01/2026 के 12:00 बजे
प्री-बिड मीटिंग दिनांक	01/01/2026 के 12:00 बजे
निविदा जमा करने की प्रारंभ दिनांक	09/01 /2026 के 11:00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	19/01 /2026 के 14:00 बजे
निविदा खोलने की दिनांक	20/01/2026 के 16:00 बजे

5. निविदाकर्तागण से अनुरोध है कि निविदा से संबंधित संशोधन, शुद्धि पत्र आदि वेबसाईट पर ही अपलोड किये जावेंगे अतः वेबसाईट पर अवलोकन रहें।
6. निविदा में दर्शाए दिनांक /समय पर निविदा खोली जावेगी, निविदा खोलने के उपरान्त तकनीकी निविदा में योग्य पाए गए निविदाकर्ताओं एवं वित्तीय निविदा की जानकारी वेबसाईट के माध्यम से बाद में सूचित की जावेगी।

Sd/-
(संदीप दीक्षित)
सहायक पुलिस महानिरीक्षक (प्रबंध)
हेतु- पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश

G-23811/25

"चौकसी है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करो अत्याचार"

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

टेंडर और नोटिस
न्यायालय सूचना
निविदाएं (टेंडर्स)

TENDER NOTICE
FIRE DAMAGED BUILDING & MACHINERY SCRAP
Sealed tenders are invited from interested buyers for disposal of fire damaged building and machinery MS scrap (appx. Quantity 406 MT) strictly on 'AS IS WHERE IS BASIS' belonging to HINDUSTAN POLYFOAMS PVT. LTD. and lying at the factory situated at KILA NO. 25/9/2,10, 26/7/1, 7/2, 8/2, 26, 6/1, 14/1, 14/2/1, 14/3/1, VILLAGE WAZIDPUR, SABOLI, SONIPAT, HARYANA-131029. Tender Documents can be obtained in person on payment of Rs.1,000/- in demand draft/ cash from Mr. Latesh Bansal (cell No.9501469977) and Mr. Sandeep Kumar (cell no.9702802677). Time of collection of Tenders and inspection from site:10.00 AM to 5.00 PM on all days from 05.01.2026 to 10.01.2026. Sealed Tenders to be submitted before 5.00 PM on 12.01.2026 at our above mentioned address. Successful bidders will be informed about the outcome suitably.

IN THE COURT OF MS. ILLA RAWAT, LD. PRINCIPAL JUDGE NEW DELHI DISTRICT, COURT ROOM NO.37 FAMILY COURT, PATIALA HOUSE COURT, NEW DELHI.
Case No. HMA-1299/2024
U/s: 13(1)(ia) OF HMA
N.D.O.H. - 06.02.2026
Sidharth Verma ....Petitioner
Vs
Punita ...Respondent
To,
Punita,
D/o Sh. Rajender Singh Soni, R/o House No.1350, Sector 3, Ballabgarh, Behind Tagore Public School, Ballabgarh, Faridabad Haryana-121004.
THE DEFENDANT/ RESPONDENT ABOVE NAMED
WHEREAS you are intentionally evading service of summons it is hereby notified that if you shall not defend the case on the 06th Day of FEBRUARY, 2026 AT 10:00 AM the day fixed for the final disposal, it will be heard and determined ex-parte.
Given under my hand and seal of the Court this 18th Day of DECEMBER, 2025.
Seal
Principal Judge Family Court, New Delhi District, Patiala House, Delhi

HEALTH & WELLNESS

सेहत बनायें वजन बढ़ायें
अगर आप खाते पीते बहुत हैं, फिर भी सेहत नहीं बनती, तो हमारी सलाह द्वारा औषधि का सेवन करें और 15 ही दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹655 महीना
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
2294, कोठिया पुल चौक, पुरानी दिल्ली
• मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

SEX PROBLEMS का सफल इलाज! मिले
सबलोक क्लिनिक दरियागंज
नेताजी सुभाष मार्ग (निकट दिल्ली गेट) नई दिल्ली-2
9891300008
समय : 1 से 6 रविवार : अवकाश
Consultation fees 500/-
सबलोक क्लिनिक दरियागंज की इंडिया में कहीं कोई ब्रांच नहीं है।

बिजनेस
बिजनेस प्रस्ताव

बवासीर का इंजेक्शन द्वारा सफल इलाज
पेट दर्द, गैस, कब्ज, एसिडिटी का सफल इलाज (अनुभव 25 वर्ष)
सोनू क्लीनिक
Dr. A.K. Chaudhary (B.A.M.S.)
K-18, मेन खयाला रोड, श्याम नगर, विष्णु गार्डन (निकट मदर डेयरी) नई दिल्ली-18
9289626250
9810807952

PREMIUM EUROPEAN COATING RESINS/ ADDITIVES
We can offer a diverse range of high-performance materials regularly at low prices, including:
• Waterborne Polyurethane Dispersions
• Acrylic Polyols
• Alkyds & Epoxies
• Functional Monomers & Crosslinkers
Please contact:
Euro Exim Limited
Manchester (UK)
Email: sales@euroeximlimited.co.uk

MISSION / ADMISSION
Bharatiya Vidya Bhavan
DELHI KENDRA
Bhavan's Jawaharlal Nehru Academy of Languages
Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001
(Nearest Metro Station Mandi House /Patel Chowk)
Learn a FOREIGN LANGUAGE, Increase Job Opportunities
Admission OPEN
Minimum Eligibility 12th Pass
Batch Starting From : 10.01.2026
Offline Classes :
• Weekends - Morning from 8am to 10am
• Weekdays - Evening 6pm to 8pm (Classes Twice a Week)
• FRENCH
• CHINESE
• SPANISH
• JAPANESE
• GERMAN
• ARABIC
• RUSSIAN
• GENERAL & SPOKEN ENGLISH
• ADVANCED ENGLISH
For more info: Visit our website www.bvbdelhi.org or contact us @ Room number 7, (Phone : 011-23389942)
Mobile : 9811771503, E-Mail : jna@bvbdelhi.org

To book your Education ads
Please contact
Amit : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.	Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649	South Delhi + Faridabad + Noida	Raghav Arora	99999 95460
Central Delhi2 + Ghaziabad + East Delhi	Sunil Srivastava	99994 99496	West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP5 User: cci Time: 01-04-2026 22:08 Color:

IEW INDIA ENERGY WEEK 2026
MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS
इंडिया एनर्जी वीक 2026
भारत से विश्व तक, भविष्य का नवनिर्माण।
27 - 30 जनवरी 2026
ओएनजीसी एटीआई, गोवा, भारत
ऊर्जावान विकास.
सुरक्षित अर्थव्यवस्था. समृद्ध जीवन.
75,000+ ऊर्जा प्रोफेशनल्स | 700+ प्रदर्शनी कंपनियाँ | 120+ देशों का प्रतिनिधित्व | 6,500+ सम्मेलन प्रतिनिधि | 550+ सम्मेलन स्पीकर्स | 120+ सम्मेलन सत्र
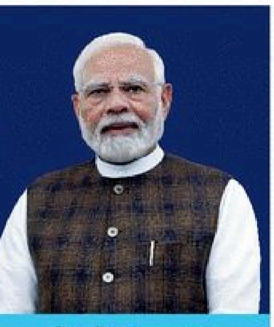
हमारे साथ जुड़ें: #IndiaEnergyWeek | www.indiaenergyweek.com
अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें
नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

AI के ताज़ा अपडेट्स

बिना लक्षण वाला कैंसर पहचाना

चीन में 57 साल के मजदूर किउ सिजुन ने डायबिटीज की जांच कराई थी। जांच में पता चला कि उन्हें पैंक्रियाज का कैंसर है, लेकिन शुरुआती स्टेज में। AI की मदद से कैंसर समय रहते पकड़ में आ गया। डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर ट्यूमर निकाल दिया।

सुरक्षा के लिए SEBI का टूल

AI Image

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) साइबर सिक्योरिटी के लिए AI टूल विकसित कर रहा है। बाजार नियामक के अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) में सेंसेक्स की 40वीं वर्षगांठ के मौके पर यह जानकारी दी।

Gemini 3 फ्लैश की सर्विस शुरू

AI Image

गूगल ने अपने AI मॉडल Gemini 3 फ्लैश को ग्लोबल लेवल पर रोलआउट कर दिया है। यह कोडिंग से लेकर हर तरह की जानकारी तुरंत दे सकता है। पुराने मॉडल से इसकी स्पीड 2 गुना तेज है। गूगल सर्च में भी इसे इंटीग्रेट किया गया है। API से भी एक्सेस कर सकते हैं।

जानें, कैसे बनाएं AI से परफेक्ट लुक वाली प्रोफाइल पिक

परफेक्ट दिखने वाली फोटो किसे नहीं चाहिए? लेकिन हर किसी के पास अच्छा कैमरा, सही लाइट या बढ़िया बैकग्राउंड नहीं होता। यहीं AI फोटो काम आती है। AI से आप मिनटों में स्टूडियो जैसी फोटो बना सकते हैं- क्लियर चेहरा और प्रोफेशनल लुक के साथ।

अगर आप भी जानना चाहते हैं कि परफेक्ट लुक वाली AI इमेज कैसे बनाएं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हम अपने एक्सपर्ट की मदद से आपके सवालों के जवाब देने का प्रयास करेंगे। सब्जेक्ट में AI लिखना न भूलें।

रोबॉट महसूस करेंगे दर्द, इंसानों जैसी बनी स्किन

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** चीन के रिसर्चर्स ने ऐसी आर्टिफिशल स्किन बनाई है जो इंसानों की त्वचा की तरह दबाव और दर्द महसूस कर सकती है। इस तकनीक को वैज्ञानिकों ने न्यूरोमॉर्फिक रोबॉटिक ई-स्किन (NRE-Skin) नाम दिया है। यह डिवेलपमेंट रोबॉटिक्स और AI के क्षेत्र में मानवीय संवेदना जैसी प्रतिक्रियाओं को समझने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

स्किन पर लगे सेंसर का कमाल: इंसानी त्वचा पर हजारों संवेदक होते हैं जो ठंडी-गर्मी, दबाव, दर्द और दूसरी ऐसी किसी भी चीज को दिमाग तक पहुंचाते हैं। इसी सिस्टम पर NRE स्किन को भी बनाया गया है। इसमें फ्लेक्सिबल पॉलीमर से बने प्रेशर सेंसर लगाए गए हैं। ये सेंसर जब दबाव महसूस करते हैं तो इलेक्ट्रिक स्पाइक के रूप में संकेत भेजते हैं, ठीक उसी तरह जैसे हमारे नर्वस सिस्टम में न्यूरॉन्स एक-दूसरे से संवाद करते हैं। इन स्पाइक सिग्नल्स की फ्रिक्वेंसी से पता चलता है कि स्किन पर कितना दबाव है, जबकि दूसरे गुणों से पहचाना जाता है कि सिग्नल किस सेंसर से आया है। यानी इस स्किन में सेंसर्स का अहम रोल है। अगर ये सेंसर खराब हो जाते हैं तो खुद ही पूरा सिस्टम इसे पकड़ लेता है और अलर्ट भी जारी कर देता है।

गरम सामान छूने पर इंसानों जैसे रोबॉट ने हटाया हाथ: इस आर्टिफिशल स्किन में दर्द पहचानने जैसी क्षमता भी है। जब दबाव एक निश्चित सीमा से अधिक हो जाता है, तो सिस्टम दर्द का अलर्ट भेजता है, जिससे रोबॉट का कंट्रोलर यानी उसका दिमाग समझ जाता है कि संबंधित पॉइंट पर कुछ दिक्कत हो रही है। वैज्ञानिकों ने प्रयोग के तौर पर इस स्किन को एक रोबॉटिक हाथ पर लगाया। जैसे ही त्वचा ने अत्यधिक दबाव या संभावित क्षति महसूस की, हाथ स्वतः अपनी स्थिति बदल लेता था, ठीक वैसे जैसे इंसान गरम सामान छूने पर तुरंत हाथ खींच लेते हैं।

बदल सकेंगे यह स्किन

रिसर्चर्स ने इस आर्टिफिशल स्किन को मॉड्यूलर बनाया है। यानी यह कई छोटे-छोटे हिस्सों में बंटी है। इन छोटे हिस्सों को मैग्नेटिक इंटरलॉक से जोड़कर लगाया गया है। इसका फायदा यह है कि अगर इसके किसी हिस्से में खराबी आ जाए तो उसे आसानी से बदला जा सकेगा। बदलाव के बाद नया सिस्टम खुद से कनेक्ट होने के बाद पहचान शेयर कर लेता है।

बिजली भी बचेगी AI के लिए जरूरी

NRE-Skin अभी सिर्फ दबाव को महसूस करने में पूरी तरह से सक्षम है। यह तापमान, ठंडक, जलन या अन्य संवेदनाओं को महसूस करना सीख रहा है। साइंटिस्ट मान रहे हैं कि इसे और अधिक अडवांस बनाया जा सकता है। चूंकि यह सिस्टम स्पाइक-आधारित न्यूरोमॉर्फिक प्रोसेसर पर काम करता है, इसलिए यह बिजली भी काफी बचा सकता है और AI बेस्ड कंट्रोल सॉफ्टवेयर से आसानी से जुड़ सकता है।

फिटनेस, वेटलॉस, डायबिटिक और हार्ट पेशंट, बुजुर्ग सभी के लिए पर्सनल प्लान

AI बताएगा घर में कैसे करें वर्कआउट,

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** प्रदूषण, स्मॉग और कड़ाके की ठंड की वजह से इन दिनों लोग घर के बाहर वर्कआउट के लिए नहीं जा पा रहे हैं। ऐसे में फिट रहने की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। लेकिन राहत की बात यह है कि अब घर बैठे, बिना किसी जिम इक्विपमेंट के भी दिनभर की जरूरत तक का वर्कआउट आसानी से कर सकते हैं। उम्र, फिटनेस, गोल के हिसाब से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) से वर्कआउट प्लान ले सकते हैं और कैसे एक्सरसाइज करनी है, किन बातों का ध्यान रखना है, ये बातें भी पता सकते हैं।

कितना वर्कआउट जरूरी: डॉक्टरों के मुताबिक, एक स्वस्थ वयस्क को हफ्ते में कम से कम 150 मिनट की मॉडरेट एक्सरसाइज या 75 मिनट की इंटेंस यानी कठिन एक्सरसाइज करनी चाहिए। इसके लिए जिम जाना जरूरी नहीं है। घर में ही बॉडी-वेट एक्सरसाइज जैसे स्क्वैट्स, लंजेस, पुश-अप्स, प्लैंक, ब्रिज, स्टेप-अप, स्पॉट जॉगिंग और स्ट्रेचिंग से अच्छी फिटनेस हासिल की जा सकती है। योग और प्राणायाम भी सर्दी और प्रदूषण के समय सुरक्षित विकल्प माने जाते हैं।

AI कैसे बना रहा है एक्सरसाइज का प्लान: AI आधारित फिटनेस टूल्स यूजर से कुछ बेसिक जानकारी लेते हैं, जैसे उम्र, वजन, लंबाई, पहले से कोई बीमारी जैसे डायबिटीज, हाई बीपी, घुटनों का दर्द, अस्थमा आदि, फिटनेस गोल यानी वजन घटाना, मसल्स मजबूत करना, स्टैमिना बढ़ाना और कितनी देर तक वर्कआउट कर सकते हैं। इसके आधार पर ये टूल्स यह तय करते हैं कि कौन सी एक्सरसाइज कितनी देर और कितनी रिपिटेशन के साथ करनी चाहिए। AI की खास बात यह है कि यह यूजर की प्रोग्रेस के हिसाब से एक्सरसाइज की इंटेंसिटी को धीरे-धीरे बदल भी सकता है।

कहां से बना सकते हैं वर्कआउट प्लान

ChatGPT: अपनी उम्र, वजन, हाइट, बीमारी (अगर कोई हो), कहां वर्कआउट करना है, जैसे घर या जिम में ये जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही यह भी बताना होगा कि आप अभी शुरुआत कर रहे यानी बिगनर हैं या कभी कभार वर्कआउट करते हैं, या अडवांस लेवल के वर्कआउट का प्लान चाहिए।

कैसे इस्तेमाल करें *ChatGPT ऐप खोलें। Ask Anything में लिखें- 'मेरी उम्र 35 साल है, वजन 82 किलो है, घर पर रोज 30 मिनट एक्सरसाइज करना चाहता हूं, गोल फैट कम करना है। मुझे पूरे एक हफ्ते का वर्कआउट प्लान दें।' फिर पूरे हफ्ते का प्लान में वर्कआउट प्लान मिल जाएगा।*

Fitbod App

अगर आप जिम जाते हैं या पहले भी वर्कआउट करते रहे हैं तो Fitbod ऐप बेस्ट हो सकता है। यह आपकी पिछली एक्सरसाइज देखकर अगले वर्कआउट का प्लान बना सकता है। इस ऐप की खास बात है कि यह आपको ओवरट्रेनिंग से बचाता है। यहां पर अडवांस लेवल के वर्कआउट प्लान के लिए कुछ पेमेंट करनी होती है।

Nike Training Club (NTC)

यहां छोटे-छोटे विडियो के साथ वर्कआउट प्लान मिलता है। शुरुआत करने वालों से लेकर अडवांस लेवल वर्कआउट करने वालों तक के लिए यहां खास प्लान है। अगर विडियो के साथ आप वर्कआउट करना सीखना चाहते हैं तो NTC बेस्ट ऑप्शन हो सकता है, लेकिन इसके खास फीचर्स के लिए कुछ पेमेंट करनी होगी।

AI Image

Gemini: गूगल का AI ऐप Gemini बेहद सरल तरीके से वर्कआउट समझाता है। यह डाइट के साथ कौन सी एक्सरसाइज बेस्ट होगी, इसका सुझाव दे सकता है। यहां भी आपको अपनी बेसिक जानकारी, जैसे उम्र, वजन, हाइट, बीमारी, वर्कआउट कहां करना है बतानी होगी। यह भी बताना होगा कि वर्कआउट अभी शुरू कर रहे हैं या अडवांस लेवल पर हैं।

कैसे इस्तेमाल करें *Gemini ऐप खोलें। Ask Gemini जहां लिखा हो, वहां अपनी डिटेल्स डालें और बताएं कि कैसा वर्कआउट प्लान चाहिए, गोल क्या है? यहां से कुछ देर में पर्सनलाइज्ड प्लान मिल जाएगा।*

Grok: xAI का Grok आपकी उम्र, वजन, गोल यानी फैट कम करना, मसल बनाना, फिट रहना के हिसाब से वर्कआउट प्लान बता सकता है। यह घर और जिम दोनों के लिए रूटीन प्लान दे सकता है। लेकिन यह हेल्थ कंडीशन को लेकर बहुत डीप पर्सनलाइज्ड वर्कआउट प्लान नहीं दे सकता है।

कैसे इस्तेमाल करें *अगर X पर एक्टिव हैं तो वहां भी Grok आइकन पर टच करके ये जानकारी ले सकते हैं। Grok इंटरफेस खुलने के बाद Ask Anything वाली जगह लिखें- 'मेरी उम्र 38 साल है, वजन 75 किलो है, घर पर 20-30 मिनट एक्सरसाइज करना चाहता हूं।' फिर पूरा प्लान मिल जाएगा।*

बेस्ट तरीका YouTube

सबसे बेस्ट तरीका YouTube है, लेकिन यहां पर्सनलाइज्ड प्लान नहीं मिलता है। ऐसे में ChatGPT या Gemini से अपना पर्सनल प्लान बनवाएं, फिर वही एक्सरसाइज YouTube पर देखकर करें। 4 हफ्ते बाद AI को अपनी डिटेल्स दोबारा से देकर नया प्लान बनवाएं, फिर उसे फॉलो करें।

KMP पर गाड़ी की टक्कर से बाइक सवार की मौत

AI Image

■ NBT न्यूज, नूंह

रोजकामेव थाना क्षेत्र अंतर्गत कुंडली मानेसर एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो दोस्तों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक सड़क पर काफी दूर जाकर गिरे। जिनमें से एक युवक की मौत हो गई, वहीं दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान राजस्थान के डीग जिले के गांव नगला सहजाद के रहने वाले राकेश (27) पुत्र हरि सिंह के रूप में हुई है।

मृतक के भाई निहाल सिंह ने बताया कि उसका भाई राकेश पिछले काफी समय से मानेसर में फर्नीचर का कार्य करता था। एक जनवरी को उनकी बेटी का जन्मदिन था। जिसमें राकेश खुशी मनाने के लिए अपने दोस्त जगमोहन के साथ घर आ गया। जब वह जन्मदिन मनाकर 2 जनवरी को बाइक पर सवार होकर वापस मानेसर जा रहे थे। उसी दौरान रोजकामेव थाना क्षेत्र अंतर्गत केएमपी एक्सप्रेसवे पर किसी अज्ञात वाहन चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें उनके भाई राकेश की मौके पर ही मौत हो गई और जगमोहन गंभीर रूप से घायल हो गया।

कंपनी से सामान चोरी में अरेस्ट

■ NBT न्यूज, रेवाड़ी

चौकी गढ़ी बोलनी पुलिस ने कंपनी से सामान चोरी करने के मामले में एक और आरोपी को अदालत से प्रोडक्शन वारंट पर लेकर गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जिला हिसार के गांव कन्नर बैणी निवासी रानु के रूप में हुई है। पुलिस इस मामले में चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। जांचकर्ता ने बताया की मूलरूप से यूपी के मथुरा के मोती कुंज हाल आबाद अंतरिक्ष टावर बीएमजी सिटी रेवाड़ी निवासी अर्पित सेठ ने शिकायत दी थी कि वह पोलीकैब इंडिया लिमिटेड कंपनी में क्वालिटी मैनेजर है। 9 मार्च को सुबह कंपनी के सिक्योरिटी हेड पवन कुमार ने उनको सूचना दी कि कंपनी में चोरी हो गई है। जब उसने कंपनी में आकर देखा चोर दिवार तोड़कर कंपनी में घुसकर सामान चोरी करके ले गए थे।

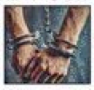

हीटर में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

NBT 2 मिनट में पढ़ें

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मंडावली इलाके में रूम हीटर में शॉर्ट सर्किट के कारण चौथे मंजिल पर फ्लैट में आग लग गई। आग फैलने से घर में रखा गैस सिलिंडर भी फट गया। हालांकि इससे किसी को नुकसान तो नहीं हुआ, लेकिन आग बुझाने के दौरान तीन फायरकर्मी झुलस गए। फायर की 5 गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

ईस्ट जिला के डीसीपी अभिषेक धानिया ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 1 बजे मंडावली के शांति मार्ग स्थित गली नंबर एक मकान नंबर 41ए के चौथी मंजिल पर आग की कॉल मिली थी। इस फ्लैट में 24 वर्षीय आदित्य सिंह रहते हैं। वह नोएडा स्थित एक एमएनसी में काम करते हैं। वह नाइट शिफ्ट के बाद घर आए थे। सूचना के बाद स्थानीय पुलिस और फायर विभाग के कर्मी भी मौके पर पहुंच गए। दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके के पर पहुंच गईं। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद लगभग 2:05 बजे आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि आग बुझाने के दौरान 3 दमकलकर्मी मामूली रूप से झुलस गए। शुरुआती जांच में पता चला है कि हीटर में शॉर्ट सर्किट होने लगा और आग लग गई। उसके बाद कमरे में रखा गैस सिलिंडर भी आग के चपेटे में आ गया। पुलिस और फायर विभाग का कहना है कि अब तक किसी तरह की साजिश या फाउल प्ले के सबूत नहीं मिले हैं। पुलिस ने क्राइम और टेक्निकल टीमों से रिपोर्ट मांगी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

मंडावली में आग बुझाते वक्त तीन फायरकर्मी झुलसे

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें
@NBTDilli

OTP की पार्टी में झगड़ा होने पर पुलिसवालों ने चलाई गोलियां!

AI Image

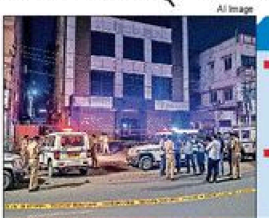

FIR दर्ज
- GTB एनक्लेव इलाके में 270 ग्राम की चेन लूटने का भी दावा, FIR दर्ज
- 31 दिसंबर की रात हुई फायरिंग में खुलासा

Shanker.Singh@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** शाहदरा जिला के झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित लमीर क्लब के बाहर 31 दिसंबर की रात हुई ताबड़तोड़ फायरिंग में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, भोजपुर निवासी मुख्य आरोपी बादल और विकास के साथ नॉर्थ-ईस्ट जिले की एक खास यूनिट में तैनात पुलिस स्टाफ भी था, जिन्होंने अपनी सरकारी पिस्टल से भी गोलियां चलाई थीं। दरअसल वहां एक पुलिसकर्मी को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन (OTP) की पार्टी थी, जिसमें बदमाश भी बुलाए गए थे।

एनबीटी ने 3 जनवरी को 'कारोबारी से कहासुनी में क्लब के बाहर फायरिंग' की खबर प्रमुखता से प्रकाशित की थी। शिकायतकर्ता गाजियाबाद के सिखल गांव निवासी सोनू कसाना ने पुलिस को बताया था कि वह 31 दिसंबर की देर रात करीब 1:30 बजे अपने दोस्तों के साथ नए साल का जश्न मनाने झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया स्थित लमीर क्लब आए थे। वहां उनकी कुछ लोगों से कहासुनी हो गई थी।

वह लड़के यानी 1 जनवरी की सुबह करीब 4:15 बजे दोस्तों के साथ क्लब के बाहर निकले तो उन लड़कों ने उन्हें घेर लिया। गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी और एक लड़के ने कार का शीशा तोड़ दिया। एक अन्य लड़के ने सीने पर पिस्टल तान दी। तीसरे लड़के ने थप्पड़ मारते हुए 270 ग्राम की गोल्ड की चेन लूट ली। इसके बाद उनके साथ के युवकों ने करीब 9-10 राउंड फायरिंग की। चेन लूटने वाले का नाम बादल बताया गया, जबकि एक अन्य बदमाश की पहचान विकास के तौर पर हो गई।

जीटीबी एनक्लेव थाना पुलिस ने 1 जनवरी को ही लूटपाट और आर्म्स एक्ट समेत कई धाराओं में केस कर लिया था। जांच में खुलासा हुआ कि बादल पर पहले से लूटपाट और आर्म्स एक्ट के दो केस दर्ज हैं। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिससे अन्य आरोपियों की शिनाख्त नॉर्थ ईस्ट जिले में तैनात पुलिसकर्मियों के तौर पर हुई है। सूत्रों का दावा है कि फायरिंग करने वाले पुलिसवाले भी थे, जिन्होंने सरकारी पिस्टल से फायरिंग की। पुलिस के मौके पर 9 एमएम के खोल मिले हैं, जिससे सरकारी पिस्टल से गोली चलने की पुष्टि हो जाती है।

बदमाशों को बुलाया पार्टी में

पुलिस सूत्रों ने बताया कि अभी की जांच में सामने आया एक पुलिसकर्मी को ओटीपी मिला था। इसी खुशी में उसने अपने सहयोगी स्टाफ और एरिया के कुछ बदमाशों को पार्टी में बुलाया था। इसी दौरान सोनू कसाना और उसके दोस्तों से बहस हो गई, जिनके बाहर निकलने पर मारपीट और फायरिंग की गई। शाहदरा जिला पुलिस अब तक इस वारदात में शामिल किसी की पकड़ नहीं हो सकी है।

टैक्सी पलटने से एयरपोर्ट कर्मी हुए घायल

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के कैंट इलाके में टैक्सी पलटने से एयरपोर्ट कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनकी पहचान रविंद्र सिंह के रूप में हुई। रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट होने के कारण उनका लगातार अस्पतालों में इलाज चल रहा था। दो महीने बाद उन्होंने पुलिस को लिखित शिकायत देकर आरोपी ड्राइवर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस ड्राइवर के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का केस दर्ज कर छानबीन में जुट गई है।

आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग

पुलिस के अनुसार, रविंद्र सिंह परिवार के साथ विकास नगर रेवाड़ी हरियाणा में रहते हैं। वह दिल्ली एयरपोर्ट पर कार्यरत हैं। शिकायत में उन्होंने बताया कि 3 नवंबर 2025 तड़के 4.40 बजे वह ड्यूटी पर जाने के लिए दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन के पास बस का इंतजार कर रहे थे। काफी देर से बस नहीं आई थी। इसी बीच एक टैक्सी आकर वहां रुकी, जो एयरपोर्ट की ओर जा रही थी। वह एयरपोर्ट जाने के लिए उस टैक्सी में सवार हो गए। ड्राइवर मना करने के बावजूद कार को काफी तेज रफ्तार से चलाने लगा। ड्राइवर ने कार डिवाइडर के ऊपर चढ़ा दी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP6 User: dilip.lal Time: 01-04-2026 22:11 Color:

> संगठन की जिम्मेदारी आदेश से नहीं, बल्कि प्रेरणा से निभाई जाती है।
> - ड्वाइट डी. आइजनहावर, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति

बड़ी ज़िम्मेदारी

कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए प्रियंका गांधी को स्क्रीनिंग कमिटी का अध्यक्ष बनाकर पार्टी के भीतर से उठ रही पुरानी मांग को पूरा किया है। नेताओं और कार्यकर्ताओं का एक वर्ग मानता रहा है कि प्रियंका को ज्यादा जिम्मेदारी मिलनी चाहिए और अगर वह जमीनी स्तर पर काम करती हैं, तो पार्टी को ज्यादा फायदा होगा।

असम की अहमियत । असम में इस साल मार्च-अप्रैल में चुनाव हो सकते हैं। यह उन कुछ राज्यों में से एक है, जहां कांग्रेस संगठन अब भी मजबूत है। राज्य में 10 साल पहले तक कांग्रेस की सरकार थी और आज भी मुख्य विपक्षी ताकत वही है। इस साल अप्रैल-मई तक पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल के भी विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में प्रियंका को असम की जिम्मेदारी मिलना अहम माना जा रहा है।

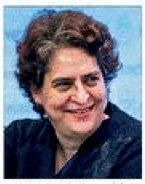

प्रियंका गांधी से उम्मीदें

पार्टी का भरोसा । प्रियंका भले नवंबर 2024 में पहली बार वायनाड से उपचुनाव के जरिये लोकसभा में पहुंची हों, लेकिन उनका राजनीतिक अनुभव कहीं अधिक है। राहुल गांधी ने जब 2004 में सक्रिय राजनीति में कदम रखा, तो चुनावी प्रचार की कमान प्रियंका ने ही संभाली थी। उनकी तुलना दादी इंदिरा गांधी से की जाती रही है और कांग्रेस के भीतर यह भरोसा है कि वह अगर पूरी तरह सामने आकर जिम्मा संभालें, तो पार्टी फिर से मजबूत हो सकती है।

यूपी से अलग । हालांकि 2019 लोकसभा चुनाव से पहले प्रियंका को यूपी में महासचिव बनाया गया था और पूर्वी यूपी के चुनाव अभियान की जिम्मेदारी उन पर थी, लेकिन पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। लेकिन, एक हकीकत यह भी है कि यूपी में कांग्रेस का संगठन बेहद कमजोर स्थिति में था। प्रियंका ने जोश तो भरा, लेकिन उसे परिणाम में बदलने के लिए उनके पास जमीनी स्तर पर उस तरह का समर्थन मौजूद नहीं था।

समन्वय में मदद । यूपी के मुकाबले असम में कांग्रेस बहुत बेहतर स्थिति में है। स्क्रीनिंग कमिटी का काम होता है उम्मीदवारों के नामों का चयन करना। हालांकि प्रियंका की भूमिका इससे ज्यादा की हो सकती है। असम में भी पार्टी गठबंधन में उतरेगी। बिहार में जिस तरह की गड़बड़ी हुई, नेतृत्व नहीं चाहेगा कि वैसा असम में हो। प्रियंका जैसे कद का नेता होने से असंतोष कम करने और समन्वय बैठाने में मदद मिलेगी। प्रियंका कई मौकों पर साबित कर चुकी हैं कि वह कुशल वक्ता हैं। वंदे मातरम् पर संसद में बहस के दौरान उन्होंने जिस तरह से कांग्रेस का रुख रखा था, उसकी पार्टी के अंदर और बाहर वाहवाही हुई थी। अब पार्टी असम में भी उनसे ऐसे ही कमाल की आशा कर रही है।

नश्तर

सब्ज़ी और सियासत

सौरभ श्रीवास्तव

पड़ोस वाली भाभीजी सब्जी वाले पर नाराज हो रही थीं, 'कल जो गोभी दे गए थे, उसमें कीड़ा निकला था।' सब्जी वाला एक नंबर का मसखरा था। बोला, 'भाभीजी गोभी में कीड़ा ही छुप सकता है, तो वही निकलेगा। बड़ा जानवर तो नहीं ही निकलेगा।' भाभीजी गुस्से से आग-बबूला होतीं कि वह फिर बोला, 'यह इस बात का सबूत है कि मेरी लाई सब्जियों में कीटनाशक नहीं पड़ते। गोबर की खाद में कीड़े होते हैं, चला गया होगा गोभी में।' वह ठेला ठेलकर मेरे दरवाजे लाया तो सब्जियां छांटते हुए मैंने उससे कहा, 'बात बनानी खूब जानते हो, चुनाव क्यों नहीं लड़ लेते?' बोला, 'साहब सब्जी बेचता हूं, चाय नहीं।' 'चाय बेचने वाला नेता बन सकता है तो सब्जीवाला क्यों नहीं?', मैंने पूछा। वह बोला, 'साहेब चाय पर चर्चा हो सकती है, सब्जी पर नहीं। बिना चर्चा के कोई नेता कैसे बनेगा?' मुझे जवाब नहीं सूझा तो मैंने ठेले से नारंगी रंग वाली गाजर उठाई और भाव पूछ लिया। वह मुस्कुराते हुए बोला, 'महंगी हो गई है।' बथुए पर हाथ रखा तो बोला, 'हरी सब्जियां सस्ती हैं आज-कल।' मैंने आंख तरेरते हुए कहा, 'सस्ती तो नारंगी गाजर भी है।' उसके इशारे मुझे समझ आ रहे थे। मैंने कहा, 'नेता तो तुम बन चुके हो गुरु। रंग के आधार पर भेदभाव करना सीख गए हो।' सब्जी वाले ने मेरा मुआयना किया और बोला, 'आप लेखक हैं ना?' मैंने हां में सिर हिलाया। वह बोला, 'सीजन तो दोनों सब्जियों का है पर नारंगी गाजर की सप्लाई कम है। इस वजह से महंगी है। लाल रंग वाली गाजर ले लीजिए, बहुत सस्ती है।' उसने 'लाल रंग' पर और 'सस्ती' पर ज्यादा जोर देते हुए कहा और खीसें निपोर दीं। मैंने खेलने की कोशिश की। 'देखो... सब्जी किसी भी रंग की हो, चुनूंगा मैं उसे हाथ से और तुम भी तौलकर हाथ से ही दोगे।' इसके बाद दोनों ठठाकर हंसे। मैंने शुक्र मनाया, मैं ग्राहक था और वह सब्जीवाला, इसलिए डील हो गई वरना मारपीट हो सकती थी।

एकदा

संकलन : दीनदयाल मुरारका

मैं हूं तुम्हारा बेटा

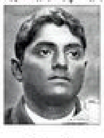

एक बार प्रसिद्ध साहित्यकार रवींद्रनाथ गर्मी की तपती दोपहरी में कलकत्ता की एक सड़क से गुजर रहे थे। अचानक भीड़ देखकर वह आगे बढ़े और दृश्य देखकर ठिठक गए। एक वृद्ध महिला सड़क पर गिर पड़ी थीं। वह अपना बोझ उठाने में असमर्थ थीं। आसपास खड़े लोग सहानुभूति जता रहे थे, पर मदद के लिए कोई आगे नहीं आया था। रवींद्रनाथ ने तुरंत उस महिला को सहारा देकर उठाया और उनका बोझ अपने कंधे पर ले लिया। फिर वह स्नेह से बोले, 'चलो मां, घर चलते हैं।' जब वे उनके घर पहुंचे, तो रवींद्रनाथ ने पूछा, 'क्या आपका कोई नहीं है?' यह सुनते ही महिला फूट-फूटकर रो पड़ीं। उन्होंने बताया कि उनका एकमात्र बेटा महामारी में चल बसा। रवींद्रनाथ ने कहा, 'मां, तुम्हारा बेटा अभी जीवित है। मैं हूं तुम्हारा बेटा।' उन्होंने उस महिला के चरण छुए और कुछ रुपये देते हुए कहा कि अब तुम्हें कोई परेशानी नहीं होगी, बोझ ढोने की जरूरत नहीं। रवींद्रनाथ ने जीवनभर अपना वचन निभाया। जब तक वह वृद्धा जीवित रहीं, उन्होंने उनका भरण-पोषण किया। यह प्रसंग सिखाता है कि सच्ची क्रांति केवल नारों से नहीं, बल्कि करुणा, सेवा और जिम्मेदारी के भाव से जन्म लेती है।

मादुरो को यूं हटाने का क्या असर होगा

आमने-सामने

भारत-रूस-चीन को साथ आना होगा, यही है वेनेज़ुएला प्रकरण का सबक़

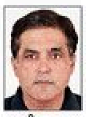

आशीष शुक्ला

आप सुन रहे होंगे कि अब वेनेजुएला का क्या होगा? तो पहले यह सोचिए कि बशर अल असद के बाद सीरिया का क्या हुआ? लीबिया का मुअम्मर गद्दाफी, इराक का सद्दाम हुसैन, वियतनाम का डाइम, पनामा का नोरेगा और ईरान का मोसादेघ (Mossadegh) के बाद क्या हुआ? इनके तख्ते भी तो अमेरिका ने ही पलटे थे।

अमेरिकी दुष्प्रचार । आपको यह भी बताया जा रहा होगा कि निकोलस मादुरो अच्छे व्यक्ति नहीं हैं। नशे के धंधे में सने थे। नार्को-टेररिज्म के सरगना थे। मगर सरगना तो होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति युआन ओरलैंडो हर्नांडेज (Juan Orlando Hernandez) भी हैं, जिन्हें पिछले महीने ही डॉनल्ड ट्रंप ने क्षमादान दिया। हर्नांडेज को अमेरिकी कोर्ट ने 45 साल की सजा सुनाई थी। उन पर 400 टन कोकेन लाने का आरोप था।

ट्रंप की मनमानी । क्या वेनेजुएला से अमेरिका को खतरा था? क्या पकड़े जाने के कुछ घंटे पहले तक मादुरो ट्रंप के सामने गिड़गिड़ा नहीं रहे थे कि वह समझौता चाहते हैं। क्या अमेरिकी कांग्रेस ने इस खतरे को सही मानकर ट्रंप को अनुमति दी? क्या UN ने इसका अनुमोदन किया?

सवाल जो तय करेंगे आगे का घटनाक्रम
- ट्रंप की लिस्ट में अगला नंबर क्या ईरान का है?
- वेनेजुएला की सेना का रुख किस ओर रहता है?
- चीन और रूस के जवाबी कदम पर टिकी है निगाहें

ईरान का पहलू । ट्रंप स्पष्ट कर चुके हैं कि वेनेजुएला को अस्थायी रूप से अमेरिका चलाएगा। दुनिया में वेनेजुएला से ज्यादा तेल किसी और मुल्क के पास नहीं है। अब यह अमेरिका का हो चुका है। इससे चीन के सीने पे सांप लोट रहा है क्योंकि वेनेजुएला का सबसे बड़ा तेल का ग्राहक चीन ही है। ईरान की तो रातों की नींद ही उड़ गई होगी। क्या अगला नंबर उसका है? वेनेजुएला पर यह कार्रवाई इसलिए भी हुई है कि अगर ईरान होरमुज (Hormuz) खाड़ी वाला समुद्री मार्ग बंद करता है तो अमेरिका पर फर्क नहीं पड़ेगा क्योंकि दुनिया में सबसे अधिक तेल भंडार वाला देश अब उसके नियंत्रण में है।

सेना किसके साथ । अब सवाल है कि क्या अमेरिका से वेनेजुएला संभलेगा? अफगानिस्तान तो उससे संभला नहीं। वेनेजुएला का भूगोल भी सपाट नहीं है। गुरिल्ला युद्ध लंबा खिंच सकता है। देखना यह भी होगा कि वेनेजुएला की सेना किस तरफ झुकती है।

भारत पर नजर । भारत का वेनेजुएला से ज्यादा नाता पिछले एक-दो दशक से नहीं रहा है। मगर ऐसे छोटे मुल्कों और ग्लोबल साउथ, जिसके मुखिया बनने का सपना भारत देख रहा है, उनकी नजर हमारे अगले कदम पर होगी। अमेरिका ने वेनेजुएला में अंतरराष्ट्रीय कानून की धज्जियां उड़ा दी हैं। ऐसे में भारत तटस्थ रहकर अपना टैरिफ भले कम करवा ले, लेकिन उस पर भरोसा कम होगा।

पश्चिम एशिया में क्या होगा । जेलेंस्की की अब खैर नहीं। अमेरिका के प्रति रूस का गुस्सा अब यूक्रेन पर निकलेगा। भारत और चीन शायद और करीब आ जाएं। ट्रंप चाहते हैं कि तेल बिके तो अमेरिकी डॉलर में ही बिके। तेल का व्यापार दूसरी मुद्रा में होने लगा तो डॉलर का दबदबा घटेगा और अमेरिका का भी। इसलिए अमेरिका आगे पश्चिम एशिया पर भी नियंत्रण बढ़ाएगा। इस राह में ईरान बाधा है। वह सिर्फ तेल के हिसाब से ही अहम नहीं, भारत, चीन और रूस का व्यापार मार्ग भी है।

संगठन में शक्ति । अमेरिका को जो देश झुका सकता है, उसी के आगे वह झुकता है। यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस ने यही किया। चीन ने जब अमेरिकी टैरिफ के जवाब में जब रेयर अर्थ की सप्लाई बंद करने की धमकी दी तो ट्रंप रास्ते पर आए। भारत 50% टैरिफ झेल रहा है, इसके बावजूद अमेरिका के साथ सौदे की बातचीत चल रही है। मुश्किल ये है कि तीनों देशों के लिए अमेरिका से अलग-थलग होना आसान नहीं है। मगर ब्रिक्स में शामिल इन तीनों देशों को तय करना पड़ेगा कि कल दुनिया में एक महाशक्ति की चले या वह बहुध्रुवीय हो। संगठित होने में ही उनका भला है।

(लेखक जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट हैं)

अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों को अगर शी और पूतिन ने ताक पर रखा तब क्या होगा

अमिताभ सिंह

डॉनल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का अपहरण कर दुनिया को फिर चौंकाया है। यूं तो वेनेजुएला में अमेरिकी दखलंदाजी महीनों पहले शुरू हो गई थी। मगर जिस तेजी से मादुरो को हटाया गया, उसकी कल्पना शायद ही किसी ने की होगी। इस पूरे घटनाक्रम से अंतरराष्ट्रीय बिरादरी सन्न है। संयुक्त राष्ट्र संघ के चीफ एंटोनियो गुटेरेस की प्रवक्ता स्टेफनी डु जैरिक ने कहा, 'वेनेजुएला में जो हुआ है, उससे एक खतरनाक चलन शुरू हो सकता है।'

सबसे बड़ा तेल भंडार । मादुरो को हटाना दक्षिण अमेरिका के लिए निर्णायक घटना है। वेनेजुएला एक बड़ा मुल्क है। वह इस क्षेत्र की सियासत में प्रभाव रखता है। दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार भी यहीं है, सऊदी अरब से कहीं ज्यादा। इसी वजह से अमेरिका ने यह कदम उठाया है। भले ट्रंप कुछ भी बहाना बनाएं। भले वह आरोप लगाएं कि मादुरो 'ड्रग कार्टेल' के मुखिया हैं और उनके देश से अमेरिका में नशीली दवाओं की बड़े पैमाने पर तस्करी होती है।

एडमुन्डो या मरिया । वेनेजुएला के लिए आज सबसे बड़ा सवाल है कि मादुरो के बाद वहां सत्ता किसके पास होगी? यूं तो ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका उसे 'चलाएगा,' लेकिन वास्तविक तस्वीर अभी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह भी नहीं बताया कि मादुरो की जगह कौन लेगा। एडमुन्डो गोंजालेज या मरिया कोरीना मचाडो? मरिया नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित हैं। मादुरो के खिलाफ पिछले चुनाव में पहले प्रत्याशी वही थीं, लेकिन उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी गई थी।

खराब रेकॉर्ड । दक्षिण अमेरिका में इससे पहले 1989 में जॉर्ज बुश ने पनामा के तानाशाह शासक मैनुएल नोरिएगा को पकड़ने के लिए फौज भेजी थी। इतिहास यह भी बताता है कि अक्सर ऐसे अभियान उलटे पड़ते हैं। दक्षिण अमेरिका में अमेरिका ने पहले जब भी सैन्य दखल दिया, वह त्रासदी ही बना। चाहे 1964 में 'Bay of Pigs' हो या 1954 में CIA के समर्थन से ग्वाटेमाला में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार को गिराना। अमेरिका की ऐसी कारस्तानियों से दक्षिण अमेरिका ने दशकों तक गृह युद्ध और अस्थिरता देखी।

उलटा पड़ा था दांव । 1964 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी ने क्यूबा के नेता फिदेल कास्त्रो के तख्तापलट की कोशिश की थी, जिसमें वह नाकाम रहे। उनकी इसी गलती के कारण 1973 में क्यूबन मिसाइल क्राइसिस खड़ा हुआ। फिर 1973 में अमेरिका के समर्थन से चिली में राष्ट्रपति सल्वाडोर अलेंदे हटाए गए। इससे तानाशाह ऑगस्तो पिनोशे सत्ता में आए, जिन्होंने 17 साल तक वहां बर्बर तरीके से राज किया। जहां तक वेनेजुएला की बात है तो 2002 में अमेरिका ने ह्यूगो शावेज को सत्ता से हटाने की कोशिश की थी। मगर यह दांव उलटा पड़ गया था।

अंतरराष्ट्रीय बिरादरी सकते में
- अमेरिकी कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र का समर्थन नहीं
- अतीत में उलटे पड़ चुके हैं US के ऐसे कुछ कदम
- ताइवान को लेकर बढ़ सकती है चीन की आक्रामकता

क़ानून का मजाक । इस बार अमेरिका ने और खतरनाक खेल खेला है। ट्रंप ने जो किया है, वैसा ही अगर चीन और रूस अपने दुश्मनों के विरुद्ध करें तो क्या होगा? ऐसी हरकतें अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों का मजाक बनाती हैं। जॉर्ज बुश ने जब इराक पर हमला किया था तो उसे अंतरराष्ट्रीय क़ानूनों के लिए बड़ा झटका माना गया था, जबकि तब अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का समर्थन हासिल करने की कोशिश की थी। इस बार तो ट्रंप और उनकी टीम ने इसकी जहमत तक नहीं उठाई। न ही अपनी संसद की अनुमति ली।

ट्रंप ने तोड़ा वादा । दूसरी बार सत्ता में आए डॉनल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान अंतहीन युद्धों का सिलसिला खत्म करने की बात कही थी। मगर वेनेजुएला में उन्होंने ये वादे तोड़ दिए हैं। बहरहाल, आगे अमेरिका का विरोध दुनिया में किस हद तक बढ़ता है, वह इस पर निर्भर करेगा कि उसका अगला कदम क्या होता है।

(लेखक JNU के स्कूल ऑफ इंटरनैशनल स्टडीज में असोसिएट प्रफेसर हैं)

गिरकर भी फ़ायदे में रहा बाज़ार

टैरिफ, वैश्विक अनिश्चितता, पाकिस्तान से तनाव और रुपये में कमजोरी के बीच भी पिछले एक साल में भारतीय शेयर बाजार ने संतुलित प्रदर्शन किया। सेंसेक्स में 9% और निफ्टी में 11% की तेजी आई। बाजार में निवेश करने वाले 16% बढ़े।

डेटा Window

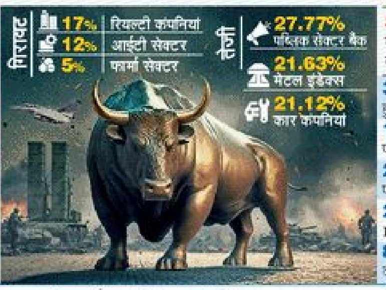

- **30.20** लाख करोड़ बढ़ी निवेशकों की संपत्ति
- **6,713.19** अंक साल भर में चढ़ा सेंसेक्स
- **2,386.7** अंक पूरे साल में मजबूत हुई निफ्टी
- **33 लाख** करोड़ बढ़ा BSE लिस्टेड कंपनियों का MCAP
- **1.6 लाख** करोड़ रुपये विदेशी निवेशकों ने निकाले
- **365** IPO लॉन्च हुए एक साल में
- **106** IPO मेनबोर्ड पर लिस्ट हुए
- **259** IPO sme प्लैटफॉर्म पर आए
- **2** लाख करोड़ IPO से जुटाए
- **80.8** लाख करोड़ के हुए MF

सेंसेक्स सबसे नीचे
71,425.01 अंक 7 अप्रैल को

सेंसेक्स सबसे ऊपर
86,159.02 अंक 1 दिसंबर को

जनता जंक्शन — इरफान

हमने कैपिटलिज़म की क्या क़ीमत चुकाई

मृत्युंजय राय

आज जब पारंपरिक पूंजीवाद (कैपिटलिजम) के खत्म होने के दावे किए जा रहे हैं। ग्रीस के अर्थशास्त्री, राजनेता और पूर्व वित्त मंत्री रहे यानिस वरौफाकिस जैसे एक्सपर्ट्स टेक्नोफ्यूडलिजम के दौर की बात कर रहे हैं, ऐसे में इसके इतिहास पर नजर डालना दिलचस्प होगा।

व्यापारियों का नेटवर्क । 'Capitalism: A Global History' में स्वेन बेकर्ट (Sven Beckert) रीडर्स को इसी रोमांचक यात्रा पर ले जाते हैं। वह लिखते हैं कि किस तरह कैपिटलिजम व्यापारियों के नेटवर्क से शुरू हुआ और समूची दुनिया में फैलता गया। इसे किस तरह से सत्ता का संरक्षण मिला। बंधुआ-जबरिया मजदूरी से कैसे इसका विस्तार हुआ। फिर किस तरह से औद्योगिक क्रांति ने इसकी रफ्तार कई गुना तेज कर दी।

पॉलिटिकल प्रॉजेक्ट । स्वेन की किताब की अच्छी बात है कि यह कैपिटलिजम के अच्छे-खराब पहलुओं से वाकिफ कराती है। वह बताते हैं कि दुनिया में कई पॉजिटिव बदलाव को इसने जन्म दिया, लेकिन यह हिंसा और आर्थिक असमानता का जरिया भी बना। स्वेन पूंजीवाद की गलतफहमियों को भी दूर करते हैं। वह लिखते हैं कि इसमें नैचरल मार्केट की जो तस्वीर पेश की जाती है, वह किस तरह से झूठी है। स्वेन दावा करते हैं कि असल में कैपिटलिजम एक पॉलिटिकल प्रॉजेक्ट रहा है, जिसने समूची दुनिया को बदला है।

व्यापारिक शहर । इस किताब में एक सदी की कहानी बयां की गई है। इसकी शुरुआत प्राचीन व्यापारिक समुदायों से होती है, जो काहिरा, मध्य एशिया और चीन के व्यापारिक शहरों में बसे हुए थे। फिर मध्ययुग ने इसमें जो भूमिका निभाई, उसका भी जिक्र है। किताब के आखिर में स्वेन ने 21वीं सदी के ग्लोबल ट्रेंड्स की बात की है और सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया है।

प्लांटेशन इकॉनमी । स्वेन लिखते हैं कि कैपिटलिजम का जन्म एक जगह नहीं हुआ। इसने दूरदराज के व्यापारिक केंद्रों, उपनिवेशों और प्लांटेशंस में अपना रूप गढ़ा। वह बताते हैं कि कैसे पूंजी के जाल ने इन सबको जोड़ा। शुरुआती मर्चेंट कैपिटलिजम और फाइनैंशल इनोवेशन के बारे में वह लिखते हैं कि किस तरह से बंधुआ-जबरिया मजदूरी की प्लांटेशन इकॉनमी (जैसे, कैरेबियाई द्वीप समूह के कई देशों, मॉरीशस, फिजी आदि) में भूमिका रही।

विचार विंडो

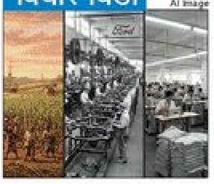

AI image

कैपिटलिजम का स्वर्णयुग । साम्राज्यों के दौर ने कैपिटलिजम को किस तरह से प्रभावित किया। आज के पूंजीवाद को वह मैनेज्ड (प्रबंधित) बताते हैं। वह लिखते हैं कि आज हम कैपिटलिजम का स्वर्णयुग देख रहे हैं। उन्होंने पूंजीवाद के अलग-अलग चरणों को समझाने के लिए कई उदाहरण भी किताब में दिए हैं। इसमें कैरेबियाई देशों के उन द्वीपों के बारे में बताया गया है, जहां बड़े पैमाने पर गन्ने की खेती कर चीनी बनाई जाने लगी। इसमें अमेरिका के डेट्रॉयट (ऑटो इंडस्ट्री के लिए कभी मशहूर रहे) के फैक्ट्री फ्लोर्स का भी जिक्र है। दक्षिणपूर्व एशिया में आज जो गारमेंट बिजनेस चल रहा है, उसका उदाहरण भी मिलता है।

औद्योगिक क्रांति । स्वेन लिखते हैं कि मॉडर्न कैपिटलिजम की हमेशा सत्ता ने मदद की है, भले ही उसका रूप लोकतांत्रिक हो या निरंकुश। इस सिलसिले में वह प्रॉपर्टी राइट्स, निवेशकों के हितों की रक्षा और कभी-कभार श्रमिकों को दबाने के लिए सत्ता के इस्तेमाल का जिक्र करते हैं। वह लिखते हैं कि गुलामों, उपनिवेशों का इस्तेमाल और स्थानीय लोगों को हटाकर उनकी जमीन हथियाकर पूंजी इकट्ठा की गई, जिससे औद्योगिक क्रांति का रास्ता बना।

आलोचकों की राय । इस किताब के केंद्र में यह बात है कि कैपिटलिजम शुरू से ही सत्ता केंद्रित प्रॉजेक्ट रहा। यह दमन का जरिया बना और इसने समाज में आर्थिक असमानता बढ़ाई। इस किताब के आलोचकों का कहना है कि स्वेन ने कैपिटलिजम की ग्रोथ, इनोवेशन और लिविंग स्टैंडर्ड में सुधार जैसे पहलुओं पर बहुत जोर नहीं दिया है। उनका ध्यान इसकी खामियों पर ही रहा है। फिर भी, यह किताब इस विषय और इसकी लंबी यात्रा को समझने के लिए काफी काम की हो सकती है। उनका ध्यान इसकी खामियों पर ही रहा है। फिर भी, यह किताब इस विषय और इसकी लंबी यात्रा को समझने के लिए काफी काम की हो सकती है।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

'थोड़ा और' के लालच से शुरू होता है पतन

संजय तेवतिया

मानव जीवन में सद्गुण और अवगुण - दोनों साथ-साथ चलते हैं। यह पूरी तरह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम किस दिशा में आगे बढ़ते हैं। इन्हीं अवगुणों में से एक है लालच, जो मनुष्य को धीरे-धीरे भीतर से खोखला करता चला जाता है।

लालच आरंभ में छोटा और साधारण लगता है, लेकिन समय के साथ यह गहरा और व्यापक होकर व्यक्ति के चरित्र, विचार और कर्म पर पूरी तरह हावी हो जाता है। इसकी सबसे खतरनाक विशेषता है कि यह कभी तृप्त नहीं होता। जैसे आग में घी डालने से वह और भड़कती है, वैसे ही मनुष्य जितना लोभ को पोषित करता है, वह उतना ही बढ़ता जाता है। व्यक्ति सोचता है- 'थोड़ा और मिल जाए, तो संतोष हो जाएगा', लेकिन यह 'थोड़ा और' जीवनभर पीछा नहीं छोड़ता। यहीं से पतन की शुरुआत होती है।

लोभ केवल धन या भौतिक वस्तुओं तक सीमित नहीं है। यह मान-सम्मान, शक्ति, पद, प्रशंसा और इच्छाओं के अनेक रूपों में प्रकट होता है। आध्यात्मिक दृष्टि से लालच वह अवस्था है, जहां मनुष्य अपने पास जो है, उसमें संतोष नहीं पाता और बाहरी वस्तुओं में सुख खोजने लगता है। जबकि सच्चा आनंद वस्तुओं में नहीं, बल्कि मन की शांति और संतोष में निहित है। जब मनुष्य यह सत्य भूल जाता है, तब लालसा उसका विवेक ढकने लगती है।

लालच का एक और रूप है - भय। जितना अधिक मनुष्य पाता है, उतना ही खोने का डर उसे सताने लगता है। यह भय उसकी शांति, सहजता और संतुलन छीन लेता है।

फटाफट खबरें

जस्टिस मुश्ताक बने सिक्किम HC के CJ

■ भाषा, गंगटोक: जस्टिस ए. मोहम्मद मुश्ताक ने रविवार को सिक्किम हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली। जस्टिस मुश्ताक सिक्किम हाई कोर्ट के 24वें चीफ जस्टिस बने। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अपने मंत्रिपरिषद और सीनियर अधिकारियों के साथ इस मौके पर मौजूद रहे। जस्टिस मुश्ताक ने जस्टिस विश्वनाथ सोमद्दर की जगह ली, जो हाल में रिटायर हुए हैं।

'बेल्लारी केस CID को देने पर विचार'

■ भाषा, बेंगलुरु: कर्नाटक सरकार बेल्लारी में हुई हिंसक झड़प की जांच अपराध जांच विभाग (सीआईडी) को सौंपने पर विचार कर रही है। गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बताया कि विधायक नारा भरत रेड्डी और जी जनार्दन रेड्डी के समर्थकों के बीच बैनर को लेकर झड़प हुई, जिसमें कांग्रेस के कार्यकर्ता की मौत हो गई। गोली किस बंदूक से चली, यह फरेंसिक जांच रिपोर्ट तय करेगी।

'सिस्टम की नाकामी से इंदौर में हुई मौतें'

■ पीटीआई, इंदौर: इंदौर में गंदे पानी से कई लोगों की मौत पर फेमस जल संरक्षण ऐक्सपर्ट राजेंद्र सिंह ने चिंता जताई है। उन्होंने इसे सिस्टम की बनाई हुई आपदा बताया और कहा कि इसके पीछे गहरी भ्रष्टाचार की समस्या है। मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह ने कहा कि अगर देश के सबसे साफ शहर इंदौर में ऐसा हो सकता है, तो बाकी शहरों की स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

IRCTC केस में आज सुनवाई संभव

■ भाषा, नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट IRCTC घोटाला मामले में आरजेडी नेता लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सोमवार को सुनवाई कर सकता है। याचिका में लालू, उनकी पत्नी राबड़ी, तेजस्वी यादव सहित 11 अन्य के खिलाफ आरोप तय किए जाने संबंधित विशेष अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ने इस आदेश को हाल में चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया था।

अंकिता केस में CBI जांच की मांग

देहरादून से दिल्ली तक बड़े पैमाने पर प्रदर्शन, 11 को उत्तराखंड बंद का ऐलान

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

अंकिता भंडारी केस में 'वीआईपी' का नाम सामने आने के बाद न्याय की मांग ने नए सिरे से तूल पकड़ा। सामाजिक संगठनों और कांग्रेस ने रविवार को कोर्ट की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर बड़े स्तर पर प्रदर्शन हुआ। कार्यकर्ताओं ने देहरादून में मुख्यमंत्री आवास तक जाने की कोशिश की। इधर दिल्ली के जंतर मंतर पर भी मामले में न्याय की मांग पर प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटे। इस मुद्दे को लेकर 11 जनवरी को उत्तराखंड बंद का ऐलान किया गया है। इसके अलावा आने वाले दिनों में मशाल जुलूस और प्रदर्शन का सिलसिला भी जारी रहेगा।

कार्यकर्ताओं ने उत्तराखंड में बीजेपी सरकार पर हत्याकांड में कथित तौर पर शामिल नेताओं को बचाने की कोशिश का आरोप लगाया। इस मामले में सबूतों को नष्ट करने वालों पर भी कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन में कांग्रेस, उत्तराखंड क्रांति दल, सीपीआई, बेरोजगार संघ, उत्तराखंड मूल निवास भू कानून संघर्ष समिति, राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी, गढ़वाल सभा महिला मंच और अलग-अलग सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए। हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी रविवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में इकट्ठे हुए। इसके बाद मुख्यमंत्री आवास कूच कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने रास्ते में बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया।

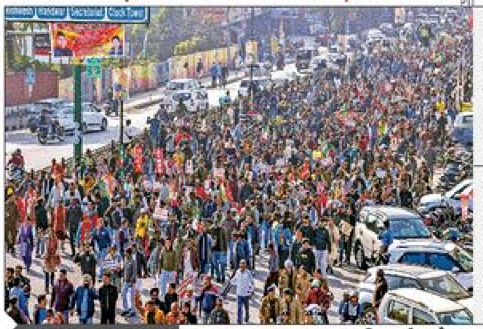

PTI

हजारों लोग रविवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में जुटे और न्याय की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने देहरादून में मुख्यमंत्री आवास तक जाने की कोशिश की।

उत्तराखंड BJP अध्यक्ष को दिखाए काले झंडे

प्रदर्शनकारी और कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार को घेरते हुए कोटद्वार पहुंचे। वहां उन्होंने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट काले झंडे दिखाकर विरोध दर्ज कराया। विरोध देख पुलिस बल ने स्थिति को संभाला। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि बीजेपी के पूर्व विधायक की पत्नी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में प्रदेश अध्यक्ष का भी नाम लिया है।

जंतर-मंतर पर भी जुटे सैकड़ों लोग

Surender Kumar

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर जंतर-मंतर पर रविवार को भी प्रदर्शन हुआ। इसमें बड़ी संख्या में लोग जुटे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक परिवार की नहीं, बल्कि हर बेटी के सम्मान और न्याय की है। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। लोगों ने हत्याकांड में शामिल सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि राज्य सरकार प्रभावशाली लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है और जांच को प्रभावित किया जा रहा है।

2022 का है मामला

अंकिता भंडारी (19) वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के रूप में काम करती थी। 18 सितंबर 2022 को वह अचानक लापता हो गई। कुछ दिनों बाद उनका शव चिला कैनाल से बरामद हुआ। रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और दो कर्मचारियों को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई। उन्हें हत्या, सबूत मिटाने और अन्य गंभीर आरोपों के तहत सजा मिली। कोर्ट ने अंकिता के परिवार को मुआवजा भी देने का आदेश दिया। हाल में अंकिता केस में सोशल मीडिया और कुछ विडियो/ऑडियो क्लिप की वजह से 'वीआईपी' का नाम चर्चा में आया। हालांकि पुलिस ने ऐसे किसी शख्स की भूमिका से इनकार किया है। उर्मिला सनावर नाम की महिला ने ये क्लिप शेयर किए थे, जिनमें एक शख्स को 'गट्टू' नाम से बताया गया। इसके बाद बड़े नेता यानी 'VIP' का नाम सामने आया। आरोप लगा कि 'VIP' बीजेपी का एक सीनियर नेता है।

फ्लाइट में पावर बैंक सिर्फ हैंड बैग में ले जा सकेंगे

FILE

■ NBT रिपोर्ट

फ्लाइट में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए पावर बैंक से जुड़े नियम सख्त कर दिए गए हैं। अब विमान के अंदर पावर बैंक से मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चार्ज करना मना कर दिया गया है। इसके अलावा, सीट में लगे पावर सॉकेट से पावर बैंक को चार्ज करने की भी अनुमति नहीं होगी। पावर बैंक और अतिरिक्त बैटरियां केवल हैंडबैग में रखने की इजाजत होगी। इन्हें ओवरहेड बिन में रखने पर भी रोक लगा दी गई है।

लिथियम बैटरी में आग लगने की घटनाओं पर हुआ फैसला

TOI के अनुसार, यह फैसला उड़ान के दौरान लिथियम बैटरियों में आग लगने की घटनाओं पर हुआ। हाल ही में इंडिगो फ्लाइट में आग की घटना के बाद इस पर विचार किया गया। विमानन महानिदेशालय (DGCA) ने यात्रियों और क्रू द्वारा ले जाए जाने वाले लिथियम बैटरी वाले उपकरणों से होने वाले खतरे को कम करने के लिए 'डेंजरस गुड्स एडवाइजरी सर्कुलर' जारी किया है।

DGCA ने एयरलाइनों को निर्देश दिया कि वे फ्लाइट के दौरान इन नए नियमों की घोषणा करें। नियमों के अनुसार, अगर किसी भी डिवाइस से गर्मी, धुआं या अजीब गंध आती है, तो यात्री को तुरंत केबिन क्रू को जानकारी देनी होगी। एयरलाइनों को लिथियम बैटरी से जुड़ी हर सुरक्षा घटना की रिपोर्ट तुरंत DGCA को देनी होगी। विमानन विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अब "एक यात्री, एक हैंडबैग" के नियम को सख्ती से लागू करना जरूरी है। अक्सर ओवरहेड बिन भर जाने पर एयरलाइंस यात्रियों के हैंडबैग गेट पर लेकर विमान के बैगेज होल्ड में रख देती है।

जम्मू-कश्मीर में VPN पर रोक

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

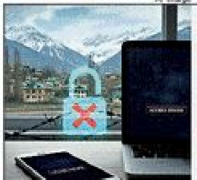

AI Image

■ जांच की जा रही है कि इनमें से किस ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और तुर्किए समेत अन्य देशों में बात करने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया।

■ कश्मीर के सभी जिलों में वीपीएन पर रोक पूरी तरह लागू है। जम्मू में अभी कुछ ही जिलों में रोक लगाई गई है।

■ **नई दिल्ली :** जम्मू-कश्मीर में कश्मीर के सभी जिलों और जम्मू के कुछ जिलों में स्थानीय प्रशासन ने लोगों पर वीपीएन एप्लीकेशन इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। कुछ दिन पहले किए गए इस ऑर्डर के बाद से लगातार ऐसे कई मामले जम्मू-कश्मीर पुलिस के सामने आ रहे हैं। जहां कुछ स्थानीय कश्मीरियों ने वीपीएन का इस्तेमाल किया है। इस तरह के मामलों में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने ऐसे ही 700 से अधिक सस्पेक्टेड लोगों की लिस्ट तैयार की है। जिन्होंने वीपीएन पर रोक लगाए जाने के बाद भी इसका इस्तेमाल किया।

जांच की जा रही है कि क्या इनमें से किसी ने पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और तुर्किए समेत कौन-कौन से देशों में बात करने के लिए वीपीएन का इस्तेमाल किया। जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वीपीएन पर नए साल से पहले 29 दिसंबर से अलग-अलग जिलों के हिसाब से अलग-अलग दिन प्रतिबंध लगने शुरू किए गए। मौजूदा समय में कश्मीर के सभी जिलों में वीपीएन इस्तेमाल पर रोक है। जम्मू में अभी कुछ ही जिलों में यह रोक लगाई गई है। इसके बारे में लोगों को लगातार बताया भी जा रहा है कि वह किसी भी सूरत में एक-दूसरे से बातचीत या अन्य किसी संचार के लिए वीपीएन एप्लीकेशन का इस्तेमाल ना करें।

VPN से आतंकी तार का शक: यह इसलिए जरूरी हो रहा है क्योंकि, शक है कि कुछ स्थानीय लोग अपनी पहचान छिपाते हुए वीपीएन का इस्तेमाल देश के खिलाफ कर सकते हैं। इनमें घुसपैठ कर चुके कुछ पाकिस्तानी आतंकी भी शामिल हो सकते हैं।

केरल में विपक्ष के नेता पर CBI जांच कराएगी सरकार

■ **आईएएनएस, तिरुवनंतपुरम:** केरल सरकार ने विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन के खिलाफ सीबीआई जांच की सिफारिश की है। केरल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इससे तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं।

पुनर्वास प्रोजेक्ट में विदेशी फंड में कथित गड़बड़ियों से जुड़ा है मामला

सतीशन पर 2018 की बाढ़ के बाद परवूर विधानसभा क्षेत्र में लागू किए गए पुनर्वास प्रोजेक्ट में विदेशी फंड में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। विजिलेंस और ऐंटी-करप्शन ब्यूरो ने एक साल पहले सुझाव दिया था कि केस दर्ज करने के लिए पहली नजर में कोई मामला नहीं बनता है, लेकिन विदेशी फंड जुटाने और उसके इस्तेमाल के मुद्दे की जांच सीबीआई कर सकती है।

कांग्रेस को ग्राम, काम और राम से परेशानी: चौहान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को यहां कहा कि विकसित भारत-G RAM G योजना पर कांग्रेस लोगों को गुमराह कर रही है। कांग्रेस जिस मनरेगा बचाओ संग्राम की बात कर रही है, वह 'भ्रष्टाचार बचाओ संग्राम है'। चौहान ने कहा कि मनरेगा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गई थी और मोदी सरकार ने जो योजना तैयार की है, इसमें मजदूरों, किसानों और गांवों के हित सुरक्षित रहेंगे।

योजना के बारे में जनता को सच्चाई बताने के लिए बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन जल्द एक कार्यक्रम की घोषणा करेंगे। चौहान ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को निशाने पर लेते हुए कहा कि लोकसभा में कांग्रेस ने अपनी सारी बातें कहीं, लेकिन मेरी आवाज दबाने की कोशिश की गई।

File

कृषि मंत्री ने कहा- मनरेगा भ्रष्टाचार का दूसरा नाम बन गई थी।

थाइलैंड में भारतीय टूरिस्ट की पिटाई

■ **NBT रिपोर्ट:** थाइलैंड में ट्रांसजेंडर्स ने एक भारतीय टूरिस्ट को कथित तौर पर पीटा। जानकारी के अनुसार, पैसों को लेकर विवाद होने के बाद मामला आगे बढ़ गया। TOI के अनुसार, मामला 27 दिसंबर का है। घटना का एक विडियो भी वायरल है। टूरिस्ट की उम्र 52 साल बताई जा रही है। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहां मौजूद एक शख्स ने बताया, टूरिस्ट और ट्रांस सेक्स वर्कर के बीच पैसों को लेकर बहस हुई। कुछ देर बाद उन्होंने अपने दोस्तों को बुला लिया और टूरिस्ट की पिटाई कर दी। थाई अधिकारियों ने कहा, टूरिस्ट के पूरी तरह ठीक होने के बाद शिकायत करने को कहा जाएगा, इसके बाद मामले की जांच की जाएगी।

ओडिशा में अवैध खदान में पत्थर गिरा, दो की जान गई

भाषा, भुवनेश्वर: ओडिशा के ढेंकनाल जिले में पत्थर की एक अवैध खदान में चट्टान गिरने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि यह घटना शनिवार शाम को उस समय की है जब कुछ मजदूर पत्थरों की खुदाई और उन्हें निकालने का काम कर रहे थे। जिलाधिकारी आशीष ईश्वर पाटिल ने कहा, खदान में विस्फोट की अनुमति सितंबर में समाप्त हो चुकी थी, जबकि खदान की पट्टा अवधि दिसंबर 2025 में समाप्त हो गई थी।

PTI

सार्वजनिक सूचना

यह सार्वजनिक सूचना आम जनता की जानकारी के लिए है कि हमारे मुवक्किल ने **सेक्टर 86, गुरुग्राम, हरियाणा में स्थित मेसर्स इंटरनेशनल ग्रीन स्केप्स लिमिटेड (पूर्व में मेसर्स इंटरनेशनल डायमर्स लिमिटेड)** ("उक्त स्वामी") के स्वामित्व वाली निम्नलिखित सन्निहित भूमि के संबंध में एक लेनदेन में प्रवेश कर रहे हैं: (i) आयत क्रमांक (i) **Rectangle No-** 28//6/2 (3–4), 7 (8–0), 8/1 (4–0), 8/2/1 (2–17), 8/2/2 (0–2), 9 (7–15), 10/1 (6–15), 11 (2–18), 12 (8–0), 13/1 (4–0), 13/2 (4–0), 14/1 (4–0), 15/2/1 (2–12), 16/1 (7–0), 17/1 (3–12), 17/2/1 (0–16), 17/2/2 (3–12), 18/1 (4–0), 18/2 (4–0), 19 (8–16), 22 (2–2), 23/1 (4–0), 23/2 (4–0), 24/1 (4–8), 24/2 (3–12), 25/1 (7–0), 26 (1–5); और **Rectangle No-** 33//3 (6–4), 4/1 (4–0), 5/1/1 (6–0), 6/2/2 (2–10), 7/4 (4–0), 8 (2–8), 14/2 (5–9), 15/1 (7–0), 16/1/1 (1–7), 17 (0–18), **गांव नवादा फतेहपुर, तहसील और जिला गुरुग्राम, हरियाणा;** और (ii) **Rectangle No-** 3//4/4 (3–11), 5 (0–14), 6/1 (2–0), 6/2/1 (1–19), **गांव नाहरपुर कैंसन, तहसील मानेसर, जिला गुरुग्राम, हरियाणा ("उक्त भूमि")**

यदि कोई व्यक्ति द्वारा उक्त स्वामी या उक्त भूमि या उसके किसी भाग के विरुद्ध या उसके संबंध में किसी भी तरीके से कोई दावा, हित, अधिकार, हक, शीर्षक, मांग, संपदा हित का दावा करना या रखना, जिसमें बिक्री, उपहार, विनिमय, विक्रय अनुबंध, शेयर खरीद अनुबंध, उक्त भूमि में हिस्सेदारी सहित अधिकार या हित, बंधक, गिरवी, किराये पर देना, पट्टा, किरायेदारी, ग्रहणाधिकार, प्रभार, दृष्टिबंधक, रखरखाव, लाइसेंस, कब्जा, आंशिक कब्जा, सुखभोगाधिकार शामिल है या उक्त भूमि या उसके किसी भाग को हस्तांतरित करने या उक्त भूमि में लाभकारी हित के हस्तांतरण या किसी अन्य समझौते या व्यवस्था के संबंध में मूल अधिकार विलेख, ट्रस्ट, वसीयत, असाइनमेंट या प्रतिकूल दावा रखने वाले, उक्त भूमि या उसके किसी भाग को हस्तांतरित करने या उक्त भूमि में लाभकारी हित के हस्तांतरण या किसी अन्य समझौते या व्यवस्था के संबंध में, जिसका प्रभाव उनके पक्ष में या पूर्वोक्त में से किसी या किसी अन्य निपटान या किसी डिक्री, आदेश या पंचाट के तहत अधिकार प्रदान करने या निहित करने का हो, या किसी भी तरह से दावा करने वाले से अपेक्षित है कि वे अपने दावों, हितों, अधिकारों, हकों, शीर्षक या मांगों का समर्थन करने वाले सभी दस्तावेजों के साथ इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 14 (चौदह) दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को सूचित करें। ऐसा न करने पर यह माना जाएगा कि ऐसे दावेदारों ने उक्त भूमि में और उक्त मालिक के खिलाफ अपने दावों और मांगों को त्याग दिया है या माफ कर दिया है और इस पर कोई दावा या मांग मौजूद नहीं है और उक्त मालिक उक्त भूमि और उसके प्रत्येक भाग के साथ उस तरीके से व्यवहार करने के लिए स्वतंत्र है, जैसा वे उचित समझें।

आशीष वत्स
KkL PARTNERS
P-3, South Extension - 2, New Delhi – 110049, India
M: +91-9899282553 E: aashish@kklpartners.in

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग
मुनि माया राम मार्ग, पीतमपुरा, दिल्ली-110034
सचिवालय शाखा

भर्ती सूचना

कला महाविद्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार के प्राचार्य के पद को वेतन मैट्रिक्स में स्तर 14 पर प्रवेश वेतन रुपये 1,44,200/- और 6,750/- प्रति माह रुपये के विशेष भत्ते के साथ प्रतिनियुक्ति (लघु अवधि अनुबंध सहित) पर भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पात्रता मानदंड (शैक्षिक योग्यता, अनुभव, आदि) और आवेदन पत्र (अनुबंध- 1) प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार की वेबसाइट यानी https://tte.delhi.gov.in पर उपलब्ध हैं।

पात्र अभ्यर्थी के आवेदन सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ उप निदेशक (एस. बी.), प्रशिक्षण और तकनीकी शिक्षा विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार, मुनि माया राम मार्ग, पीतमपुरा, दिल्ली - 110034 को "रोजगार समाचार" में इस मद के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर उचित माध्यम से पहुंचना चाहिए।

(अंजलि सहरावत, भा. प्र. से.)

DIP/Shabdarth/Classified/0391/25-26

भारत की आत्मशक्ति का दिव्य रूप है सोमनाथ

1000 साल पहले जनवरी 1026 में महमूद गज़नवी ने किया था इस मंदिर पर पहला आक्रमण

नरेन्द्र मोदी,
प्रधानमंत्री

सोमनाथ... ये शब्द सुनते ही हमारे मन और हृदय में गर्व और आस्था की भावना भर जाती है। भारत के पश्चिमी तट पर गुजरात में, प्रभास पाटन नाम की जगह पर स्थित सोमनाथ, भारत की आत्मा का शाश्वत प्रस्तुतिकरण है। द्वादश ज्योतिर्लिंग स्तोत्रम में भारत के 12 ज्योतिर्लिंगों का उल्लेख है। ज्योतिर्लिंगों का वर्णन इस पंक्ति से शुरू होता है, 'सौराष्ट्रे सोमनाथं च...' यानी ज्योतिर्लिंगों में सबसे पहले सोमनाथ का उल्लेख आता है। ये इस पवित्र धाम की सभ्यतागत और आध्यात्मिक महत्ता का प्रतीक है। शास्त्रों में ये भी कहा गया है:

'सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं
मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥'

अर्थात्, सोमनाथ शिवलिंग के दर्शन से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है। मन में जो भी पुण्य कामनाएं होती हैं, वो पूरी होती हैं और मृत्यु के बाद आत्मा स्वर्ग को प्राप्त होती है।

विदेशी हमलों का निशाना : दुर्भाग्यवश, यही सोमनाथ, जो करोड़ों लोगों की श्रद्धा और प्रार्थनाओं का केंद्र था, विदेशी आक्रमणकारियों का निशाना बना, जिनका उद्देश्य विध्वंस था। वर्ष 2026 सोमनाथ मंदिर के लिए बहुत महत्व रखता है, क्योंकि इस महान तीर्थ पर हुए पहले आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। जनवरी 1026 में महमूद गजनवी ने इस मंदिर पर बड़ा आक्रमण किया था, इस मंदिर को ध्वस्त कर दिया था। यह आक्रमण आस्था और सभ्यता के एक महान प्रतीक को नष्ट करने के उद्देश्य से किया गया एक हिंसक और बर्बर प्रयास था।

सोमनाथ मंदिर पर हमला मानव इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल है। फिर भी, एक हजार वर्ष बाद आज भी यह मंदिर पूरे गौरव के साथ खड़ा है। साल 1026 के बाद समय-समय पर इस मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनर्निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 साल पूरे होने का भी वर्ष है। 11 मई 1951 को इस मंदिर का पुनर्निर्माण संपन्न हुआ था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में हुआ वो समारोह ऐतिहासिक था, जब मंदिर के द्वार दर्शनों के लिए खोले गए थे।

1026 में सोमनाथ पर हुए पहले विदेशी आक्रमण, वहां के लोगों के साथ की गई क्रूरता और विध्वंस का वर्णन अनेक ऐतिहासिक स्रोतों में विस्तार से मिलता है। जब इन्हें पढ़ा जाता है तो हृदय कांप उठता है। हर पंक्ति में क्रूरता के निशान मिलते हैं, ये ऐसा दुःख है, जिसकी पीड़ा इतने समय बाद भी महसूस होती है। हम कल्पना कर सकते हैं कि इसका उस दौर में भारत पर और लोगों के मनोबल पर कितना गहरा प्रभाव पड़ा होगा। सोमनाथ मंदिर का आध्यात्मिक महत्व बहुत ज्यादा था। ये बड़ी संख्या में लोगों को अपनी ओर खींचता था। ये एक ऐसे समाज की प्रेरणा था, जिसकी आर्थिक क्षमता भी बहुत सशक्त थी। हमारे समुद्री व्यापारी और नाविक इसके वैभव की कथाएं दूर-दूर तक ले जाते थे।

सोमनाथ मंदिर पर हमले और गुलामी के लंबे कालखंड के बावजूद आज मैं पूरे विश्वास के साथ और गर्व से कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की गाथा विध्वंस की कहानी नहीं है। ये पिछले 1000 साल से चली आ रही भारत माता की करोड़ों संतानों के स्वाभिमान की गाथा है, ये हम भारत के लोगों की अटूट आस्था की गाथा है। 1026 में शुरू हुई मध्यकालीन बर्बरता ने आगे चलकर दूसरों को भी बार-बार सोमनाथ पर आक्रमण करने के लिए प्रेरित किया। यह हमारे लोगों और हमारी संस्कृति को गुलाम बनाने का प्रयास था। लेकिन, हर बार जब मंदिर पर आक्रमण हुआ, तब हमारे पास ऐसे महान पुरुष और महिलाएं भी थीं, जिन्होंने उसकी रक्षा के लिए खड़े होकर सर्वोच्च बलिदान दिया। और हर बार, पीढ़ी दर पीढ़ी, हमारी महान सभ्यता के लोगों ने खुद को संभाला, मंदिर को फिर से खड़ा किया और उसे पुनः जीवंत किया।

महमूद गजनवी लूटकर चला गया, लेकिन सोमनाथ के प्रति हमारी भावना को हमसे छीन नहीं सका। सोमनाथ से जुड़ी हमारी आस्था, हमारा विश्वास और प्रबल हुआ। उसकी आत्मा लाखों श्रद्धालुओं के भीतर सांस लेती रही। साल 1026 के हजार साल बाद आज 2026 में भी सोमनाथ मंदिर दुनिया को संदेश दे रहा है कि मिटाने की मानसिकता रखने वाले खत्म हो जाते हैं, जबकि सोमनाथ मंदिर आज हमारे विश्वास का मजबूत आधार बनकर खड़ा है। वो आज भी हमारी प्रेरणा का स्रोत है, वो आज भी हमारी शक्ति का पुंज है।

ये हमारा सौभाग्य है कि हमने उस धरती पर जीवन पाया है, जिसने देवी अहिल्याबाई होलकर जैसी महान विभूति को जन्म दिया। उन्होंने ये सुनिश्चित करने का पुण्य प्रयास किया कि श्रद्धालु सोमनाथ में पूजा कर सकें।

1890 के दशक में स्वामी विवेकानंद भी सोमनाथ आए थे, वो अनुभव उन्हें भीतर तक आंदोलित कर गया। 1897 में चेन्नै में दिए गए एक व्याख्यान के दौरान उन्होंने अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'दक्षिण भारत के प्राचीन मंदिर और गुजरात के सोमनाथ जैसे मंदिर आपको ज्ञान के अनगिनत पाठ सिखाएंगे। ये आपको किसी भी संख्या में पढ़ी गई पुस्तकों से अधिक हमारी सभ्यता की गहरी समझ देंगे। इन मंदिरों पर सैकड़ों आक्रमणों के निशान हैं, और सैकड़ों बार इनका पुनर्जागरण हुआ है। ये बार बार नष्ट किए गए, और हर बार अपने ही खंडहरों से फिर खड़े हुए। पहले की तरह सशक्त। पहले की तरह जीवंत। यही राष्ट्रीय मन है, यही राष्ट्रीय जीवन धारा है। इसका अनुसरण आपको गौरव से भर देता है। इसको छोड़ देने का मतलब है, मृत्यु। इससे अलग हो जाने पर विनाश ही होगा।'

ये सर्वविदित है कि आजादी के बाद सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का पवित्र दायित्व सरदार वल्लभभाई पटेल के सक्षम हाथों में आया। उन्होंने आगे बढ़कर इस दायित्व के लिए कदम बढ़ाया। 1947 में दिवाली के समय उनकी सोमनाथ यात्रा हुई। उस यात्रा के अनुभव ने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया, उसी समय उन्होंने घोषणा की कि यहीं सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण होगा। अंततः 11 मई 1951 को सोमनाथ में भव्य मंदिर के द्वार श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए।

उस अवसर पर तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे। महान सरदार साहब इस ऐतिहासिक दिन को देखने के लिए जीवित नहीं थे, लेकिन उनका सपना राष्ट्र के सामने साकार होकर भव्य रूप में उपस्थित था। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू इस घटना से अधिक उत्साहित नहीं थे। वे नहीं चाहते थे कि माननीय राष्ट्रपति और मंत्री इस समारोह का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि इस घटना से भारत की छवि खराब होगी। लेकिन, राजेंद्र बाबू अडिग रहे, और फिर जो हुआ, उसने एक नया इतिहास रच दिया।

सोमनाथ मंदिर का कोई भी उल्लेख के.एम. मुंशी जी के योगदानों को याद किए बिना अधूरा है। उन्होंने उस समय सरदार पटेल का प्रभावी रूप से समर्थन किया था। सोमनाथ पर उनका कार्य, विशेष रूप से उनकी पुस्तक 'सोमनाथ, द श्राइन इटरनल', अवश्य पढ़ी जानी चाहिए। जैसा कि मुंशी जी की पुस्तक के शीर्षक से स्पष्ट होता है, हम एक ऐसी सभ्यता हैं, जो आत्मा और विचारों की अमरता में अटूट विश्वास रखती है। हम विश्वास करते हैं- नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। सोमनाथ मंदिर का भौतिक ढांचा नष्ट हो गया, लेकिन उसकी चेतना अमर रही।

इन्हीं विचारों ने हमें हर कालखंड में, हर परिस्थिति में फिर से उठ खड़े होने, मजबूत बनने और आगे बढ़ने का सामर्थ्य दिया है। इन्हीं मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वो हमारे इनोवेटिव युवाओं में निवेश करना चाहती है। हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। अनादि काल से सोमनाथ जीवन के हर क्षेत्र के लोगों को जोड़ता आया है। सदियों पहले जैन परंपरा के आदरणीय मुनि कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य यहां आए थे और कहा जाता है कि प्रार्थना के बाद उन्होंने कहा था...

'भवबीजाङ्कुरजनना रागाद्याः
क्षयमुपगता यस्य।'

अर्थात्, उस परम तत्व को नमन जिसमें सांसारिक बंधनों के बीज नष्ट हो चुके हैं। जिसमें राग और सभी विकार शांत हो गए हैं। आज भी सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन से ऐसी ही अनुभूति होती है। मन में एक ठहराव आ जाता है, आत्मा को अंदर तक कुछ स्पर्श करता है, जो अलौकिक है, अव्यक्त है। 1026 के पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद 2026 में भी सोमनाथ का समुद्र उसी तीव्रता से गर्जना करता है और तट को स्पर्श करती लहरें उसकी पूरी गाथा सुनाती हैं। उन लहरों की तरह सोमनाथ बार-बार उठता रहा है।

आशा का अनंत नाद: अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। इतिहास के पन्नों में वे केवल फुटनोट हैं, जबकि सोमनाथ ज्योतिर्लिंग आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें ये बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है। करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए सोमनाथ आज भी आशा का अनंत नाद है। ये विश्वास का वो स्वर है, जो टूटने के बाद भी उठने की प्रेरणा देता है।

अगर हजार साल पहले खंडित हुआ सोमनाथ मंदिर अपने पूरे वैभव के साथ फिर से खड़ा हो सकता है, तो हम हजार साल पहले का समृद्ध भारत भी बना सकते हैं। आइए, इसी प्रेरणा के साथ हम आगे बढ़ते हैं। एक नए संकल्प के साथ, एक विकसित भारत के निर्माण के लिए। एक ऐसा भारत, जिसका सभ्यतागत ज्ञान हमें विश्व कल्याण के लिए प्रयास करते रहने की प्रेरणा देता है।

जय सोमनाथ!

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं।)

साल 1026 के बाद समय-समय पर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक, सोमनाथ मंदिर को उसके पूरे वैभव के साथ पुनर्निर्मित करने के प्रयास जारी रहे। मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1951 में आकार ले सका। संयोग से 2026 सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 साल पूरे होने का भी वर्ष है।

गृहमंत्री ने कहा- तमिलनाडु और बंगाल में NDA जीतेगी

PTI

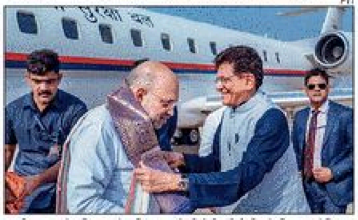

अमित शाह ने रविवार को तमिलनाडु में बीजेपी की रैली को किया संबोधित।

■ भाषा, पुदुकोट्टई (तमिलनाडु)

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को एक रैली को संबोधित करते हुए विश्वास जताया कि इस वर्ष तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) विजयी होगा।

बीजेपी की एक विशाल रैली को यहां संबोधित करते हुए शाह ने 2024 से बीजेपी-एनडीए की जीतों का ब्योरा दिया, जिसमें हरियाणा में लगातार तीसरी जीत भी शामिल है। शाह ने कहा कि अब तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की बारी है। सत्ताधारी दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने पूछा कि क्या राज्य भ्रष्ट मंत्रियों की फौज के साथ प्रगति कर सकता है?

> **"परिवारवाद को कायम रखने का सपना पूरा नहीं होगा। तमिलनाडु में परिवारवाद की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है।"**
> *- अमित शाह, गृहमंत्री*

उन्होंने डीएमके पर परिवारवाद का आरोप लगाया और कहा कि इसे कायम रखने का सपना पूरा नहीं होगा और तमिलनाडु में परिवारवाद की राजनीति को खत्म करने का समय आ गया है।

असम के लिए प्रियंका को स्क्रीनिंग कमिटी की कमान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

File

प्रियंका गांधी को पहली बार स्क्रीनिंग कमिटी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कांग्रेस ने 2026 में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत बड़ी संगठनात्मक कवायद करते हुए असम के लिए स्क्रीनिंग कमिटी का गठन किया है। पार्टी ने इस मुश्किल माने जा रहे राज्य में चुनावी रणनीति को धार देने के लिए वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को स्क्रीनिंग कमिटी का चेयरपर्सन बनाया है। यह फैसला इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि प्रियंका गांधी को पहली बार पार्टी ने स्क्रीनिंग कमिटी की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसके अलावा कांग्रेस ने केरल के लिए मधुसूदन मिस्त्री, तमिलनाडु और पुडुचेरी के लिए वरिष्ठ नेता टीएस सिंह देव और पश्चिम बंगाल के लिए बीके हरिप्रसाद को स्क्रीनिंग कमिटी का चेयरमैन बनाया है।

> कांग्रेस ने केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और बंगाल के लिए भी बनाई है स्क्रीनिंग कमिटी।

असम में पिछले करीब 10 साल से बीजेपी की सरकार है। पार्टी के युवा सांसद गौरव गोगोई पहले से ही असम में आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। अब प्रियंका गांधी वाड्रा के सक्रिय रूप से चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से कांग्रेस के अभियान को नई धार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

वजीराबाद के सूर घाट पर मनेगा उत्तरैणी-मकरैणी

ब्रह्म मुहूर्त स्नान, यमुना आरती और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का होगा आयोजन

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

मकर संक्रांति यूं तो देश भर में मनाई जाती है, मगर उत्तराखंडी समाज में इस पर्व को विशेष रूप से सामूहिक आयोजन के रूप में भव्य तरीके से मनाया जाता है। मान्यता है कि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त अर्थात सुबह 4 बजे पवित्र नदी तटों पर स्नान करने वाले भक्तों को सौ दिन की पूजा के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है। पिछले चौदह साल से इसी परंपरा को कायम रखे हुए है दिल्ली की श्रीगुरु माणिकनाथ सर्वजन कल्याण सेवा संस्था। दिल्ली की श्रीगुरु माणिकनाथ सर्वजन कल्याण सेवा संस्था हर साल की तरह इस बार भी मकरैणी उत्तरैणी स्नान मेला वजीराबाद के सूर घाट में कराने जा रही है। यह मेले का 14वां वर्ष है। आयोजन से जुड़े लक्ष्मण सिंह भंडारी बताते हैं कि इस साल 13-14 जनवरी को कार्यक्रम होगा।

13 जनवरी की शाम 6.30 बजे यमुना-आरती से कार्यक्रम शुरू होगा। इसके बाद रात 8.30 पर रात्रि भोज के बाद उत्तराखंड से आए ढोल और दमाऊं संग मैदाण, रात्रि जागर, देवताओं की चार प्रहर की नौबत बजाई जाएगी। अगले दिन 14 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त में देव जागर धुयाल, यमुना पूजन होगा। इसी के साथ स्नान प्रातः 4 बजे से शुरू हो जाएगा। स्नान के बाद प्रातः 6 बजे से आचार्य संदीपकृष्ण कोटनाला के सान्निध्य में श्रद्धालु अपने इष्ट, कुल व पितृ देवताओं के स्मरण के साथ यज्ञ आहुतियां डाल सकेंगे।

इसके बाद श्रीगुरु महाराज के दरबार में देव दर्शन, तिलक व रोट प्रसाद का भोग ग्रहण किया जा सकेगा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए खिचड़ी प्रसाद बनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान दिल्ली एनसीआर से आ रहीं महिला शक्ति कीर्तन मंडलियां भजन प्रस्तुतियां देंगी। इस बार कार्यक्रम में लोकगायक मुकेश कठैत, दिनेश कैन्तुरा और बबिता थपलियाल भी सांस्कृतिक गीतों की प्रस्तुति देंगे।

मिलता है पुण्य फल

- मान्यता है कि इस दिन ब्रह्म मुहूर्त पर पवित्र नदी तटों पर स्नान करने वाले भक्तों को सौ दिन की पूजा के बराबर पुण्य फल प्राप्त होता है
- इस साल 13-14 जनवरी को कार्यक्रम होगा

मयूर विहार और आरके पुरम में इस वीकेंड होगा महाकौथिग शरदोत्सव

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** लोकपर्व मकरैणी-उत्तरैणी से पहले उत्तराखंडी संस्थाएं अपने-अपने स्तर पर मेले (कौथिग) और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रही हैं। आरके पुरम उत्तराखंड सांस्कृतिक एवं भ्रातृ मंडल आगामी 10 और 11 जनवरी को आरके पुरम के सेक्टर 12 स्थित सेंट्रल पार्क में महाकौथिग शरदोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। दोनों ही दिन उत्तराखंडी लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां दोपहर 3 बजे से रात 8 बजे तक होंगी।

मयूर विहार फेज 3 में रेड फॉक्स पार्क में आगामी 9 जनवरी से 11 जनवरी तक घुघुती फाउंडेशन गढ़वाल भ्रातृ एवं सांस्कृतिक समिति के साथ मिलकर राज्योत्सव नाम से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। इसमें कई बड़े लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां होंगी जिनमें गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी, इंदर आर्या, सौरभ मैठाणी, रोहित चौहान जैसे कलाकार प्रस्तुतियां देंगे।

हिमाचल के हुनर और उद्यम का महापर्व

हिमाचल प्रदेश की आर्थिक शक्ति का प्रदर्शन। 'हिम MSME फेस्ट 2026' का आयोजन शिमला के पीटरहॉफ और आसपास के क्षेत्र में 4 जनवरी से 7 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। चार दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में राज्य भर के छोटे और मझोले उद्यमी अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। फेस्ट में कुल्लू की शॉल, चंबा के रूमाल और कांगड़ा पेंटिंग्स के साथ-साथ आधुनिक तकनीकी उपकरणों के 200 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। यहां आने वाले दर्शक न केवल खरीदारी कर सकते हैं, बल्कि हिमाचल की समृद्ध विरासत को करीब से देख भी रहे हैं।

महाराजा अग्रसेन की 'शाही' सालगिरह का होगा भव्य जश्न

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में पहली बार महाराजा अग्रसेन और महारानी माधवी के विवाह की सालगिरह धूमधाम से मनाने की तैयारियां की जा रही हैं। यह आयोजन दिल्ली अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। इसमें अग्रवाल समाज की तमाम संस्थाएं और शख्सियत शामिल होंगी।

ट्रस्ट के चेयरमैन नंद किशोर अग्रवाल और अध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश गर्ग ने बताया कि यह आयोजन वसंत पंचमी की पूर्व संध्या यानी 22 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। चूंकि, महारानी उस वक्त नागलोक कहलाए जाने वाले नॉर्थ-ईस्ट के मणिपुर और त्रिपुरा से ताल्लुक रखती हैं। महारानी माधवी नागलोक के राजा नागराज महिधर की पुत्री थी।

> - दिल्ली अग्रोहा विकास ट्रस्ट द्वारा दिल्ली के शाह ऑडिटोरियम में होगा आयोजन
> - इस समारोह में अग्रवाल समाज की तमाम संस्थाएं और शख्सियत शामिल होंगी

अध्यक्ष बीपी गर्ग ने बताया कि ऐसे में योजना बनाई जा रही है कि दिल्ली में मणिपुर और त्रिपुरा हाउस से नागलोक की राजकुमारी माधवी के रूप में वैश्य समाज की कलाकारा की डोली को विदा कराकर यहां शाह ऑडिटोरियम में लाया जाए। जहां फिर महाराजा अग्रसेन जी महाराज और महारानी माधवी जी की शादी की सालगिरह को धूमधाम से मनाया जाए। गर्ग ने बताया कि दिल्ली ही नहीं बल्कि देश में ऐसा आयोजन पहली बार किया जा रहा है। जब वैश्य समाज के महाराजा अग्रसेन जी की शादी की सालगिरह को पहली बार इतने धूमधाम तरीके से मनाया जाएगा।

इसके लिए जो भी कलाकार महाराज अग्रसेन जी और महारानी माधवी की भूमिका निभाएंगे। वह सब वैश्य समाज से ताल्लुक रखने वाले होंगे। इनके अलावा भी अन्य तमाम कलाकार वैश्य समाज से ही होंगे।

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें
@NBTDilli

मैथिली अकादमी पर लगा ताला, उठी विरोध की गूंज

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मैथिली अकादमी में पूर्व की तरह काम की मांग को लेकर विद्यापति सेवा संस्थान ने शनिवार को दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। रविवार को चेतना समिति ने भी पटना में उपाध्यक्ष रमेश मिश्र और सचिव जयदेव मिश्र की अगुआई में एक-दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया, जबकि अखिल भारतीय मिथिला संघ ने दिल्ली में प्रदर्शन करने की बात कही है।

> दरभंगा में हुआ प्रदर्शन, दिल्ली में विरोध करने की तैयारी

दरभंगा में प्रो. अयोध्या नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित धरना-प्रदर्शन में विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव बैद्यनाथ चौधरी बैजू, मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष कमलाकांत झा, मणिकांत झा, विनोद मिश्र, बैद्यनाथ यादव, उदय शंकर मिश्र, हरिश्चंद्र हरित, चंद्रशेखर झा बूढ़ा भाई, राम शुभग चौधरी, परमानंद झा, गणेश कांत झा, श्याम किशोर राम, महानंद ठाकुर, देवेंद्र चौधरी, राम लला चौधरी, पंकज कुमार ठाकुर, दीपक कुमार झा, संतोष कुमार झा आदि की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। संस्थान के महासचिव बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने कहा कि ये अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है।

मिथिला संघ के अध्यक्ष का इस्तीफा, महासचिव पहले ही छोड़ चुके हैं पद

Roushan Jha
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अखिल भारतीय मिथिला संघ के अध्यक्ष विजयचंद्र झा ने बीते मंगलवार को पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपना यह इस्तीफा 27 और 28 दिसंबर को आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के बाद उठे कुछ सवालों के बाद संस्था के वट्सऐप ग्रुप में दिया। 76 वर्षीय झा ने अपनी बढ़ती उम्र और स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस्तीफे की घोषणा की। हालांकि उन्होंने ग्रुप में ही लिखा कि वह छह महीने पूर्व ही लिखित में अपना इस्तीफा सौंप चुके थे, लेकिन पदाधिकारियों ने इसे अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि इस बार वह अपना इस्तीफा वापस नहीं लेंगे।

> उम्र और स्वास्थ्य का हवाला देते हुए इस्तीफे की बात कही

पूर्व केंद्रीय मंत्री ललित नारायण मिश्र की पुण्यतिथि मनाई गई।

पिछले लगातार 13 साल से अध्यक्ष पद पर काबिज विजयचंद्र झा से पहले संस्था के महासचिव विद्यानंद ठाकुर भी करीब दो साल पहले इस्तीफा दे चुके हैं। हालांकि उनका इस्तीफा भी अब तक मंजूर नहीं किया गया है। शनिवार को संगम विहार स्थित मिथिला भवन में पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री ललित नारायण मिश्र की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष के इस्तीफे पर संक्षिप्त चर्चा हुई।

संस्था के महासचिव डीएन झा ने बताया कि इस बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा के लिए सात फरवरी को कार्यकारिणी और आठ फरवरी को राष्ट्रीय परिषद की बैठक बुलाई गई है। बिहार के तीन बार मुख्यमंत्री रहे जगन्नाथ मिश्र के बेटे संजीव मिश्र ने दो दिवसीय कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर सवाल खड़े किए थे। उन्होंने लिखा कि कार्यक्रम के दौरान मैथिल व्यक्तियों को सम्मान दिया गया, लेकिन मिथिला क्षेत्र से तीन बार मुख्यमंत्री रहे मिश्र का नाम तक नहीं लिया गया।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 05-01-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP9 User: cci Time: 01-04-2026 22:08 Color:

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड की पिच अच्छी दिख रही है। यहां टेस्ट मैच की जैसी शुरुआत हुई है उसको देखकर लग रहा है कि हम पूरे पांच दिनों का टेस्ट मैच देखने जा रहे है। - माइकल वॉन, पूर्व कप्तान, इंग्लैंड क्रिकेट टीम

57

टेस्ट एशेज सीरीज के खेले गए हैं सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में। इनमें से 27 ऑस्ट्रेलिया ने जबकि 22 इंग्लैंड ने जीते हैं। आठ टेस्ट मैच ड्रॉ रहे हैं

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज के कितने मैच जीते हैं?
   A) 27 B) 22 C) 30 D) 45
2. जो रूट ने अपने टेस्ट करियर में अब तक कितनी हाफ सेंचुरी जड़ी है?
   A) 15 B) 50 C) 67 D) 33

कल के जवाब
1. C) 11 जनवरी 2. B) विदर्भ

लकी WINNER

1. डॉ. देवराज जैन, रोहिणी, नई दिल्ली
2. दिनेश प्रभुनाथ वर्मा, जोगेश्वरी, मुंबई
3. राकेश कुमार जैन, गुड़गांव, हरियाणा

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

सिंड्रेला और दिव्यांशी जीते

■ वडोदरा: सिंड्रेला दास, दिव्यांशी भौमिक और जापान की मिकु मात्सुशिमा ने 'डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर' 2026 में लड़कियों के अंडर-19 सिंगल्स में अपने-अपने अभियान की जीत से शुरुआत की। सिंड्रेला ने अधिरिमता महतो को 11-7, 11-7, 11-8 से हराया, जबकि दिव्यांशी ने श्रेष्ठा बोथम को 11-4, 11-3, 11-7 से मात दी। मिकु ने गुंजन कुमार पर 11-3, 11-6, 11-4 से जीत दर्ज की।

रेफरी पैनल पर विवाद

■ नई दिल्ली: चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में पांच जनवरी से होने वाली अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय कुश्ती चैंपियनशिप पर अनिश्चितता के बादल छा गए है क्योंकि मेजबान विश्वविद्यालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा सुझाए गए रेफरी पैनल से अलग पैनल चुना है, जिसके कारण राष्ट्रीय महासंघ ने तकनीकी अधिकारियों को भेजने से मना कर दिया है।

भारत के बाहर मैच शिफ्ट हुए तो बदलना पड़ सकता है टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल

बांग्लादेश ने ICC के पाले में डाली गेंद

■ एजेंसियां, ढाका/नई दिल्ली: बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने अपनी सरकार के निर्देश पर आधिकारिक बयान जारी करते हुए अगले टी20 वर्ल्ड कप के अपने मैच भारत से बाहर कराने का आग्रह किया है। उसने इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) को अपने फैसले से अवगत करा दिया है। गेंद अब ICC के पाले में है। उसको इस मुद्दे पर ध्यान देना होगा क्योंकि बांग्लादेश को लीग स्टेज के अपने चारों मैच भारत में खेलने हैं। पाकिस्तान के साथ हुए समझौते की तरह बांग्लादेश भी चाहता है कि उसके सभी मैच टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में स्थानांतरित कर दिए जाएं। BCB के बयान के मुताबिक, 'BCB ने वर्ल्ड कप के आयोजक ICC से औपचारिक रूप से अनुरोध किया है कि वह बांग्लादेश के सभी मैचों को भारत के बाहर किसी अन्य स्थान (सह-मेजबान श्रीलंका) में स्थानांतरित करने पर विचार करे।' BCB को उम्मीद है कि ICC इस मामले पर तत्काल प्रतिक्रिया देगी। अगर ICC बांग्लादेश बोर्ड के फैसले को मान लेती है, तो उसको टी20 वर्ल्ड कप के शेड्यूल में परिवर्तन करना पड़ सकता है।

फेसबुक पेज पर कर दी घोषणा: BCB द्वारा बयान जारी करने से पहले ही बांग्लादेश सरकार के सलाहकार आसिफ नजरूल ने फेसबुक पर घोषणा कर दी कि बोर्ड ने भारत में अपनी टीम नहीं भेजने का फैसला कर लिया है। उनके बंगाली भाषा में साझा पोस्ट में लिखा, 'बांग्लादेश वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत नहीं जाएगा। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने आज यह निर्णय लिया है। हम भारतीय क्रिकेट बोर्ड की हिंसक सांप्रदायिक नीति के संदर्भ में लिए गए इस निर्णय का स्वागत करते हैं।' BCB की आपातकालीन बैठक के बाद नजरूल ने बोर्ड को निर्देश दिया कि वह जय शाह के नेतृत्व वाली ICC से बांग्लादेश के चार लीग मैचों (कोलकाता में तीन और मुंबई में एक) को श्रीलंका में स्थानांतरित करने का अनुरोध करे। नजरूल ने अपने फेसबुक पेज पर बंगाली में लिखा, 'खेल मंत्रालय के प्रभारी सलाहकार के रूप में मैंने क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह इस पूरे मामले को लिखित रूप में ICC को स्पष्ट करे। बोर्ड को यह स्पष्ट करना होगा कि कॉन्ट्रैक्ट होने के बावजूद अगर कोई खिलाड़ी भारत में नहीं खेल सकता तो बांग्लादेश की नैशनल टीम वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत की यात्रा करने में सुरक्षित महसूस नहीं कर सकती। मैंने बोर्ड को यह भी निर्देश दिया है कि वह औपचारिक रूप से अनुरोध करे कि बांग्लादेश के वर्ल्ड कप मैच श्रीलंका में आयोजित किए जाएं।'

मुस्ताफिजुर मामले के बाद आया रिएक्शन: शाहरुख खान के सह-स्वामित्व वाली कोलकाता नाइटराइडर्स ने बीसीसीआई के निर्देश के बाद बांग्लादेश के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को 'रिलीज' कर दिया था। फ्रेंचाइजी ने पिछले महीने अबु धाबी में हुई नीलामी में मुस्ताफिजुर को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए। हसीना पिछले साल अगस्त में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद भारत आ गई थीं।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

FILE

लिटन की अगुआई में टीम की भी घोषणा हुई

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए लिटन दास की अगुआई वाली 15 सदस्यीय टीम का भी ऐलान कर दिया है। फास्ट बोलर तस्किन अहमद हाल में आयरलैंड सीरीज से बाहर रहने के बाद टीम में वापस आए हैं। टीम में मुस्ताफिजुर रहमान भी हैं जिन्हें कोलकाता नाइटराइडर्स ने अपनी आईपीएल टीम से रिलीज कर दिया था और उसके बाद सारा विवाद शुरू हुआ।

बांग्लादेश की टी20 टीम
लिटन दास (कप्तान), मोहम्मद सैफ हसन (उप-कप्तान), तंजिद हसन, परवेज हुसैन इमोन, तौहीद हृदय, शमीम हुसैन, काजी नूरुल हसन, मेहदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्ताफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब, तस्किन अहमद, मोहम्मद सैफुद्दीन, शोरिफुल इस्लाम।

बांग्लादेश की टी20 टीम की कमान संभालेंगे लिटन दास

भारत के खिलाफ कोई मुकाबला नहीं

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

बांग्लादेश को अगले टी20 वर्ल्ड कप में ग्रुप-सी में रखा गया है। उसके साथ इस ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, नेपाल और इटली भी हैं। ग्रुप स्टेज में उसे कुल चार मैच भारत में खेलने हैं और इनमें से कोई भारत के खिलाफ नहीं है। बांग्लादेश को वर्ल्ड कप के शुरुआती दिन ही अपना पहला मैच खेलना है। बांग्लादेश के चार लीग मैच में से तीन वेस्टइंडीज (7 फरवरी), इटली (9 फरवरी), इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में हैं। उनका आखिरी मैच नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ मुंबई में होगा। बांग्लादेश ने यह सवाल उठाकर कि जब एक खिलाड़ी (मुस्ताफिजुर रहमान) को सुरक्षा नहीं मिल सकती है तो पूरी टीम की सुरक्षा को लेकर वह कैसे निश्चित हो सकता है, ICC को पसोपेश में डाल दिया है।

रूट-ब्रुक ने पहले दिन दिलाई बढ़िया शुरुआत

ऑस्ट्रेलिया Vs इंग्लैंड
पांचवां टेस्ट, पहला दिन

67 वीं टेस्ट फिफ्टी बनाई जो रूट ने जबकि हैरी ब्रुक ने 15वीं बार टेस्ट में अपना अर्धशतक पूरा किया

139 साल बाद यह पहली बार है जब ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी में किसी स्पेशलिस्ट स्पिनर को इलेवन में नहीं रखा

ब्रीफ स्कोर
इंग्लैंड (पहली पारी): 45 ओवरों में 211/3* (हैरी ब्रुक 78*, जो रूट 72*, माइकल नेसर 1/36, मिचेल स्टार्क 1/53)

■ एजेंसियां, सिडनी: जो रूट और हैरी ब्रुक के बीच 154* रन की अटूट साझेदारी से इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने तक तीन विकेट पर 211 रन बनाए। इस मैच में बोंडी आतंकी हमले के पीड़ितों और 'फर्स्ट रिस्पॉन्डर्स' को मैदान पर श्रद्धांजलि दी गई। रूट (72* रन, 103 बॉल, 8 फोर) और ब्रुक (78* रन, 92 बॉल, 6 फोर, 1 सिक्स) उस समय एक साथ आए जब इंग्लैंड की टीम 57 रन तक तीन विकेट गंवाकर संकट में थी। रूट और ब्रुक की यह साझेदारी मौजूदा सीरीज में मेहमान टीम की ओर से सर्वश्रेष्ठ साझेदारी है। खराब रोशनी और बारिश के कारण चाय के विश्राम से ठीक पहले खेल रोक दिया गया और फिर मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका।

तेज गति से रन बनाए: रूट और ब्रुक दोनों ने इसी ओवर में अपने अर्धशतक पूरे किए जिसमें उनकी शतकीय साझेदारी पूरी हुई। ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों को पिच से अधिक मदद नहीं मिल रही थी जिससे इस जोड़ी की बदौलत इंग्लैंड ने नियंत्रण बनाया। रूट ने 65 गेंद में अपना 67वां जबकि ब्रुक ने 63 गेंद में 15वां अर्धशतक पूरा किया। इंग्लैंड ने सुबह के सेशन में जल्दी-जल्दी तीन विकेट खो दिए। बेन डकेट और जैक क्राउली ने मेहमान टीम को तेज शुरुआत दी थी। मिचेल स्टार्क ने 35 रन के स्कोर पर डकेट (27) को विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराके सीरीज का अपना 27वां विकेट हासिल किया।

आठ गेंद में दो विकेट: इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने आठ गेंद में दो विकेट लिए। माइकल नेसर ने क्राउली (16) को एलबीडब्ल्यू किया जबकि स्कॉट बोलैंड ने जैकब बेथेल (10) को विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। ऑस्ट्रेलिया ने इलेवन में एक बदलाव करते हुए ऑलराउंडर ब्यू वेब्स्टर को जाय रिचर्डसन की जगह इस सीरीज में पहली बार खेलने का मौका दिया। स्पिनर टॉड मर्फी को जगह नहीं मिल पाई। चौथे टेस्ट के दौरान गस एटकिंसन के चोटिल होने के बाद इंग्लैंड ने तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया। ऑस्ट्रेलिया सीरीज में 3-1 की बढ़त के साथ पहले ही एशेज अपने पास रखना सुनिश्चित कर चुका है।

द एशेज

AP

जो रूट

श्राची की विमिंस और मेंस टीम ने मारी बाज़ी

■ एजेंसियां, नई दिल्ली: महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के आठवें मैच में श्राची बंगाल टाइगर्स ने मेजबान रांची रॉयल्स को 1-0 से मात दी। इस मुकाबले का इकलौता गोल अमरिस्टना गोरजेलानी ने दागा, जिनके गोल की मदद से टीम को तीन अंक मिले। इसी के साथ श्राची बंगाल टाइगर्स पॉइंट्स टेबल में दूसरे पायदान पर पहुंच गई है। मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में रांची रॉयल्स ने मुकाबले की शुरुआत में ही मिडफील्ड पर दबदबा बनाते हुए खेल की गति को नियंत्रित किया। पहले क्वॉर्टर में उन्हें पांच पेनल्टी कॉर्नर और सात सर्कल पेनिट्रेशन मिले, लेकिन श्राची के गोलकीपर जेनिफर रिजो ने शानदार बचाव किए।

मेंस टीम की भी जीत: दूसरी ओर, मेंस एचआईएल में भी गत चैंपियन श्राची बंगाल टाइगर्स ने चेन्नै में हुए मैच में जेएसडब्ल्यू सूरमा क्लब पर 3-1 की शानदार जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। टाइगर्स के लिए सुखजीत सिंह (33वें मिनट), अभिषेक (45वें) और गुरसेवक सिंह (60वें) ने गोल किए जबकि प्रभजोत सिंह (54वें) ने सूरमा के लिए एक गोल किया। पहला क्वॉर्टर बराबरी का रहा जिसमें दोनों टीमें गोल करने की कोशिश कर रही थीं। सूरमा ने टाइगर्स के डिफेंस को फैलाने की कोशिश की। लेकिन टाइगर्स तेज 'काउंटर-अटैक' पर निर्भर रही। निकोलस पोंसलेट और टॉमी विलेम्स के कुछ अच्छे मूव के बावजूद पहले 15 मिनट में कोई भी टीम मौका नहीं बना पाई।

Special Media

हॉकी इंडिया लीग

अमरिस्टना गोरजेलानी ने दागा विजयी गोल

ओलिंपिक्स मेज़बानी की मज़बूती से तैयारी कर रहा है भारत: पीएम

■ एजेंसियां, वाराणसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पिछले साढ़े 11 वर्षों में सरकार ने देश में खेलों के क्षेत्र में व्यापक बदलाव करते हुए 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए हैं और भारत 'पूरी मजबूती से' 2036 के ओलिंपिक्स की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। वाराणसी में रविवार से शुरू हुई 72वीं सीनियर नैशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन कार्यक्रम से ऑनलाइन जुड़े पीएम ने कहा कि पिछले एक दशक में कई शहरों में फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप और हॉकी वर्ल्ड कप समेत 20 से अधिक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित किए गए हैं। उन्होंने कहा, '2030 के राष्ट्रमंडल खेल भी भारत में ही होने जा रहे हैं। भारत पूरी मजबूती से ओलिंपिक्स की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। इसके पीछे प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अधिक से अधिक मौके मिलें।'

FILE

> पहले खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों में ही उदासीनता का माहौल था। बहुत कम युवा खेल को करियर की तरह अपनाते थे, लेकिन बीते दशक में खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों की ही सोच में बदलाव दिख रहा है। - नरेंद्र मोदी, पीएम

डेमियन मार्टिन की स्थिति में चमत्कारिक सुधार: गिलक्रिस्ट

पूर्व क्रिकेटर पर राहत भरी खबर

■ एजेंसियां, नई दिल्ली: मेनिनजाइटिस से पीड़ित होकर गंभीर हालत में पहुंचे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन को लेकर राहत भरी खबर मिली है। मार्टिन कोमा से बाहर आ गए हैं और बातचीत भी कर पा रहे हैं। मार्टिन के परिवार की ओर से जारी बयान में करीबी दोस्त और एडम गिलक्रिस्ट ने कहा, 'पिछले 48 घंटों में घटनाओं में अविश्वसनीय मोड़ आया है। मार्टिन अब बात कर पा रहे हैं। कोमा से बाहर आने के बाद से उन्होंने असाधारण रूप से अच्छी प्रतिक्रिया दी है।'

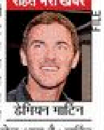

FILE

डेमियन मार्टिन

आर्सेनल की जीत में राइस ने दागे 2 गोल

फुटबॉल कॉर्नर

■ एपी, लंदन: डेकलान राइस के दो गोल की मदद से आर्सेनल ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए बोर्नमाउथ को 3-2 से हराकर इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में छह अंक की बढ़त बना ली। इंग्लैंड के मिडफील्डर राइस ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर आर्सेनल की जीत सुनिश्चित की। घुटने की चोट के कारण शुरुआत में राइस के खेलने पर संदेह था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी की। आर्सेनल की ओर से गैब्रिएल मेगलहाइस ने भी एक गोल किया। बोर्नमाउथ के लिए इवानिल्सन और एली जूनियर क्रोपी ने गोल दागे।

AFP

डेकलाइन राइस

अटलांटा से हारा रोमा

मिलान: जियान पियेरो गैस्पेरिनी के वापसी मुकाबले में रोमा को सिरी-ए फुटबॉल टूर्नामेंट में अटलांटा के खिलाफ 0-1 से शिकस्त झेलनी पड़ी। मैच का एकमात्र गोल 12वें मिनट में जॉनियो स्केलविनी ने किया। इस जीत से अटलांटा की टीम आठवें स्थान पर पहुंच गई।

सेनेगल क्वॉर्टर फाइनल में

रबात (मोरक्को): सादियो माने की अगुआई में सेनेगल ने सूडान को 3-1 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वॉर्टर फाइनल में जगह बनाई। वर्ष 2019 और 2022 के अफ्रीका के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर रहे सादियो ने निलंबित कप्तान कालिदोउ कोलिबाली की गैरमौजूदगी में टीम के अपने साथियों के लिए कई मौके बनाए।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज का दिन आपके लिए मिश्रित फलकारक है। समाज के बीच आपके मान-सम्मान की वृद्धि होगी तथा रुके हुए कार्य भी आज के दिन बन जाएंगे। आज के दिन धार्मिक यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि होगी। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा और मन को संतोष मिलेगा।

TAURUS 20 Apr - 19 May
राशि का स्वामी शुक्र नवम भाग्य भाव में राज्य मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि कारक है। चंद्रमा तृतीय भाव में मजबूत शक्ति का विस्तार और सत्तारूढ़ महान व्यक्तियों की कृपा से धन लाभ कराएगा। अच्छा मौका आपके आसपास है, बस उसे पहचानना आपके हाथों में है। आज की गई यात्रा सफल होगी।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आपकी राशि का स्वामी बुध धनु राशि सूर्य के साथ अष्टम भाव में उदय चल रहा है। आज के दिन आपके विरोधी कार्यक्षेत्र में आपकी बाधा बनेंगे। आप किसी फिजूल की चिंता को लेकर परेशान भी रहेंगे। व्यवसाय में विशेष सावधानी बरतें और जोखिम के कामों से दूर रहें, अन्यथा आगे चलकर पछताएंगे।

CANCER 22 Jun - 22 July
आज का दिन आपके लिए सुख-शांति का रहेगा। पिछले कई दिनों से चल आ रहा तनाव आज कुछ कम हो जाएगा और आप नई ऊर्जा से भर जाएंगे। राशि का स्वामी चंद्रमा चतुर्थ भाव में पराक्रम वृद्धि और कोर्ट-कचहरी में विजय कारक है। राशि पर मिथुन राशि का गुरु परिजनों को रोग मुक्त रखेगा।

LEO 23 July - 22 Aug
आपकी राशि का स्वामी सूर्य पंचम भाव में धनु राशि का होकर संचार कर रहा है। चंद्रमा द्वादश भाव में अचानक बड़ी मात्रा में लाभ करवाकर कोष वृद्धि करेगा। सायंकाल के समय हर्षदायक समाचार मिलेगा। रात्रि में किसी मांगलिक समारोह में सम्मिलित होने का अवसर मिल सकता है।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज का दिन आपके स्वास्थ्य एवं सुख्ख पदे कारोबार में सुधार का दिन है। इच्छित धन लाभ होने से आपका मनोबल बढ़ेगा। पत्नी व संतान पक्ष से संतोषजनक समाचार से हर्षित होंगे। दांपत्य जीवन में सुखद स्थिति रहेगी। विरोधियों से अवश्य दूर करने का दिन है, लाभ उठाएं।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आपकी राशि के स्वामी शुक्र का धनु राशि में प्रवेश हो चुका है। राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। सांसारिक सुख-भौगों का विस्तार होगा तथा परिवार में हर्ष-मंगलमय परिवर्तन होने से आप प्रसन्न रहेंगे। रात्रि में किसी विशेष समारोह में शामिल होंगे। आज के दिन किसी महान व्यक्ति के मिलने से बहुत समय से स्थगित चल रहे महत्वपूर्ण कार्य में गति आएगी।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज का दिन तनाव मुक्त रहेगा। आपकी राशि से पंचम शनि योग बना हुआ है। अतः विवेक से काम लें और बिल्कुल भी जल्दबाजी न करें। आज निकटवर्ती लोगों से कार्य के विवाद में न उलझें, हानि हो सकती है। आज स्वास्थ्य के प्रति भी विशेष सावधानी बरतें, अन्यथा सेहत संबंधी कष्ट हो सकते हैं।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज दिनभर आपको अपनी किसी प्रिय वस्तु के खोने या चोरी होने का भय बना रहेगा। चतुर्थ भाव में मीन राशि शनि व्यर्थ व्यय व भागदौड़ कराएगा। नजदीक व दूर की सफलतापूर्ण यात्रा के प्रसंग प्रबल होंगे। एकादश भाव में तुला राशि का चंद्रमा सायंकाल कुछ अच्छे समाचार व मन को संतोष देगा।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज का दिन प्रभाव को बढ़ाने वाला है। चतुर्थ सुख भाव में राहु जमीन-जायदाद के कार्यों से आकस्मिक लाभ कराएगा। श्रेष्ठ पुरुषों के मिलने से मन में प्रसन्नता होगी। उच्चाधिकारियों की कृपा से आपका बिगड़ा काम बन जाएगा। कार्यक्षेत्र में आज के दिन आपके कार्यकौशल की प्रशंसा होगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आपकी राशि का स्वामी शनि, मीन राशि का होकर द्वितीय भाव में विराजमान है। चंद्रमा आज पंचम घर में आय के नए स्रोत विकसित करेगा। आज के दिन आपका जीवनस्तर ऊंचा उठेगा। शत्रु पक्ष पराजित होगा। नया परिचय स्थायी मित्रता में परिवर्तित होगा। बेहतर होगा कि आज आप समय का लाभ उठाएं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
राशि का स्वामी देवगुरु पिछले कई दिनों से मिथुन राशि का होकर पंचम भाव में चल रहा है। चंद्रमा भी आज पंचम घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। खोया हुआ धन या रुका हुआ पैसा आज के दिन मिल जाएगा। आप निवेश के मामले में जोखिम उठा सकते है, लेकिन बेहतर होगा कि पहले किसी परिजन से चर्चा कर लें। मजबूत शक्ति के बल पर किसी कठिन समस्या का समाधान भी हो जाएगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(5 जनवरी - 11 जनवरी 2026)

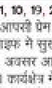

(आचार्य नंदिता पांडे)

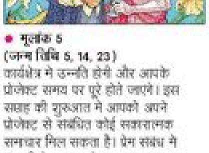

● मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं अपनी लव लाइफ में सुखद परिणाम प्राप्त करने के कई अवसर आपको इस सप्ताह मिलते जाएंगे। कार्यक्षेत्र में अपने पर भरोसा कर निर्णय लेंगे तो अधिक सफल रहेंगे। आर्थिक मामलों में फोकस की आवश्यकता है तभी उन्नति होगी। सप्ताह के उत्तरार्ध में बाहरी कारणों की वजह से कष्ट उत्पन्न हो सकते है एवं दूसरे आप पर हावी होने की कोशिश कर सकते है।

● मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
इस सप्ताह लव लाइफ में सुकून रहेगा एवं मन प्रसन्न रहेगा। आपकी नई सोच आपकी लव लाइफ में रौनक लेकर आएगी। कार्यक्षेत्र में खट्टे-मीठे अनुभव रहेंगे। जिस तरह के बदलाव आप अपने प्रोजेक्ट में चाहते है उन्हें प्राप्त करने में अभी समय अधिक लगेगा। आर्थिक मामलों में समय शुभ है एवं आपको अपने निवेशों द्वारा धन लाभ होगा। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में किसी बात को लेकर मन बेचैन रहेगा।

● मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं रचनात्मक कार्यों द्वारा सफलता आसानी से हासिल होगी। इस सप्ताह आप अपने प्रोजेक्ट की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक मामलों में भी धन लाभ रहेगा एवं जीवन में लापरवाही नहीं बरतेंगे तो सुखी रहेंगे। प्रेम संबंध में आपके द्वारा की गई मेहनत आपके लिए शुभ फल लेकर आएगी। सप्ताह के अंत में प्रैक्टिकल होकर निर्णय लें, तो बेहतर होगा।

● मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे है। आर्थिक मामलों में भी धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनेंगी। बिजनेस ट्रिप्स सफल रहेंगी एवं धन लाभ लेकर आएगी। प्रेम संबंध में सुकून रहेगा एवं आप अपने जीवनसाथी के सानिध्य में काफी रिलैक्स महसूस करेंगे। इस सप्ताह के अंत में की गई यात्राएं सफल रहेंगी एवं यात्राओं के दौरान आप नए दोस्त भी बनाएंगे जो भविष्य में आपकी मदद करेंगे।

● मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और आपके प्रोजेक्ट समय पर पूरे होते जाएंगे। इस सप्ताह की शुरुआत में आपको अपने प्रोजेक्ट से संबंधित कोई सकारात्मक समाचार मिल सकता है। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां बन रही है और बच्चों पर खर्च अधिक होते दिखाई दे रहे है।

● मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह आपके जीवन में खट्टे-मीठे अनुभव रहेंगे। आप कार्यक्षेत्र में कुछ प्रोजेक्ट्स को लेकर काफी रिलैक्स महसूस करेंगे, लेकिन वहीं किसी प्रोजेक्ट को लेकर मन परेशान भी रहेगा। आर्थिक मामलों में भी साझेदारी में किए गए निवेश कष्ट लेकर आ सकते है। प्रेम संबंध में संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है।

● मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति के योग बन रहे है एवं आपको अपने प्रोजेक्ट द्वारा सफलता हासिल होगी, भले ही वह आपकी अपेक्षाओं से कमतर क्यों न हो। आर्थिक मामलों में आपको किए गए वादे इस सप्ताह पूरे होते दिखाई नहीं दे रहे है। एक बैकअप प्लान के साथ अपने निवेशों पर ध्यान देंगे तो बेहतर रहेगा।

● मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
आर्थिक मामलों में उन्नति के योग बन रहे है। लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी से बहसबाजी में न उलझें, तो बेहतर होगा अन्यथा प्रतिकूल असर रहेगा। सप्ताह के अंत में जीवन में संतुष्ट रहेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा।

● मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति काफी बेहतर होती जाएगी एवं धन वृद्धि के कई अवसर आपको प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव रहेंगे एवं कहीं पर नुकसान उठाना पड़ेगा। किसी नए प्रोजेक्ट द्वारा सफलता प्राप्त होगी। प्रेम संबंध बेहतर होंगे एवं आपको अपने साथी द्वारा कोई उपहार भी मिल सकता है। सप्ताह के अंत में बातचीत द्वारा उलझन सुलझाएं।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष आपकी रजत पाद से प्रवेश कर रहा है। वर्ष पति बुधा दशम केंद्र में जनवरी के शेष आठ दिनों में राज्य-मान-प्रतिष्ठा की वृद्धि करेगा। जनवरी से मार्च तक आपके ज्ञान की वृद्धि होगी। अप्रैल-मई में आयात-निर्यात के व्यवसाय से जुड़े जातकों को कारबार नई-नई समस्याओं से जूझना पड़ेगा। जून में बाधाएं दूर होंगी और व्यापार के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। जुलाई अंत तक जहां आपको किसी भाग्यवर्धक क्षेत्र से जुड़ना पड़ेगा, वहीं अगस्त में आपके कार्य कौशल व एकाग्रता से सभी कठिन कार्य सरल हो जाएंगे। सितंबर-अक्टूबर में आपके कार्य कौशल की प्रशंसा होगी। 10 नवंबर तक कीर्ति की वृद्धि होगी। महिलाओं के दांपत्य जीवन में समरसता बढ़ेगी। विद्यार्थियों को साधारण परिश्रम से उच्च सफलता मिलेगी। देशाटन व धार्मिक कार्यों पर व्यय होकर पुण्यार्जन होगा। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 6 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 17, शक संवत 1947, माघ कृष्ण, तृतीया, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर पौष मास प्रविष्टे 23, रज्जब 16, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 6 जनवरी 2026 ई.। सूर्य दक्षिणायन, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक। तृतीया तिथि प्रातः 8 बजकर 2 मिनट तक उपरांत चतुर्थी तिथि का आरंभ। आश्लेषा नक्षत्र मध्याह्न 12 बजकर 18 मिनट तक उपरांत मघा नक्षत्र का आरंभ। विष्टि करण प्रातः 8 बजकर 2 मिनट तक। चंद्रमा मध्याह्न 12 बजकर 18 मिनट तक कर्क उपरांत सिंह राशि पर संचार करेगा।

सुडोकू

		4		6		8		
8			7		4			2
2		7				6		3
	6			9			7	
			6		3			
	7			5			8	
3		9				4		1
6			1		9			5
		1		4		2		

TELEVISION

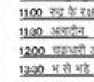

big magic

09:00 बहत हबत
10:00 हड़बड़ गड़बड़
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अदालत
12:00 चक्रधारी अजेय कृष्णा
13:30 भ से भड़े
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
15:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 पीहू

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in